सूर्योदय दि. 26-10-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com   Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in   Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 06 अंक : 206   नई दिल्ली, मंगलवार 26 अक्टूबर-2021   नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित   मूल्य : 02 रूपए   पृष्ठ : 08

उर्वशी रौतेला ने समंदर किनारे से शेयर.. पृष्ठ-8 पर

अब पूर्वांचल बनेगा मेडिकल का हब : प्रधानमंत्री मोदी

मेडिकल कॉलेज' की संकल्पना के आधार पर नवनिर्मित मेडिकल कॉलेजों का यहां वर्चुअल उद्घाटन

सिद्धार्थनगर.एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आने वाले दिनों में पूर्वांचल, उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के मुख्य केन्द्र के रूप में मेडिकल हब बनेगा, जो स्वस्थ और निरोग भारत का सपना पूरा करने में एक बड़ा कदम साबित होगा। मोदी सोमवार को उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर सहित नौ जिलों में 'एक जिला एक मेडिकल कॉलेज' की संकल्पना के आधार पर नवनिर्मित मेडिकल कॉलेजों का यहां वर्चुअल उद्घाटन करने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये यह बात कही।

उन्होंने कहा कि आजादी के पहले और बाद में भी देश के नागरिकों को मूलभूत चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने कहा कि 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्र में सरकार बनने के बाद हमने राजनीतिक इच्छाशक्ति के बलबूते प्राथमिकता के आधार पर गरीबों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के लिए देश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की व्यवस्था की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लचर

स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये बदनाम रहा, राज्य का पूर्वांचल क्षेत्र अब देश को डॉक्टरों की आपूर्ति करने वाले इलाके के रूप में जाना जायेगा। श्री मोदी ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की मौजूदगी में सिद्धार्थनगर सहित नौ जिलों में एक-एक नये मेडिकल कालेज का रिमोट कंट्रोल द्वारा उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन पूर्वांचल सहित पूरे उत्तर प्रदेश के लिये ÷आरोग्य की डबल डोज÷ लेकर आया है। उन्होंने जनता से कहा कि यह अवसर आपके लिये एक उपहार लेकर आया है। क्योंकि पूर्वांचल से ही पूरे देश में चिकित्सा सुविधाओं का आधारभूत ढांचा खड़ा करने की योजना शुरु होने जा रही है। श्री मोदी ने कहा, ÷मैं यहां की धरती का आशीर्वाद लेकर वाराणसी में इस योजना का आगाज करूंगा।

- **पीएम मोदी ने सिद्धार्थनगर सहित नौ जिलों में एक-एक नये मेडिकल कालेज का रिमोट कंट्रोल द्वारा उद्घाटन किया**

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी उत्तर प्रदेश की एक दिवसीय यात्रा के दौरान सिद्धार्थनगर के बाद वाराणसी में 64 हजार करोड़ रुपये लागत वाली ऐतिहासिक 'प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना' का भी शुभारंभ करेंगे। इससे पहले उन्होंने सिद्धार्थनगर में 2329 करोड़ रुपये की लागत से सिद्धार्थनगर, एटा, हरदोई, प्रतापगढ़, देवरिया, गाजीपुर, मिर्जापुर, फतेहपुर एवं जौनपुर जिले में नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया। उन्होंने जनसभा में योगी सरकार के कामों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि आज केन्द्र और उत्तर प्रदेश में जो सरकार काम कर रही है वह दशकों की कर्मयोगियों की तपस्या का परिणाम है।

पाकिस्तान नहीं, कश्मीर के युवाओं से करेंगे बात : शाह

बाबा साहब डॉ. अंबेडकर का सपना था कि हर दलित बच्चे को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए

श्रीनगर.एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के लोगों से कहा कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश में समस्याओं के समाधान के लिए उनके बातचीत करने के लिये तैयार है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि वह पाकिस्तान से नहीं, बल्कि वहां रहने वाले युवाओं से बात करना चाहते हैं। अनुछेद 370 के निरस्त होने के बाद से राय की अपनी पहली यात्रा के अंतिम दिन श्री शाह ने कहा ÷हमारे इरादे नेक हैं। हम उन लोगों को नहीं बख्शेंगे, जो जम्मू-कश्मीर के विकास में बाधा डालने की कोशिश करेंगे। श्री शाह ने यहां की सत्ता में रहे ÷तीन राजवंशों÷ पर भी तीखा हमला किया और उन्हें कश्मीर घाटी में लोगों की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार ठहराया। गौरतलब है कि अभी कुछ दिन पहले नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ता किए जाने का समर्थन किया था। श्री शाह ने अपनी तीन दिन की जम्मू-कश्मीर यात्रा के आखिरी दिन श्रीनगर में डल लेक के किनारे शेर-ए-कश्मीर प्रेक्षागार में सरपंचों की सभा को संबोधित करते हुए कहा, आज मैं आपसे खुले तौर पर बात करना चाहता हूं इसीलिये

आप लोगों के बीच बिना बुलेटप्रूफ कवर के आया हूं। फारुक (अब्दुल्ला) साहब ने मुझे पाकिस्तान से बात करने की सलाह दी थी, लेकिन मैं घाटी के लोगों, अपने युवाओं से बात करूंगा। उन्होंने रविवार को युवाओं को संबोधित करते हुए कहा था, मैं आप लोगों से बात क्यों न करूं। हम युवाओं से बात करना चाहते हैं। जब मेरी पहली दफा उनसे बात हुई थी, तब मैंने उनसे कहा था कि मैं उनके साथ दोस्ती चाहता हूं। मैंने दोस्ती का हाथ बढ़ाया है और मैं निश्चिंत हूं कि हमारे दिल में कोई द्वेष नहीं है। जम्मू-कश्मीर का विकास ही हमारा एकमात्र मकसद है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि शांति हर कीमत पर बहाल होगी। पारंपरिक कश्मीरी परिधान फेरन धारण किए हुए श्री शाह ने कहा कि उन्हें अक्सर यह पूछा जाता है कि घाटी में अनुछेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद कश्मीर में कर्फ्यू क्यों लगाया गया था और इंटरनेट की सेवा क्यों बंद की गई थी? गृह मंत्री ने कहा, आज मैं जवाब देता हूं। ऐसा हमारे युवाओं के जीवन की रक्षा और उन्हें बचाने के लिए किया गया था। हम नहीं चाहते थे कि निहित स्वार्थ और शांति विरोधी तत्व स्थिति का फायदा उठाएं और हमारे युवाओं को गोलियों का सामना करने के लिए सड़कों पर धकेलें। कश्मीरी युवाओं की जान बचाने के लिए यह कदम उठाया गया था। जम्मू-कश्मीर के 'तीन परिवारों' पर कटाक्ष करते हुए श्री शाह ने कहा कि वे 70 वर्षों में उतना विकास क्यों नहीं ला सके, जितना मोदी सरकार पिछले दो वर्षों में ला पाने में कामयाब हुई है।

opensearch.co.in

अयोध्या पहुंचे दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, सरयू आरती में होंगे शामिल : कल करेंगे रामलला और बजरंगबली के दर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दोपहर 11 बजे सुलतानपुर पहुंचे। यहां उन्होंने लोनिवि निरीक्षण भवन पहुंचकर विश्राम किया। अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अमेठी व गौरीगंज में 2014 में चुनावी दौरे के दौरान दर्ज मुकदमे चल रहा है। अरविंद केजरीवाल एमपी एमएलए कोर्ट में चल रहे मुसाफिरखाना व गौरीगंज के मुकदमे में स्वेच्छा से जमानत कराने की अर्जी विशेष जज पीके जयंत को दी थी। सुप्रीम कोर्ट की विशेष अदालत ने सीएम अरविंद केजरीवाल की व्यक्तिगत उपस्थिति पर स्टे दे दिया था। अब इन्होंने स्वेच्छा से उपस्थित होकर जमानत की अर्जी दी थी जिसे स्वीकार कर लिया गया है। इसके बाद अरविंद केजरीवाल एमपी एमएलए कोर्ट गए जहां उनकी पेशी चली। सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत को कोर्ट ने मंजूर कर लिया। इसके बाद जमानतनामा दाखिल करने की प्रक्रिया चली। इसके बाद आरोपों से मुक्त करने को लेकर तकरीबन एक घंटे तक बहस हुई। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के अधिवक्ता इरशाद व ऋषि के बीच बहस चली। कोर्ट ने सीएम का जमानत नामा मंजूर कर लिया वहीं आरोपों से मुक्त होने की अर्जी को खारिज कर दिया। आरोप के आधार पर साक्ष्यों पर सुनवाई अब तीन नवंबर को होगी। वहीं दोपहर तीन बजे करीब अरविंद केजरीवाल अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने हाईवे स्थित एक होटल में विश्राम किया। शाम को लगभग 6 बजे करीब सरयू आरती करेंगे। वहीं मंगलवार सुबह वे हनुमानगढ़ी व रामलला का दर्शन पूजन करने जाएंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल सोमवार को सुबह लखनऊ पहुंचे। एयरपोर्ट पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। केजरीवाल सीधे सुलतानपुर के लिए रवाना हो गए हैं। वह यहां वर्ष 2014 के एक मामले में कोर्ट में पेश होंगे। फिर यहीं से सीधे अयोध्या जाएंगे और शाम 6ः00 बजे सरयू आरती में शामिल होंगे। मंगलवार को रामलला के दर्शन करेंगे। आप के यूपी प्रभारी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह भी मौजूद रहे। बता दें कि वर्ष 2014 में गौरीगंज व अमेठी में चुनाव के दौरान दर्ज किए गए मुकदमे के संदर्भ में 25 अक्टूबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सुलतानपुर आ रहे हैं। वह दीवानी के एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिर होंगे। आठ साल पहले वह सामाजिक संस्था के जरिए लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए आ चुके हैं। उनके साथ राज्य सभा सदस्य संजय सिंह व आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह भी मौजूद रहेंगे। केजरीवाल के आगमन को लेकर आप कार्यकर्ता उत्साहित हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार सीएम केजरीवाल लखनऊ एयरपोर्ट से सोमवार की सुबह आठ बजे जिले के लिए रवाना होंगे। वह साढ़े दस बजे सिविल कोर्ट में पहुंचेंगे। इस दौरान जनपद की सीमा में जगह-जगह पार्टी के कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। अदालत से वह दोपहर बारह बजे लोनिवि निरीक्षण भवन जाएंगे। वहां दो घंटे का वक्त गुजारने के बाद दो बजकर दस मिनट पर वह लखनऊ होकर दिल्ली के लिए रवान हो जाएंगे। आप के जिलाध्यक्ष व पूर्व मंत्री संदीप शुक्ला कहते हैं कि सीएम केजरीवाल का पहले अयोध्या जाने का कार्यक्रम था, लेकिन वह अब दिल्ली वापस जाएंगे। अयोध्या में शाम को सरयू आरती में होंगे शामिलः आम आदमी पार्टी के मुखिया व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार को रामनगरी आएंगे। वह सोमवार की शाम को सरयू आरती में शामिल होंगे। माना जा रहा है कि वह शाम पांच बजे तक रामनगरी पहुंचेंगे और साधु-संतों से भी मुलाकात करेंगे। केजरीवाल 26 अक्टूबर को रामलला और बजरंगबली का दर्शन करेंगे। रामनगरी में ही वह मीडिया से भी मुखातिब होंगे। यह जानकारी आप के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने दी। सिंह रविवार को दिन भर उनके दौरे की तैयारियों में जुटे रहे। उन्होंने साधु-संतों से भी मुलाकात की और तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

एक नज़र

चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में भावी पीढ़ियों को अब नहीं तोड़ना पड़ेगा दमः योगी

सिद्धार्थनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'एक जनपद एक मेडिकल कालेज' योजना के तहत सिद्धार्थनगर सहित नौ जिलों में नये मेडिकल कॉलेजों की शुरुआत को राज्य में चिकित्सा सेवाओं को उत्कृष्ट बनाने की क्रांति का आगाज बताते हुए कहा कि इस पहल के बाद राज्य में चिकित्सा सेवाओं के अभाव में भावी पीढ़ियों को दम नहीं तोड़ना पड़ेगा। श्री योगी ने सोमवार को इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। जब दुनिया कोरोना से त्रस्त है और विश्व की बड़ी ताकतें असहाय दिख रही हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय देकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को स्वदेशी वैक्सीन देकर सौ करोड़ लोगों को कोरोना से सुरक्षा प्रदान करने का कीर्तिमान स्थापित किया है। यह देश के लिये गर्व की बात है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सिद्धार्थनगर में रिमोट कंट्रोल द्वारा उत्तर प्रदेश के नौ जिलों में एक एक मेडिकल

कालेज का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार स्वास्थ्य सुरक्षा को प्रभावी ढंग से लागू करने की दूरगामी नीति बनाई गयी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नौ मेडिकल कॉलेजों की स्थापना इसी प्रयास का एक हिस्सा है। योगी ने कहा कि यह पहल उन लोगों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी जिन्हें बीते सात दशकों में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में दम तोड़ना पड़ा था। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अब लोगों को भरोसा होगा कि भावी पीढ़ियों को कभी स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में दम नहीं तोड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री का इस पहल के लिये हृदय से स्वागत करता हूं।÷ उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में आजादी के समय तीन या चार मेडिकल कालेज थे। राज्य में 2016 तक महज 12 सरकारी मेडिकल कॉलेज बन पाये थे। मगर अब प्रधानमंत्री के सौजन्य से राज्य में 30 मेडिकल खुल रहे हैं। नौ मेडिकल कालेज इसी योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 'एक जनपद एक मेडिकल कालेज' का संकल्प इस योजना को आगे बढ़ायेगी।

उत्तर प्रदेश चुनावः कांग्रेस ने 10 लाख रुपये तक का सरकारी इलाज मुफ्त कराने का वादा किया

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अपने सात वादे सार्वजनिक करने के कुछ दिन बाद सोमवार को ऐलान किया कि राज्य में पार्टी की सरकार बनने पर लोगों का किसी भी बीमारी का 10 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त कराया जाएगा। प्रियंका ने एक ट्वीट में कहा, ष्सस्ते व अच्छे इलाज के लिए घोषणापत्र समिति की सहमति से उप्र कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि सरकार बनने पर, कोई भी हो बीमारी, मुफ्त होगा 10 लाख रूपये तक का इलाज सरकारी। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान और इस वक्त राज्य में जगह-जगह से आ रहीं बुखार फैलने की खबरों को लेकर सरकारी व्यवस्थाओं पर निशाना साधते हुए इसी ट्वीट में कहा ष्कोरोना काल में और अभी प्रदेश में फैले बुखार में सरकारी उपेक्षा के चलते उप्र की स्वास्थ्य व्यवस्था की जर्जर हालत सबने देखी। इससे पहले, कांग्रेस के सत्ता में आने पर छात्राओं को स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक स्कूटी देने का वादा किया गया था। पिछली 23 अक्टूबर को प्रियंका ने बाराबंकी जिले से प्रतिज्ञा यात्राओं को हरी झंडी दिखाई थी। इस मौके पर पार्टी ने 20 लाख लोगों को नौकरी देने, बिजली का बिल आधा करने और कोविड-19 महामारी के दौरान वित्तीय संकट से गुजर रहे परिवारों को 25-25 हजार रुपए की सहायता देने का ऐलान किया था। पार्टी प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देने की भी घोषणा कर चुकी है।

शिक्षकों को फर्जी नियुक्ति पत्र जारी करने के आरोप में यूपी का व्यक्ति गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने शिक्षकों को फर्जी नियुक्ति पत्र जारी करने के आरोप में शिक्षा विभाग के एक निलंबित लेखा अधिकारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव फरार हो गया था और उस पर 25 हजार रुपये का इनाम रखा गया था। ऑपरेशन का नेतृत्व करने वाले इंस्पेक्टर (एसटीएफ) सत्य प्रकाश सिंह

ने कहा कि जगदीश को रविवार को गोरखपुर से गिरफ्तार किया गया था। एसटीएफ ने कहा कि 2018 से देवरिया में जगदीश के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अब तक 30 फर्जी शिक्षकों को गिरफ्तार किया गया है। वरिष्ठ प्रखंड शिक्षा अधिकारी बीरबल राम द्वारा 1987-1989 और 2010-11 की रिकॉर्ड बुक गुम होने के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद एसटीएफ ने 19 जुलाई को मामला अपने हाथ में लिया। उन्होंने दावा किया कि 2015-16 की रिकॉर्ड बुक से पेज गायब थे। राम ने प्राथमिकी में दावा किया कि उसने जिले के दो सहायता प्राप्त सरकारी स्कूलों में फर्जी तरीके से शिक्षकों की नियुक्ति की शिकायत दर्ज कराई थी। इंस्पेक्टर (एसटीएफ) सत्य प्रकाश सिंह ने कहा कि जगदीश देवरिया स्थित बीएसए कार्यालय में 2010 से कार्यरत थे। सिंह ने कहा, जगदीश पर रिकॉर्ड बुक से छेड़छाड़ करने का आरोप है। वह रिकॉर्ड के पन्नों को फाड़ देता था और फिर उन लापता पन्नों पर गलत जानकारियां लिखता था। आंतरिक जांच में जगदीश का नाम सामने आने के तुरंत बाद उसे निलंबित कर दिया गया। रिकॉर्ड बुक में एक जिले में तैनात सभी शिक्षकों का विवरण होता है। एसटीएफके सूत्रों ने बताया कि जगदीश ने फर्जी नियुक्ति पत्र जारी कर अब तक चार करोड़ रुपये कमाए हैं।

यूपीः रिक्शा चलाने वाले को 3 करोड़ रुपये का आईटी नोटिस

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा जिले में एक रिक्शा चालक ने आयकर (आईटी) विभाग द्वारा तीन करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान करने का नोटिस दिए जाने के बाद पुलिस से संपर्क किया है।

मथुरा के अमर कॉलोनी निवासी प्रताप सिंह ने आईटी विभाग से नोटिस मिलने के बाद धोखाधड़ी का दावा करते हुए हाईवे थाने में शिकायत दर्ज कराई है। स्टेशन हाउस ऑफिस (एसएचओ) अनुज कुमार ने कहा कि सिंह की शिकायत के आधार पर कोई मामला दर्ज नहीं किया गया, लेकिन पुलिस मामले की जांच करेगी।

सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो क्लिप भी अपलोड किया जिसमें उन्होंने घटनाओं के बारे में बताया।

उनके अनुसार, उन्होंने इस साल मार्च में बाकलपुर में जन सुविधा केंद्र में एक पैन कार्ड के लिए आवेदन किया था, जब उनके बैंक ने उन्हें इसे जमा करने के लिए कहा था। इसके बाद उसे बाकलपुर के संजय सिंह नाम के व्यक्ति से पैन कार्ड की रंगीन फोटोकॉपी मिली।

रिक्शा चालक ने वीडियो क्लिप में कहा, चूंकि वह अनपढ़ है, इसलिए वह मूल पैन कार्ड और उसी की रंगीन फोटोकॉपी के बीच अंतर नहीं कर सका।

उन्हें अपना पैन कार्ड बनवाने के लिए करीब तीन महीने तक दर-दर भटकना पड़ा। सिंह ने कहा कि उन्हें 19 अक्टूबर को आईटी अधिकारियों का फोन आया और उन्हें एक नोटिस दिया गया, जिसमें उन्हें 3,47,54,896 रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने उन्हें बताया कि किसी ने उनके नाम पर जाली दस्तावेज बनवा कर व्यवसाय चलाने के लिए उनके नाम पर एक जीएसटी नंबर प्राप्त किया और 2018-19 के लिए व्यापारी का कारोबार 43,44,36,201 रुपये था।

आने वाली कई पीढ़ियों की सेवा करेंगे नये मेडिकल कॉलेजः मांडविया

सिद्धार्थनगर (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)।। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में एक साथ नौ मेडिकल कॉलेजों के लोकार्पण को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इन चिकित्सा संस्थानों से मौजूदा पीढ़ी की ही नहीं बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों की सेवा होगी। मांडविया ने सिद्धार्थनगर तथा आठ अन्य जिलों में बनाये गये मेडिकल कॉलेजों का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यहां से लोकार्पण किये जाने के अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि ''प्रधानमंत्री ने हमें हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना की सोच दी है। वह दौर ज्यादा पुराना नहीं है जब किसी बड़े राज्य में नौ या उससे भी कम बड़े मेडिकल कॉलेज हुआ करते थे। आज उत्तर प्रदेश की जनता को एक दिन में नौ मेडिकल कॉलेज समर्पित किए जा रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है।'' स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश की जनता को नये मेडिकल कॉलेज खुलने पर बधाई देते हुए कहा कि इन कॉलेजों से लोगों को स्वास्थ्य की सर्वोत्तम सुविधा मिलेगी और युवाओं को मेडिकल की पढ़ाई करके डॉक्टर बनने का स्वर्णिम अवसर भी मिलेगा। मेडिकल कॉलेज खोलने से उसके आस पास एक बहुत बड़ा इकोसिस्टम बनता है जिससे रोजगार के बड़ी तादाद में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थनगर में भगवान बुद्ध से भी एक पहचान जुड़ी हुई है। भगवान बुद्ध कहते थे कि इंसान के कर्म उसके ही नहीं बल्कि उसकी आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करते हैं। प्रधानमंत्री आज जिन नौ मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण कर रहे हैं उनसे मौजूदा पीढ़ी

की ही नहीं बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों की सेवा होगी। मांडविया ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य को विकास के साथ जोड़ते हुए 'हल्दी नेशन वेल्दी नेशन' की परिकल्पना देश के सामने रखी है। वर्ष 2014 से पहले देश का स्वास्थ्य सेवाओं सम्बन्धी बजट तकरीबन 33000 करोड़ रुपए था। सरकार के पिछले सात साल के कार्यकाल में स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च तब से अब तक करीब आठ गुना बढ़ गया है। इस साल सरकार स्वास्थ्य पर तकरीबन सवा दो लाख करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है।'' उन्होंने कहा कि पिछले सात साल में देश में चिकित्सा शिक्षा पर खास ध्यान दिया गया है। मेडिकल एजुकेशन गवर्नेंस में बहुत बड़े सुधार किए गए हैं। केंद्र सरकार पूरे देश में 157 मेडिकल कॉलेज खोल रही है। सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही 27 मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। पिछले सात सालों में मेडिकल कॉलेज की संख्या अभूतपूर्व तरीके से बढ़ी है। 2013-14 में हम देखें तो पूरे भारत में तकरीबन 51000 मेडिकल अंडर ग्रेजुएट मिल सके थे। मगर पिछले सात सालों में प्रधानमंत्री के प्रयासों से इन सीटों की संख्या में तकरीबन 32000 की वृद्धि हुई है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को सिद्धार्थनगर में बने मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया। साथ ही वहीं से एटा, हरदोई, प्रतापगढ़, फतेहपुर, देवरिया, गाजीपुर, मिर्जापुर और जौनपुर के मेडिकल कॉलेजों को भी वर्चुअल माध्यम से लोकार्पित किया। इन मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कुल 2329 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। इनमें से आठ मेडिकल कॉलेज केंद्र प्रायोजित योजना के तहत स्वीकृत किए गए हैं, जबकि जौनपुर में मेडिकल कॉलेज को राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से तैयार कराया है।

अखिलेश यादव बोले- भाजपा खिला रही है झूठ का फूल, किसानों की आय तो नहीं महंगाई जरूर दोगुनी हो गई

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय में पार्टी के कुनबा बढ़ाओ अभियान के तहत बहुजन समाज पार्टी के दो बड़े नेताओं को अपनी पार्टी की सदस्यता दिलाई। इसके बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने मीडिया को संबोधित किया और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने भाषणों में छल, कपट व धोखे के दलदल में केवल झूठ का फूल खिला रही है। किसानों की आय दोगुनी तो नहीं लेकिन महंगाई जरूर दोगुनी हो गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई चरम पर पहुंच गई है, बेरोजगारी बढ़ रही है व आम लोगों के साथ अन्याय व उत्पीडन् हो रहा है। इस सरकार में मंत्री दूसरे मंत्री व अधिकारी दूसरे अधिकारियों पर आरोप लगा रहे हैं। भाजपा सरकार लगातार चीजें बेच रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से दूसरे दलों का सहयोग सपा को

मिल रहा है उससे तय है कि आने वाले समय में सपा की सरकार बनने जा रही है। विधायक लालजी वर्मा व रामअचल राजभर के समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ सरकार के साथ भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के समय जिस समय जनता को दवाई की जरूरत थी जिस समय उत्तर प्रदेश की जनता को इलाज की जरूरत थी, जिस समय उत्तर प्रदेश की जनता को ऑक्सीजन की जरूरत थी, उस समय उत्तर प्रदेश की सरकार कहां थी। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं प्रदेश में किसान परेशान है, धान की खरीद नहीं हो रही है। मजबूरी में किसान को अपना धान जलाना पड़ा है। आय बढ़ाने वालों ने महंगाई दोगुनी कर दी है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर हम उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर लाएंगे। यह तो सर्वविदित है कि समाजवादी पार्टी तो सदैव बाबा साहब तथा लोहिया जी के विचारों के साथ है।

तीन करोड़ की ठगी और 1000 से ज्यादा बनाए शिकार, कानपुर पुलिस के हत्थे चढ़ा साइबर ठग गिरोह

कानपुर (एजेंसी)। इंश्योरेंस का प्रीमियम जमा करने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले गैंग का क्राइम ब्रांच ने खुलासा कर दिया है। गिरोह चंदौसी और दिल्ली में काल सेंटर से लोगों को शिकार गैंग अबतक करीब तीन करोड़ की ठगी कर चुका है। क्राइम ब्रांच ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार करके कई लोगों का डाटा व 19 मोबाइल समेत लैपटॉप बरामद किए हैं।

थाना कल्याणपुर क्षेत्र के निवासी वाटर सप्लायर्स और कैटर्स शत्रुघ्न महतो ने 2019 में एक्साइड लाइफ इंश्योरेंस से पॉलिसी ली थी। 14 सितंबर को उनके पास इंश्योरेंस का प्रीमियम भरने के लिए कॉल आई। फोन करने वाले ने प्रीमियम जमा करने पर 10 प्रतिशत छूट दिलाने की बात कही। इस पर उन्होंने क़िस्त का 47950 रुपये ऑनलाइन जमा कर दिया और रसीद मांगी तो टरका दिया गया। रसीद के एवज में और रुपयों की मांग की गई। इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ तो थाना कल्याणपुर में शिकायत की थी।

चंदौसी से संचालित हो रहा था काल सेंटर : क्राइम ब्रांच के पास आया मामला क्राइम ब्रांच ने जब जांच शुरु की तब पता चला यह गैंग चंदौसी से संचालित हो रहा है। इस पर टीम ने सबसे पहले चंदौसी संभल निवासी अतुल कुमार को गिरफ्तार किया। अतुल गरीब लोगों को लालच देकर उनके अकाउंट व एटीएम ले लेता है और इसके बदले उन्हें कुछ पैसे भी देता है। अतुल से पूछताछ में बिल्सी धनौली जनपद बंदायू निवासी दर्शन का नाम सामने आया, जो अपने घर से ही कॉल सेंटर चला रहा था। दर्शन ने दिल्ली के रहने वाले रघुवीर जो कि स्वयं एक कॉल सेंटर चलाता है। उसने कुछ पैसे लेकर विभिन्न इंश्योरेंस कंपनी की पालिसी लेने वालों का डाटा इन्हें उपलब्ध कराया था। टीम ने इन तीनो को हिरासत में ले लिया है। अभी एक अभियुक्त की तलाश में टीम दबिश दे रही है जिसके खाते में पैसे ट्रान्सफर हुए हैं।

पब्लिसिटी साइड से भी लिया डाटा : गैंग के सदस्य कई पब्लिसिटी वेबसाइट से भी लोगों का डाटा चुराता था। उनकी आई डी व पासवर्ड बनाकर लोगों के अकाउंट नंबर, मोबाइल नंबर समेत कई सारी जानकारियां एकत्र करते थे। इसके बाद इन साइट से लोगों के पास मोबाइल और इमेल पर मैसेज भेजे जाते थे। उनका डाटा इन साइट के पास उपलब्ध हो जाता है। यह हुआ बरामद : अभियुक्तों के पास से 19 मोबाइल, एक लैपटाप, अलग अलग बैंको के 28 एटीएम कार्ड व करीब एक हजार लोगों का डाटा बरामद हुआ है। इस तरह बनाते थे शिकार : कॉल सेंटर से उन लोगों को फ़ोन किया जाता था। जिनका डेटा इनके पास था। फ़ोन करके यह लोगों को प्रीमियम में 10 प्रतिसत की छूट, कम ब्याज पर लोन आदि का झांसा देते थे। जो इनके झांसे में आ जाता वो फंस जाता था। ऐसे करके करीब 1000 से अधिक लोगों को यह अपना शिकार बना चुके हैं।

फतेहपुर में 11 लाख के नकली नोटों के साथ छह पकड़े गए, लोगों को झांसा देकर ठगी करता था गिरोह

फतेहपुर (एजेंसी)। हाईवे पर वाहन चेकिंग के दौरान रविवार देर रात पुलिस ने झोले में भरे 11 लाख रुपये के नकली नोटों की गड्डी के साथ पांच सदस्यों को धर दबोचा। सरगना की तलाश में पुलिस इन सदस्यों को हिरासत में लेकर मध्यरात्रि उन्नाव रवाना हुई लेकिन वहां सरगना नहीं मिला। जिस पर

सोमवार को पुलिस बैरंग लौट आई। हत्थे चढ़े गिरोह के सदस्य बाजार व बैंकों के आस पास जाकर ग्राहकों को रुपये दोगुना करने का झांसा देकर नकली नोटों की गड्डी थमा देते थे और उनसे असली नोट लेकर फरार हो जाते थे। हत्थे चढ़े नकली नोट गिरोह के सदस्यों केतन शर्मा, इरफान शाह निवासी कुशुम्भी थाना अजगैन जिला उन्नाव, इसरार अहमद निवासी मदनीपुर थाना गंगाघाट जिला उन्नाव, विनोद कुमार गौतम निवासी मलकाहिम सराय, थाना हसनगंज जिला उन्नाव हैं जबकि सरगना विनोद सिंह अजगैन कस्बा जिला उन्नाव फरार है। शहर कोतवाल अनूप सिंह ने बताया कि नकली नोट गिरोह के चार सदस्यों से पूछताछ में स्पष्ट हुआ है कि ये बैंक के आस पास जाकर ग्राहकों से रुपये लेकर नकली नोट थमाकर फरार हो जाते थे। फरार सरगना समेत पांचों पर धोखाधड़ी के तहत मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। बरामद नोटों में पांच लाख रुपये दोनों तरफ छपे थे जबकि छह लाख रुपये की नोटों में एक तरफ सफेद सादा था।

रविंद्र पुरी बने अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष, देश भर के संतों की नजर फैसले पर थी

प्रयागराज (एजेंसी)। संतों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के इतिहास में सोमवार को यहां नया अध्याय जुड़ गया। रविंद्र पुरी को अखाड़ा परिषद का अध्यक्ष चुन लिया गया। महंत नरेंद्र गिरि के ब्रह्मलीन होने के बाद जहां यह संस्था दो फाड़ हो चुकी है। वहीं अखाड़ों में अंदरूनी वैमनस्यता भी उभरी है। संगमनगरी में होने वाली बैठक में संख्या बल यह साफ कर दिया कि कौन धड़ा ताकतवर है देश भर के संतों की नजर संगमनगरी में होने वाले फैसले पर टिकी रही। अखाड़ा परिषद की बैठक शुरू हो चुकी है। इसमें सिर्फ अध्यक्ष पद का चुनाव होगा। नरेंद्र गिरि श्रीनिरंजनी अखाड़ा के सचिव थे, परंपरा के अनुसार जिस अखाड़े के महात्मा पद में रहते हुए ब्रह्मलीन होते हैं, उसी अखाड़े का दूसरा महात्मा उसी पद पर आसीन होता है। ऐसी स्थिति में श्रीनिरंजनी अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत रवींद्र पुरी के अध्यक्ष बनने की प्रबल संभावना है। कार्यकारिणी के बाकी सदस्यों का चयन करने के लिए तीन महीने बाद पुनः अखाड़ा परिषद की बैठक बुलाई जाएगी।

अखाड़ा परिषद महामंत्री महंत हरि गिरि ने 25 अक्टूबर को दारागंज स्थित श्रीनिरंजनी अखाड़ा आश्रम में बैठक बुलाई थी। इससे पहले 21 अक्टूबर को हरिद्वार के कनखल स्थित श्रीमहानिर्वाणी अखाड़ा परिसर में महानिर्वाणी तथा अटल, निर्मोही अनी, निर्वाणी अनी, दिगंबर अनी, बड़ा अखाड़ा उदासीन व निर्मल अखाड़ा ने नई कार्यकारिणी गठित कर ली। महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रवींद्र पुरी अध्यक्ष व निर्मोही अनी अखाड़ा के अध्यक्ष श्रीमहंत राजेंद्र दास महामंत्री चुने गए। दूसरे गुट ने इसे मान्यता देने से इन्कार करते हुए नई कार्यकारिणी बनाने की घोषणा की है, जिसके साथ अखाड़ों की संख्या अधिक होगी, उसका बहुमत माना जाएगा। अखाड़ों में बिखराव भी है। इसकी शुरुआत निर्मल अखाड़ा से हुई है। रेशम सिंह ने कोर्ट के आदेश का हवाला देकर खुद को निर्मल अखाड़ा का अध्यक्ष बताते हुए सोमवार की बैठक में शामिल होने की घोषणा की है। कहा जा रहा है कि बड़ा उदासीन सहित वैष्णव संप्रदाय के अखाड़ों के नाराज महात्मा महंत हरि गिरि को समर्थन दे रहे हैं। आने में असमर्थ कुछ महात्माओं ने लिखित रूप से समर्थन पत्र भेजा है। कुल 13 अखाड़ों में आपसी सामंजस्य स्थापित करने के लिए 1954 में गठित अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद में हर अखाड़े से दो-दो सदस्य अर्थात कुल 26 सदस्य होते हैं। हर अखाड़ा अपने सचिव व श्रीमहंत को परिषद के लिए नामित करता है। चुनाव हाथ उठवाकर करवाया जाता है, जिसके पक्ष में ज्यादा हाथ उठते हैं, वह मनोनीत हो जाता है। वर्ष 2014 में अखाड़ा परिषद में 28 सदस्य हो गए थे। अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि व महासचिव महंत हरि गिरि अतिरिक्त सदस्य थे, क्योंकि उनके अखाड़े से दो-दो सदस्य पहले से नामित थे, लेकिन परिषद का महत्वपूर्ण पद होने के कारण उनको लेकर कोई आपत्ति नहीं थी। शैव (संन्यासी) परंपरा वाले सात अखाड़े हैं। यह हैं जूना, महानिर्वाणी, निरंजनी, अग्नि, आह्वान, अटल व आनंद। उदासीन परंपरा में तीन अखाड़े हैं- निर्मल, बड़ा उदासीन व नया उदासीन अखाड़ा। वैष्णव संप्रदाय में निर्मोही अनी, निर्वाणी अनी व दिगंबर अनी अखाड़ा हैं। अभी महानिर्वाणी, अटल, निर्मल, निर्मोही अनी, दिगंबर अनी व निर्वाणी अनी, बड़ा उदासीन अखाड़ा एक तरफ हैं तो जूना, निरंजनी, अग्नि, आह्वान, आनंद, नया उदासीन दूसरी तरफ।

'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' कैंपेन में पूरी दिल्ली कर रही है सहयोग : गोपाल राय

नई दिल्ली.ओपन सर्च

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'युद्ध, प्रदूषण के विरुद्ध' अभियान के तहत दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हर स्तर पर पूरी गंभीरता से काम रही है। इसी के अंतर्गत चलाए जा रहे 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' कैंपेन के तहत आज पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के सभी निगम पार्षदों ने बाराखंभा रोड स्थित चौराहे पर वाहन चालकों को जागरूक किया।आगे सातों लोकसभा में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि इस कैंपेन में पूरी दिल्ली सहयोग कर रही है और लोग रेड लाइट पर अपने वाहन बंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति रोजाना औसतन 8 से 10 रेड लाइट से गुजरता है। रेड लाइट पर अगर वह अपना वाहन चालू रखता है, तो करीब 20 से 25 मिनट बेवजह तेल जलाता है। इस कैंपेन का मकसद रेड लाइट पर वाहनों को चालू रखने से रोकना है, जिससे वाहन प्रदूषण में कमी आए और लोगों को प्रदूषण से राहत मिले।

'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' कैंपेन के तहत बाराखंभा रोड स्थित चौराहे पर पार्षदों के साथ वाहन चालकों के लिए चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर अपना जो प्रदूषण है, उसको दिल्ली सरकार कम करने की लगातार कोशिश कर रही है। इसके अलावा, धूल प्रदूषण के खिलाफ भी लड़ाई लड़ रहे हैं। 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' कैंपेन के जरिए जो वाहनो का प्रदूषण है, उसके खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। पूरे दिल्ली के अंदर पराली पर बायो डि-कंपोजर घोल का छिड़काव किया जा रहा है। 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' कैंपेन का मकसद है कि रेड लाइट ऑन होने पर लोगों को अपने वाहन चालू रखने से रोका जाए। ऐसा करने से रेड लाइट पर वाहनों से प्रदूषण नहीं होगा और इससे निश्चित रूप से प्रदूषण से राहत मिलेगी। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पूरी दिल्ली के लोग इस कैंपेन में सहयोग कर रहे हैं।

दिल्ली सरकार की भी यही कोशिश है कि दिल्ली के अंदर जो प्रदूषण पैदा होता है, उसको कम किया जाए। इसलिए 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' कैंपेन पूरे दिल्ली के अंदर चलाया जा रहा है। पिछले दिनों इस कैंपेन में आम आदमी पार्टी के विधायकों ने हिस्सा लिया था और आज निगम पार्षदों ने लिया है। हमने यह तय किया है कि अब सातों लोकसभा क्षेत्र में जन भागीदारी के माध्यम से अगल- अलग जगहों पर इस कैंपेन को आगे बढ़ाएंगे। रेड लाइट ऑन होने पर जो लोग अपने वाहन को बंद नहीं कर रहे हैं, उन्हें जगरूक करने के लिए हमने वहां पर ग्रीन मॉर्शल तैनात किए हैं। यह ग्रीन मॉर्शल वाहन चालकों से रेड लाइट ऑन होने पर अपनी गाड़ी को बंद करने की अपील कर रहे हैं। पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय ने कहा कि इस कैंपेन का निश्चित रूप से असर पड़ रहा है। दिल्ली में हर व्यक्ति औसतन 8 से 10 रेड लाइट पर रूकता है। अगर वह हर रेड लाइट पर औसतन 2 मिनट भी अपने गाड़ी को चालू रखता है, तो वह प्रतिदिन 20 से 25 मिनट तक रेड लाइट पर अपनी गाड़ी चालू रख कर बेवजह तेल जला रहा है। इस कैंपेन से प्रभावित होकर लोग अब अपनी गाड़ी रेड लाइट पर बंद रखने लगे हैं और इससे धुंआ नहीं पैदा हो रहा है, जो लोगों की सांसों मे जाता है। केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' कैंपेन शुरू किया है। अधिकारिक तौर पर यह कैंपेन 18 अक्टूबर को शुरू किया गया और 18 नवंबर तक चलेगा। कैंपेने के तहत दिल्ली के अंदर 100 प्रमुख चौराहों पर सिविल डिफेंस वालेंटियर तैनात किए गए हैं। इन 100 प्रमुख चौराहों पर तैनात करीब 2500 सिविल डिफेंस वालेंटियर रेड लाइट ऑन होने पर अपने वाहन को बंद करने के लिए चालकों को पंपलेट्स और बैनर आदि के जरिए जागरूक कर रहे हैं। इसके अलावा, 10 मुख्य चौराहों पर 20-20 सिविल डिफेंस के पर्यावरण मार्शल तैनात किए गए हैं। यह कैंपेन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक चलाया जा रहा है। पहली शिफ्ट सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक और दूसरी दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक की होती है। इस दौरान सिविल डिफेंस वालेंटियर टी शर्ट व टोपी पहनकर जागरूकता के लिए प्ले कार्ड लेकर खड़े रहते हैं, ताकि इन्हें देखकर वाहन चालक जागरूकता हो सकें। साथ ही, कैंपेन को सफल बनाने के लिए आरडब्लूए, मार्केट एसोसिएशन, क्लब और पर्यावरण से संबंधित एनजीओ की भी मदद ली जा रही है। केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में वायु प्रदूषण पर काबू पाने में दिल्ली वालों से भी सहयोग की अपील की है। स्वयं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों से अपने हिस्से का प्रदूषण कम करने की कोशिश करने के लिए तीन अपील की है। पहला- रेड लाइट ऑन होने पर अपने वाहन को बंद रखें। इसके तहत हर वाहन चालक से अपील की है कि रेड लाइट ऑन होने पर अपनी गाड़ी ऑफ दें। इससे तेल भी बचेगा और प्रदूषण भी नहीं होगा। दूसरा- सप्ताह में एक या अधिक दिन अपनी गाड़ी या स्कूटर का इस्तेमाल न करें। अक्सर हम रोज दफ्तर, मार्केट या किसी भी काम से बाहर जाते हैं, तो अपनी गाड़ी या स्कूटर से जाते हैं। अगर हर दिल्ली वासी हफ्ते में एक या अधिक दिन अपनी गाड़ी का इस्तेमाल न करें और वह मेट्रो या बस का इस्तेमाल कर अपने दफ्तर या अन्य आवश्यक गंतव्य तक जाए, तो इससे तेल भी बचेगा और प्रदूषण भी नहीं होगा।

एक नज़र

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली (एजेंसी) । राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार सुबह आसमान साफ रहने के साथ ही न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पिछले 24 घंटे में 28 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। दिन में आसमान साफ रहने और अधिकतम तापमान के 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। सुबह साढ़े आठ बजे हवा में आर्द्रता का स्तर 90 प्रतिशत रहा। दिल्ली में रविवार को न्यूनतम और अधिकतम तापमान क्रमशः 19 और 31.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

रविवार शाम को शहर के कई हिस्सों में बारिश भी हुई। 'सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च' (सफर) ऐप के अनुसार, दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 135 रहा। एक्यूआई को शून्य और 50 के बीच 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 और 500 के बीच 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहमान खान ने मुस्लिमों को अल्पसंख्यक ना मानकर कांग्रेस को आईना दिखाया है: गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी) । यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राष्ट्रवादी शिव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयभगवान गोयल ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं राज्यसभा के पूर्व उपसभापति रहमान खान के भारत के मुसलमानों के अल्पसंख्यक नहीं होने के दावे को सत्य एवं तथ्यों पर आधारित बताया है। श्री गोयल ने कहा कि रहमान खान ने अपनी ही पार्टी कांग्रेस को आईना दिखाया है जो आजादी के करीब 6 दशकों से सत्ता में रहते मुसलमानों को सुख सुविधाएं देने में दिन रात एक किए रही थी। श्री गोयल ने कहा कि हमारे संगठन पिछले करीब 20 वर्षो के अधिक समय से मुसलमानों का अल्पसंख्यक का दर्जा समाप्त करने की गुहार लगा रहे हैं। हिंदुस्तान में मुसलमानों की वास्तविक संघ जनसंख्या 30 प्रतिशत का आंकड़ा छूने को है। उन्हें अल्पसंख्यक के नाम पर ढेर सारी सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल रहा है जो टैक्स अदा करने वाले कामगारों एवं व्यापारियों की गाढ़ी कमाई से दिया जा रहा है। इन सुविधाओं को तुरंत बंद करके गरीब वर्गो एवं दलितों तथा देश के विकास कार्यो पर व्यय करना चाहिए। श्री गोयल ने रहमान खान के उस वक्तव्य को तथ्यों के विपरीत बताया कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक पार्टी है। उन्होंने कहा कि वास्तव में कांग्रेसी अवसरवादी पार्टी है। कांग्रेस ने ही मुसलमानों को अल्पसंख्यक समुदाय का लबादा ओढ़ाकर अनेक सुविधाएं प्रदान करवाई और अन्य धर्म के नागरिकों विशेषकर हिंदुओं को उनके अधिकारों से वंचित रखा। रहमान खान का यह कहना भी तर्कसंगत नहीं कि सत्ता में आकर कोई राजनीतिक दल किसी समुदाय को फायदा नहीं पहुंचा सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, सपा , बसपा एवं तृणमूल कांग्रेस इसके प्रत्यक्ष प्रमाण है।

दिल्ली की तिहाड़ जेल में कैदियों के बीच झड़प, तीन घायल

नई दिल्ली (एजेंसी) । दिल्ली की तिहाड़ जेल में कैदियों के बीच झड़प में तीन कैदी घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि घटना शनिवार की है। सूचना मिलने के बाद पुलिस दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल (डीडीयू) पहुंची। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें पिंकू (24), सुनील शेरावत (32) और सन्नी (32) की 'मेडिको लीगल केस' (एमएलसी) रिपोर्ट मिली है।

उनके शरीर पर धारदार हथियार से चोट के निशान हैं। 'मेडिको लीगल केस' उस रिपोर्ट को कहते हैं, जिसमें चिकित्सा विशेषज्ञ किसी कानूनी मामले में, शरीर पर लगी चोट की जानकारी देता है। पिंकू और सुनील को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुनील का बयान भी दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि सेंट्रल जेल के कारागार नंबर-1 के उपाधीक्षक की शिकायत के बाद हरि नगर पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास) , 324 (धारदार हथियार से चोट पहुंचाना) और 34 (साझा इरादे) के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में रोहित कपूर, राजेश, सुनील शेरावत और संदीप दलाल का नाम आरोपी के तौर पर दर्ज किया गया है, जो कारागार नंबर-1 की कोठरी नंबर-2, वार्ड नंबर-7 में बंद हैं।

विश्वविद्यालय को पुनः खोलने की मांग को लेकर डीयू में 48 घंटे की भूख हड़ताल

नई दिल्ली (एजेंसी) । क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) ने आज अन्य संगठनों के साथ मिलकर कॉलेजों को पुनः खोलने की मांग को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्ट्स फैकल्टी में 48 घंटे की भूख हड़ताल का आयोजन किया। ज्ञात हो कि दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य अभी भी ऑनलाइन मोड में ही की जा रही है, जबकि अन्य सभी प्रशासनिक कार्य ऑफलाइन किए जा चुके हैं। विश्वविद्यालय बंद होने के चलते छात्रों को कक्षाएं, अध्ययन सामग्री आदि प्राप्त करने में परेशानी हो रही है। बावजूद इसके दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रों की चिंताओं की अनदेखी कर रहा है। दिल्ली विश्वविद्यालय में चूंकि शिक्षण कार्य ऑनलाइन हो रहा है, इसीलिए ज्ञात हो कि छात्रों के एक बड़े वर्ग के पास इंटरनेट तक पहुंच नहीं है। यहां तक कि इंटनेट उपलब्ध होने वाली जगहों में बैंडविथ और इंटरनेट-गति की समस्याएं हैं। इन कठिनाइयों के अलावा, बहुत सारे छात्र हैं, जो समाज के सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग से आते हैं। ऐसे छात्रों के लिए, कक्षाएँ लेने और अध्ययन संबंधी अपनी परेशानियाँ दूर करने के लिए जरूरी साधनों को खरीदना बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसके अलावा, चूंकि केंद्रीय पुस्तकालय और कॉलेज पुस्तकालय भी बंद हैं, इसलिए छात्रों का एक बड़ा हिस्सा अध्ययन सामग्री और पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करने में असमर्थ है। इन स्थितियों के चलते छात्रों के बीच गैरबराबरी बढ़ रही है। केवाईएस मांग करता है कि विश्वविद्यालय को तुरंत फिर से खोला जाए और ऑफलाइन कक्षाओं को फिर से शुरू किया जाए। साथ ही, सभी शिक्षकों, छात्रों और अन्य कर्मचारियों के लिए पूर्ण टीकाकरण की सुविधा की जाए। केवाईएस विश्वविद्यालय की उदासीनता के खिलाफ आने वाले दिनों में अपने आंदोलन को तेज करेगा।

नर्स एसोशिएशन की याचिका पर जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी) । उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली नर्सिंग परिषद में पंजीकृत सभी नर्सों को वोटिंग का अधिकार देने की मांग पर जवाब मांगा है। न्यायालय ने दिल्ली सरकार और दिल्ली नर्सिंग परिषद को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश डी.एन. पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने सभी पक्षों को 13 दिसंबर से पहले जवाब दाखिल करने को कहा है। पीठ ने इंडियन प्रोफेशनल नर्स एसोसिएशन की ओर से दाखिल याचिका पर यह आदेश दिया है। याचिका में कहा गया है कि सभी पंजीकृत नर्सों को वोटिंग का अधिकार दिया जाना चाहिए, ताकि वे नर्सिंग परिषद के कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के चुनाव में भाग ले सकें।

याचिकाकर्ता संगठन की ओर से अधिवक्ता रोबिन राजू ने दिल्ली नर्सिंग परिषद को अपना वार्षिक लेखाजोखा अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करने का निर्देश देने की भी मांग की है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली नर्सिंग परिषद एक वैधानिक संस्था है और दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। याचिका में कहा गया है कि नर्सों के सामने आ रही परेशानियों और चुनौतियों के मद्देनजर नर्सिंग परिषद के सदस्यों को नामित करने की प्रक्रिया से जुड़े दिल्ली नर्सिंग परिषद अधिनियम-1947 के प्रावधानों में संशोधन किया जाए।

करवाचौथ पर घर पहुंचा फरार पति, पत्नी ने पुलिस को किया फोन, कहा- मेरे पति को गिरफ्तार कर लो

नई दिल्ली (एजेंसी) । हत्या के मामले में फरार चल रहा युवक करवाचौथ पर पत्नी से मिलने के लिए अपने घर पहुंचा। युवक की पत्नी ने पुलिस को फोन कर उसके आने की सूचना पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची नजफगढ़ थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 19 अक्टूबर की सुबह नजफगढ़ के राम बाजार में एक दुकान के अंदर मां-बेटी को गोली मारी गई थी। इस वारदात में बुजुर्ग मां की मौत हो गई, जबकि बेटी का इलाज अभी चल रहा है। पुलिस ने मामले में हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपी राजीव गुलाटी की पहचान की और उसकी तलाश में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली समेत कई जगहों पर छापामारे की। लेकिन वह पुलिस की पकड़ से बाहर था। रविवार को करवाचौथ होने के कारण वह पत्नी से मिलने के लिए अपने घर पहुंचा था। उसके घर आने पर पत्नी ने पुलिस को फोन कर बताया कि उसका पति हत्या के केस में फरार चल रहा है। वह घर आया है और पुलिस आकर उसे गिरफ्तार कर ले। पुलिस ने राजीव को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। राजीव के पास से पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल हथियार भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार इस मामले में आगे की जांच की जा रही है। ज्ञात हो कि राजीव गुलाटी और पीड़ित परिवार का प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा था। इसके बाद आरोपी ने पीड़ित परिवार से दो लाख रुपये उधार भी लिए हुए थे। पीड़ित मां बेटी आरोपी से कई बार पैसे वापस मांग चुकी थीं। इस बात पर दोनों की कई बार कहासुनी हुई थी। इसके बाद राजीव ने 19 अक्टूबर की सुबह बुजुर्ग महिला कैलाश (62) और उनकी बेटी वंदना (31) को गोली मार दी। इसमें कैलाश की मौत हो गई थी। कैलाश राजीव गुलाटी की ताई थी और वंदना राजीव की बहन है।

एक नवंबर तक पानी टैंकरों में जीपीएस लगेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) । दिल्ली जल बोर्ड ने एक नवंबर तक राजधानी के सभी पानी टैंकरों में जीपीएस लगाने का आदेश दिया है। साथ ही आगे केवल जीपीएस लगे पानी टैंकर किराए पर लेने को कहा गया है। इससे टैंकरों की पर्याप्त निगरानी हो सकेगी। वह किस रूट पर चल रहा है इसका रियल टाइम पर पता चल सकेगा।

वह अपने निर्धारित गंतव्य तक पहुंचा या नहीं, कब पहुंचा इसका रिकॉर्ड रहेगा। दिल्ली जल बोर्ड अधिकारियों के मुताबिक, राजधानी में करीब 1100 टैंकर हैं। पिछले दिनों जल बोर्ड द्वारा किराए पर लिए टैंकरों से पानी सप्लाई न होने और पानी चोरी जैसी शिकायतें मिली थीं।

इसके बाद 24 अक्तूबर को दिल्ली जल बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने आदेश जारी कर एक नवंबर तक राजधानी के सभी पानी के टैंकरों में जीपीएस लगा हो यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। आदेश में अतिरिक्त मुख्य अभियंता को सख्ती से पालन करने को कहा है। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी।

दिल्ली सरकार 27 से शुरू करेगी 'पटाखे नहीं दीया जलाओ' अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी) । दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को कहा कि पटाखों को जलाने के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए दिल्ली सरकार 27 अक्टूबर से 'पटाखे नहीं दीया जलाओ' अभियान शुरू करेगी। राय ने कहा कि लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने और पटाखों की खरीद-बिक्री की निगरानी के लिए जिला स्तर पर 157 सदस्यों वाली 15 टीम बनाई जाएंगी। सर्दियों के मौसम में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 15 सितंबर को पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा करते हुए कहा था कि यह ''जीवन बचाने के लिए आवश्यक'' है। इसके बाद 28 सितंबर को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने एक जनवरी, 2022 तक राजधानी में पटाखों की बिक्री और इन्हें जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। राय ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस साल पटाखों की बिक्री के लिए कोई लाइसेंस जारी नहीं किया गया है और प्रतिबंध के बावजूद हमें पटाखों की बिक्री और खरीद के बारे में सूचनाएं मिल रही है। मंत्री ने सोमवार को दिल्ली पुलिस और पर्यावरण विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक की जिसमें उन्होंने फैसला किया कि पटाखों को जलाने के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए 'पटाखे नहीं दीया जलाओ' अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य के लिए जिला स्तर पर 157 सदस्यों वाली पंद्रह टीमों का गठन किया जाएगा और इसके अलावा सभी पुलिस थानों में गश्त के उद्देश्य से दो सदस्यीय टीम होगी। राय ने कहा कि पटाखे जलाते हुए पाए जाने पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के संबंधित प्रावधानों और विस्फोटक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर में ऐसे आठ मामले पहले ही दर्ज किए जा चुके हैं।

गुरुग्राम में 5 वर्षीय बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या, मौत से एक दिन पहले परिवार ने धूमधाम से मनाया था बर्थडे

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम के सोहना में एक पांच साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला सामने आया है। बच्ची के पड़ोस में ही रहने वाला आरोपी युवक कथित तौर पर मासूम को बहाने से घर से ले गया था और पास ही में खेत में बच्ची से दरिंदगी की और फिर उसे मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित परिवार ने वारदात से एक दिन पहले शनिवार की शाम धूमधाम से बच्ची का जन्मदिन मनाया था। पुलिस को दी शिकायत में बच्ची के पिता ने बताया कि वह मूलरूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाला है। बीते सात आठ सालों से वह गुरुग्राम के एक गांव में किराये के मकान में रहता है और मजदूरी करता है। उसने बताया कि उसके दो लड़के और एक लड़की है। रविवार सुबह वह मजदूरी करने के लिए घर से गया था। घर पर उसकी पत्नी और बच्चे थे। कुछ देर बाद उसकी पत्नी ने उसे फोन कर बताया कि पड़ोस में रहने वाला राजा उनकी बेटी को घर से कुछ खाने की चीज दिलाने के लिए ले गया था और काफी देर होने के बाद भी उनकी बेटी घर नहीं आई। पिता ने बताया कि जब उसकी पत्नी और पड़ोसी बच्ची को ढूंढने के लिए उनके मकान के पीछे खेत में पहुंचे, तो वहां उन्होंने देखा कि मासूम बच्ची जमीन पर पड़ी थी और आरोपी भी वहीं खड़ा था। उन्हें देख वह वहां से भाग गया। परिजन बच्ची को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची के शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने अभी हत्या कैसे की गई है, इसका खुलासा नहीं किया है। सूत्रों के अनुसार बच्ची के गले पर चोट के निशान हैं। पोस्टमॉर्टम आज होगाः मृतक के परिजनों की मांग पर पुलिस ने बच्ची के शव को शाम को गुरुग्राम के शवगृह में भिजवा दिया।

दिल्ली में डेंगू के मामले 1,000 के पार, एक हफ्ते में 280 से अधिक मामले

नई दिल्ली (एजेंसी) । राष्ट्रीय राजधानी में इस साल डेंगू के 1,000 से अधिक मामले आए हैं, जिनमें से 280 से अधिक नए मामले पिछले एक हफ्ते में आए। नगर निगम की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी मिली है। दिल्ली में इस मौसम में दर्ज किए गए डेंगू के कुल मामलों में से 665 मामले इस महीने 23 अक्टूबर तक दर्ज किए गए। शहर में पिछले दो हफ्तों में मच्छर जनित बीमारी के मामले बढ़े हैं और दिल्ली में इस बीमारी से पहली मौत 18 अक्टूबर को हुई। सितंबर में यहां एक निजी अस्पताल में सरिता विहार निवासी 35 वर्षीय ममता कश्यप की डेंगू से मौत हो गयी थी। सोमवार को मच्छर जनित बीमारियों पर जारी नगर निगम की रिपोर्ट के अनुसार, इस मौसम में 23 अक्टूबर तक डेंगू के कुल 1,006 मामले दर्ज किए गए और एक व्यक्ति की मौत हुई। डेंगू के ये मामले इसी अवधि के लिए 2018 के बाद से सबसे अधिक हैं। इस साल 16 अक्टूबर तक 723 मामले आए थे, यानी कि 283 नए मामले एक हफ्ते में सामने आए। दक्षिण दिल्ली नगर निगम द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन वर्षो में एक जनवरी से 16 अक्टूबर तक आने वाले मामले - 489 (2020), 833 (2019) और 1,310 (2018) रहे। 2020 में कुल 1,072 मामले आए और एक व्यक्ति की मौत हुई। एसडीएमसी शहर में मच्छर जनित बीमारियों पर आंकड़ों का संग्रह करने वाली नोडल एजेंसी है। एसडीएमसी के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2019 में डेंगू से दो, 2018 में चार, 2017 में 10 और 2016 में 10 लोगों की मौत हुई थी। साल 2021 में डेंगू के जनवरी में शून्य, फरवरी में दो, मार्च में पांच, अप्रैल में 10, मई में 12, जून में सात, जुलाई में 16 और अगस्त में 72 मामले आए थे। सितंबर में इस बार 217 मामले आए, जो पिछले तीन वर्षो में इस महीने आए डेंगू के सर्वाधिक मामले हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग द्वारा 22 सितंबर को जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल सितंबर में डेंगू के 188 मामले आए थे और 2019 में 190 मामले आए थे। इससे पहले 2018 में 374, 2017 में 1,103, 2016 में 1,362 और 2015 में 6,775 मामले आए थे। मच्छर का लार्वा साफ ठहरे पानी में पनपता है, जबकि मलेरिया का मच्छर गंदे पानी में पनपता है। मच्छर जनित बीमारियों के मामले आम तौर पर जुलाई और नवंबर के बीच आते हैं, लेकिन ये दिसंबर के मध्य तक भी आ सकते हैं।

बच्चों ने रैली निकाल स्वच्छ दीपावली मनाने का दिया संदेश

फरीदाबाद (एजेंसी) । एनआईटी तीन फरीदाबाद स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जूनियर रेड क्रॉस और सेंट जॉन एम्बुलैंस ब्रिगेड ने हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड फरीदाबाद के सहयोग से सभी विद्यार्थियों, शहरवासियों और समस्त देशवासियों से स्वच्छ और हरित दीपावली मनाने की अपील की। क्लीन दिवाली ग्रीन दिवाली योजना के बारे में जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एम्बुलैंस ब्रिगेड प्रभारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि संपूर्ण फरीदाबाद एवम एन सी आर स्मॉग, धुआं से और वायु प्रदूषण से त्रस्त है अवश्य ही वर्षा के कारण प्रदूषण थोड़ा कम हुआ है फिर भी सड़कों पर धूल उड़ने एवम निर्माण सामग्री के इधर उधर फैली होने एवं वाहनों के कार्बन उत्सर्जन से प्रदूषण का स्तर अधिक बढ़ गया है। सामान्य वायु प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों के स्थान पर ग्रीन पटाखों का प्रयोग सीमित समय अर्थात कम समय के लिए कर के त्योहारों के अवसर को प्रदूषण रहित बना सकते हैं। यह हम सभी का यह दायित्व है कि हम स्वच्छ दीपावली मनाते हुए अपने पर्यावरण की भी सुरक्षा करें। इस अवसर पर हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एसडीओ ओमबीर सिंह एवं प्राचार्य मनचंदा ने बच्चों से अपील की कि वे अपने मम्मी, पापा, बहन, भाई और घर में तथा संबंधियों से भी स्वच्छ दीवाली मनाने के लिए आग्रह करें।

दिल्ली में छठ पूजा से पहले शुरू होगा स्पेशल कोविड टीकाकरण अभियान, 10000 भक्तों को लगेगा टीका

नई दिल्ली (एजेंसी) । राजधानी दिल्ली में छठ पूजा में हिस्सा लेने वाले 10,000 लोगों के लिए मंगलवार से एक स्पेशल कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू करने की घोषणा की गई है। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी मंगलवार को बुराड़ी के निकट कादीपुर से इस विशेष टीकाकरण अभियान की शुरुआत करेंगे।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोरोना को देखते हुए हमें छठ पूजा सावधानी के साथ मनानी है, इसलिए कल (मंगलवार) से 'छठ व्रत विशेष टीकाकरण अभियान' शुरू किया जाएगा। इस अभियान में 10,000 श्रद्धालुओं को शामिल किया जाएगा जो पूजा करेंगे, लेकिन किसी कारण से टीका नहीं लगवा पाए हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि नगर निगमों की मदद से पार्टी के पार्षद हर इलाके का दौरा करेंगे और ऐसे लोगों की पहचान करेंगे, जिन्हें कोविड-19 का टीका नहीं लग पाया था। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों के लिए टीकाकरण कार्यक्रम एक एनजीओ के सहयोग से चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले चरण के लिए पूरे अभियान को 10 सेक्टरों में बांटा गया है। तिवारी ने कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र (उत्तर-पूर्वी दिल्ली) में छठ भक्तों को 4,000 टीके लगाए जाएंगे, जबकि दिल्ली के शेष छह संसदीय क्षेत्रों में 1,000-1,000 टीके लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 9 नवंबर से पहले इस विशेष टीकाकरण अभियान को समाप्त करना है। उन्होंने दिल्ली प्रशासन से विशेष अभियान के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने की भी अपील की है। तिवारी ने यह भी कहा कि भाजपा के सभी पार्षद और तीनों नगर निगमों के कर्मचारी जल्द ही छठ घाटों की सफाई शुरू करेंगे।

बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों द्वारा दिवाली के बाद मनाए जाने वाले छठ पर्व के दौरान श्रद्धालु घुटनों तक गहरे पानी में खड़े होकर सूर्य देव को उपवास करके 'अर्घ्य' देते हैं। बता दें कि, 30 सितंबर को जारी एक आदेश में, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने ब्व्टप्क्-19 से उत्पन्न खतरे को देखते हुए नदी के किनारे, घाटों और मंदिरों सहित सभी सार्वजनिक स्थानों पर छठ पूजा के आयोजनों पर रोक लगा दी थी।

सम्पादकीय

ओपन सर्च

बेहतर होती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

यकीनन इस समय ग्रामीण बाजार में सुधार का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। इस समय जहां देश के रोजगार सूचकांक ग्रामीण भारत में तेजी से रोजगार बढ़ने का ग्राफप्रस्तुत कर रहे हैं, वहीं ग्रामीण उपभोक्ता सूचकांक भी लगातार ऊंचाई पर पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। मानसून के अनियमित रहने और बुआई में हुई देरी के बावजूद खरीफसत्र में अच्छी फसल की संभावना से ग्रामीण भारत का आशावाद भी ऊंचाई पर है। गौरतलब है कि इस समय देश में ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार और कृषि एवं ग्रामीण विकास की मजबूती के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने के चार महत्त्वपूर्ण आधार उभरकर दिखाई दे रहे हैं। एक, जन-धन योजना के माध्यम से छोटे किसानों और ग्रामीण गरीबों का सशक्तिकरण। दो, कृषि क्षेत्र में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के कार्यक्रम। तीन, कृषि संबंधी नवाचार एवं शोध से कृषि उन्नयन तथा चार, ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए नई स्वामित्व योजना की शुरुआत। सचमुच देश ही नहीं, दुनिया में भी यह रेखांकित हो रहा है कि जनधन योजना के माध्यम से सरकार ने आक्रामक वित्तीय समावेशन कार्यक्रम चलाया है जिसकी वजह से सरकार छोटे किसानों और ग्रामीण भारत में गरीबों की मदद करने में सफल रही है। 25 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ के 76वें सत्र को संबोधित करते हुए दुनिया को जनधन योजना के महत्त्व से परिचित कराया है। कहा गया है कि देश के छोटे किसानों की मुठ्ठियों में वित्तीय समावेशन की खुशियां तेजी से बढ़ी हैं। पीएम किसान योजना के अंतर्गत अगस्त 2021 तक 11.37 करोड़ किसानों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफेट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए 1.58 लाख करोड़ रुपए जमा किए जा चुके हैं। निःसंदेह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी के साथ-साथ खरीद प्रक्रिया में भी सुधार किया गया है ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों को पानी की सुरक्षा देने के लिए बड़ी संख्या में सिंचाई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। दशकों से लटकी करीब-करीब 100 सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने का अभियान चलाया जा रहा है। किसानों की जमीन को सुरक्षा देने के लिए, उन्हें अलग-अलग चरणों में 11 करोड़ सॉयल हेल्थ कार्ड दिए गए हैं। 2 करोड़ से ज्यादा किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड दिए गए हैं। एक लाख करोड़ रुपए का एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, सोलर पावर से जुड़ी योजनाएं खेत तक पहुंचाने, 10 हजार नए किसान उत्पादन संगठन और देश के 70 से ज्यादा रेल रूटों पर किसान रेल चलने से छोटे किसानों के कृषि उत्पाद कम ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे पर देश के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच रहे हैं। ऐसे में छोटे किसानों को अच्छा बाजार मिलने से उनकी उपज का अच्छा मूल्य मिल पा रहा है। खासतौर से देश में 2 हेक्टेयर से कम जमीन रखने वाले जो 80 प्रतिशत छोटे किसान हैं, इससे जहां एक ओर भारत में कृषि क्षेत्र अधिक प्रतिस्पर्धी एवं लाभदायक बन रहा है, वहीं सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी लगातार बढ़ती जा रही है। यह हिस्सेदारी पिछले 17 साल में पहली बार वर्ष 2020-21 में 20 फीसदी की ऊंचाई पर पहुंच गई है। रिपोर्टों में यह भी कहा जा रहा है कि चालू वित्त वर्ष 2021-22 में भी देश की जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान और अधिक बढ़ सकता है। 11 अक्तूबर को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 15 राज्यों के 343 चिन्हित जिलों में किसानों को मुफ्त 8.20 लाख हाईब्रिड बीज मिनीकिट कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि पिछले 6-7 वर्षों में कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के कार्यक्रमों के अच्छे परिणाम दिखाई देने लगे हैं। हाल ही में कृषि मंत्रालय द्वारा जारी खरीफसत्र के प्रारंभिक अनुमानों के मुताबिक देश में इस बार खरीफ सत्र में करीब 15.05 करोड़ टन रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन होने की संभावना है। पिछले वर्ष खरीफ सत्र में करीब 14.95 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ था। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि वर्ष 2020-21 में कुल खाद्यान्न उत्पादन करीब 30.86 करोड़ टन की रिकॉर्ड ऊंचाई पर रहा है। वर्ष 2020-21 में खाद्यान्न उत्पादन करीब 30.86 करोड़ टन की रिकॉर्ड ऊंचाई पर दिखाई दे रहा है। जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.11 करोड़ टन अधिक है।

> **एक लाख करोड़ रुपए का एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, सोलर पावर से जुड़ी योजनाएं खेत तक पहुंचाने, 10 हजार नए किसान उत्पादन संगठन और देश के 70 से ज्यादा रेल रूटों पर किसान रेल चलने से छोटे किसानों के कृषि उत्पाद कम ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे पर देश के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच रहे हैं।**

वैक्सिनेशन का शानदार पड़ाव

राकेश कुमार मिश्र

देश में कोरोना संक्रमण के मद्देनजर चल रहे टीकाकरण अभियान के अन्तर्गत 21 अक्टूबर को सौ करोड़ डोज लगाए जाने का कीर्तिमान स्थापित हुआ जिसके लिए सामान्य जनमानस के साथ-साथ अनेकों राष्ट्रों, प्रबुद्धजनों एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन तक ने भारत एवं भारतीय नेतृत्व की सराहना की। प्रधानमन्त्री मोदी ने इस मौके पर डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुँचकर देश के वैज्ञानिकों एवं टीकाकरण अभियान में लगे डाक्टरों, नर्सों एवं पैरा मेडिकल स्टाफ को बधाई दी और इस उपलब्धि को देश की जनता की जीत कहा। इस अवसर पर देश की सौ स्मारकों को तिरंगे की रोशनी में सजाकर उत्सव का रूप भी दिया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित देश विदेश से बधाइयों का क्रम दिन भर जारी रहा। यह हकीकत में देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है कि जिस तरह देश के वैज्ञानिकों ने एक वर्ष से भी कम समय में दो स्वदेशी वैक्सीन बनाकर कोरोना से लड़ाई में देश को मजबूती प्रदान की, उसी तरह देश के डाक्टरों एवं पैरा मेडिकल स्टाफ ने नौ माह के भीतर ही सौ करोड़ डोज लगाकर भारत के टीकाकरण अभियान को विश्व का सबसे तेज टीकाकरण अभियान बना दिया। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी अबतक 65 प्रतिशत जनसंख्या को ही वैक्सीन की दोनों डोज दी जा सकी है, जिसकी जनसंख्या मात्र 33 करोड़ है। विश्व में अब तक लगी वैक्सीन की 700 करोड़ डोज में से भारत में लगभग 15 प्रतिशत डोज लगी हैं। देश की 18 वर्ष से अधिक उम्र की 94 करोड़ आबादी में 70 प्रतिशत को सिंगल डोज एवं 30 प्रतिशत को दोनों डोज दी जा चुकी हैं। ब्रिटेन एवं यूरोप के देश जिनकी जनसंख्या सात-आठ करोड़ है, वहाँ भी 75 प्रतिशत लोगों को ही दोनों डोज लगी है जिसका मतलब है 15 करोड़ डोज। देश में विपक्षी दलों का यह हाल है कि वो देश के गौरव के क्षणों में भी गौरवान्वित नहीं होते और न देश की किसी उपलब्धि पर इनके मुँह से एक शब्द निकलता है। मोदी सरकार के प्रति इनकी नफरत एवं विरोध का आलम यह है कि किसी बड़ी उपलब्धि के समय भी यह विरोधी नेता प्रशंसा के स्थान पर झूठे दुष्प्रचार एवं मनगढंत तर्क के द्वारा सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश जरूर करते हैं। ऐसा ही कांग्रेस एवं विपक्ष के नेताओं ने कल भी झूठे एवं मनगढ़ंत आरोप लगाकर किया। इन नेताओं ने अमेरिका एवं यूरोपीय देशों के उदाहरण देकर यह दुष्प्रचार फैलाया कि भारत दोनों डोज लगाकर पूर्ण टीकाकरण के मामले में विश्व में 19 वें नंबर पर है तब सरकार किस उपलब्धि का जश्न मना रही है ? इन नेताओं को यह भी समझ नहीं आता कि यदि भारत की आबादी अमेरिका के बराबर होती तो अब तक भारत सभी को तीन डोज लगा चुका होता जबकि अमेरिका तो अभी तक दो तिहाई जनसंख्या का ही पूर्ण टीकाकरण कर सका है। यदि भारत की आबादी ब्रिटेन, इटली, फ्रांस जैसे यूरोपीय देशों के बराबर होती तो भारत ने सौ करोड़ डोज लगाने का जो कीर्तिमान स्थापित किया है उससे यूरोप के 6-7 देशों का पूर्ण टीकाकरण हो सकता था। ब्राजील जैसा देश जो कोरोना संक्रमण से प्रभावित देशों में मृत्यु के मामले में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है, वह टीकाकरण के मामले में बहुत पीछे है जिसका प्रमुख कारण उसके पास अपनी वैक्सीन का न होना है। भारत, अमेरिका ने वैक्सीन उपलब्ध कराने में ब्राजील की मदद की परन्तु हर राष्ट्र की अपनी भी चुनौतियाँ एवं सीमाएं हैं। कल्पना कीजिए कि यदि हमारे वैज्ञानिकों एवं डाक्टरों के अथक प्रयासों एवं मोदी जी के नेतृत्व एवं रचनात्मक सहयोग के अभाव में देश को एक नहीं दो स्वदेशी वैक्सीन न मिल पातीं तो केवल वयस्क आबादी के लिए 190 करोड़ डोज कौन उपलब्ध कराता ? भारत की दोनों वैक्सीन प्रभावी होने के साथ-साथ विदेशी वैक्सीन की तुलना में काफी सस्ती है और उनका रखरखाव एवं कोल्ड चेन की शर्तें भी देश की स्थिति के अनुकूल है। अमेरिका एवं ब्रिटेन की वैक्सीन की कोल्ड चेन का प्रबंध भी भारत के दूरदराज के इलाकों में सम्भव न होता क्योंकि उन्हें बहुत कम तापमान पर रखना पड़ता। कहने का अर्थ मात्र इतना है कि विपक्ष को आलोचना से पहले हकीकत पर भी गौर करना चाहिए और मोदी विरोध में देश विरोध की मानसिकता से बचना चाहिए। ऐसा विपक्ष पहली बार नहीं कर रहा है। जब देश में वैक्सीन आयी तो इन्हीं विपक्ष के नेताओं ने वैक्सीन की सुरक्षा एवं उपादेयता पर भी तरह तरह के कुतर्क दिए जिसने वैक्सीन के प्रति जनता में संकोच एवं बचने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया विपक्षी नेताओं की जान को खतरा या नामर्दी जैसे हास्यास्पद एवं झूठे तर्क भी विपक्ष ने ही फैलाए जिसका दुष्परिणाम यह हुआ कि पहली दस करोड़ डोज लगाने में 85 दिन का समय लगा। जनवरी से प्रारम्भ टीकाकरण अभियान को गति जुलाई से ही मिल सकी जब सरकार के प्रयासों से काफी हद तक जनता को जागरूक करने में मदद मिली एवं दूसरी लहर के प्रकोप ने भी जनता को टीकाकरण से बचाव के लिए प्रेरित किया। आज देश में 12-13 दिनों में दस करोड़ टीके लग रहे हैं। उम्मीद की जा सकती है कि 31 दिसम्बर तक सबके टीकाकरण के लक्ष्य के काफी करीब हम पहुंच सकते हैं यदि यही गति बनी रहे। इसी तरह जब वैक्सीन केंद्र सरकार उपलब्ध करा रही थी तो दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान जैसे अनेक विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री ने यह मांग की कि राज्यों को भी सीधे वैक्सीन खरीद का अधिकार दिया जाय। जब महीने भर की माथापच्ची एवं मशक्कत के बाद भी कोई कंपनी राज्यों को सीधे एवं तत्काल वैक्सीन देने पर राजी नहीं हुई तो इन्हीं विपक्षी नेताओं ने पुनः केंद्र सरकार से पूर्व की व्यवस्था बहाल करने की गुजारिश की। यदि विपक्ष का रवैया इतना नकारात्मक न रहा होता तो हम सौ करोड़ के कीर्तिमान को महीने दो महीने पहले ही हासिल कर लेते। दूसरी लहर के प्रकोप ने भी टीकाकरण अभियान में अवरोध खड़ा किया क्योंकि पूरी मशीनरी का फोकस दवा, बेड आक्सीजन पर केंद्रित हो गया। विपक्ष की यह हमेशा आपत्ति रही है कि मोदी जी इवेंट में माहिर हैं।

उनका कहना है कि अभी भी करोड़ों लोगों को वैक्सीन की एक डोज भी नहीं पाए और लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में अव्यवस्था एवं इलाज के अभाव में हो गई। ऐसे में बधाई एवं जश्न का क्या औचित्य है ? पहले सवाल का उत्तर यह है कि भारत का टीकाकरण अभियान विश्व में तीव्रतम गति से चला है। चीन के दावे को छोड़कर विश्व में कोई राष्ट्र सौ करोड़ डोज के आंकड़े के आसपास भी नहीं है। केवल अमेरिका ने ही अपनी आबादी 33 करोड़ के 65 प्रतिशत भाग का टीकाकरण किया है जो सौ करोड़ डोज से बहुत कम है। यह सत्य है कि दूसरी लहर इतनी प्रचण्ड थी कि बड़ी संख्या में लोग आक्सीजन एवं बेड की कमी एवं अव्यवस्था के कारण असमय काल कवलित हो गए परन्तु उस समय भी सरकार के अथक प्रयासों से महीने भर के भीतर ही स्थितियों पर काबू पा लिया गया। डॉक्टर एवं विशेषज्ञ तक मानते हैं कि दूसरी लहर में संक्रमण इतना तेज एवं गहन था तथा प्रतिदिन आने वाले केसों की संख्या इतनी अधिक थी कि किसी भी विकसित से विकसित स्वास्थ्य ढाँचे वाले देश के लिए इसका सामना करना सम्भव नहीं था।

कश्मीर की फिज़ाओ में आतंकवाद का जहर

सोनम लववंशी

कश्मीर की फिज़ाओं में एक बार फिर आतंक की गोलियां सुनाई दे रही है और जिहादी आतंकी कश्मीर की वादियों में पुनः अपने नापाक इरादों को अंजाम दे रहें हैं। बड़ी दुःखद बिडम्बना है कि जिस कश्मीर में अमन-चौन होना चाहिए। वहां ये जिहादी मौत का तांडव कर रहें हैं। इतना ही नहीं जो वादियां सैलानियों से गुलजार होनी चाहिए। वहां आएं दिन आतंकी घटनाएं हो रही। ऊपर से हिंदुओं को टारगेट करके उन्हें मौत के घाट उतारा जा रहा है। जो बेहद ही दुःखद और चिंताजनक है। 2019 में जबसे मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर राज्य से अनुच्छेद-370 और आर्टिकल-35 (ए) हटाया है। तभी से सामान्य राज्यों की भांति जम्मू और कश्मीर में भी संविधान पूर्णरूप से अधिनियमित और अंगीकृत हो गया है। ऐसे में अगर किसी धर्म विशेष से जुड़े लोगों को टारगेट करके मौत के मुँह में डाला जा रहा तो यह सरेआम संविधान का अपमान ही है, लेकिन इसको लेकर न विपक्ष कभी कुछ कहती है और न ही मौकापरस्त जम्मू कश्मीर के राजनीतिक दल कभी इन मुद्दों पर बल देते हैं। उन्हें तो कश्मीर की वादियों की सत्ता प्यारी है। तभी तो वह बंदूक उठाने वाले आतंकियों को भी भटका हुआ युवा करार देने पर तुले रहते हैं। वैसे भी सियासत हो या आतंकवाद से जुड़े लोग। शायद उन्हें कश्मीर की फिज़ाओं में मोहब्बत का रंग रास नहीं आता। तभी तो अक्सर कश्मीर में जिहाद की चिंगारी धधकती रहती है। भले वह बात चाहें वर्षों पुरानी हो या अनुच्छेद- 370 और आर्टिकल- 35 (ए) खत्म होने के बाद की स्थिति। ऐसे में समझ यही आता है कि कहीं जिहाद, आतंक और धर्म के नाम पर कश्मीर का जलते रहना ही उसकी नियति तो नहीं। गौरतलब हो कि बीते कई दिनों से आतंकवादी 'टारगेट किलिंग' के जरिए अल्पसंख्यकों पर हमले कर रहे है और उनका मकसद साफ है कि किसी तरह डरा धमका कर अपना राज चलाया जाये। ऐसे में देखा जाये तो ये सारी घटनाएं कहीं न कहीं पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और अफगानिस्तान की शह पर ही हो रही है, लेकिन कहीं न कहीं हाथ किसी न किसी भीतरघात करने वालों का भी है। वरना इतनी आसानी से सीमा के भीतर कोई ऐसा दुःसाहस कर लें। यह समझ नहीं आता।

गौरतलब हो कि केंद्र सरकार ने भले ही कश्मीर से अनुच्छेद- 370 और आर्टिकल- 35 (ए) हटा दिया हो। जिससे दूसरे राज्यों के लोगों को अचल संपत्ति खरीदने का अधिकार मिल गया है, लेकिन ये वर्तमान दौर की कड़वी सच्चाई है कि कश्मीर में बाहरी लोग तो दूर वहां दशकों से रह रहे हिंदुओं का भी अमन-चौन दूभर है। ऐसे में जिन वादियों में कभी नवविवाहिता घूमने के सपने सजाती थी उन वादियों में मौत का मातम पसरा हुआ है। कश्मीर तो वही है लेकिन कश्मीर की फिज़ा जरूर बदल गई है। ये बात लोग शायद भूल गए है कि धरती पर कहीं जन्नत देखनी हो तो कश्मीर का जिक्र होता था, लेकिन आज एक बार फिर वही कश्मीर आतंकवाद की बलि चढ़ रहा है। बता दें कि कश्मीर में कहीं न कहीं 1990 का इतिहास एक बार फिर दोहराया जा रहा है। जब हजारों कश्मीरी पंडितों को अपने घर छोड़कर रातों रात कश्मीर से पलायन करना पड़ा था। एक बार फिर वही साजिश कश्मीर में रची जा रही है। श्रीनगर के मशहूर फार्मेसी के मालिक माखनलाल बिंदरू को जिस तरह से मौत के घाट उतारा गया उससे आतंकवादियों के मंसूबे साफ नजर आ रहे है। यह कोई पहली घटना नहीं है जब आतंकवादियों के हौसले बुलंद हुए हो। आतंकियों ने लाल बाजार इलाके के गोलगप्पा बेचने वाले वीरेंद्र पासवान की हत्या तक कर डाली। सिर्फ बिहारी या कहें कि बाहरी होने की सजा अपनी जान देकर उन्हें चुकानी पड़ी। वर्षों से लाल बाजार की सड़कों पर गोलगप्पे का ठेला चलाने वाले वीरेंद्र को मारते समय आतंकियों की रूह तक नही कांपी। एक पल में भरे पूरे परिवार को अनाथ कर दिया। अब बात प्रिंसिपल सतिंदर कौर और शिक्षक दीपक चंद की करे तो उन्हें भी सिर्फ हिन्दू होने की सजा चुकानी पड़ी। सतिंदर कौर अपनी आधी सैलरी अनाथ बच्चों पर खर्च करती थी। यहां तक कि उसने एक मुस्लिम बच्ची तक को गोद ले रखा था। जिसका सारा खर्च वह स्वयं उठती थी। यह सुनकर भला किसका कलेजा नहीं पसीजेगा? लेकिन फिर भी उन्हें मौत की नींद सुला दिया गया। ऐसे में निःसन्देह यह कहना गलत नहीं होगा कि कश्मीर में इस्लामिक आतंकवाद का दौर शुरु हो गया है और ये अलग बात है कि फारुख अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती की नजरों में ये जिहादी भटके हुए नौजवान है। यही वजह है कि इस रक्तरंजित घटना के बाद भी इन नेताओं की जुबान पर ताले लगें है। वैसे राजनेताओं के कहने ही क्या? उन्हें तो सिर्फ वोट बैंक की राजनीति भर करनी होती है। उन्हें भला कब किसी गरीब की मौत का दर्द दिखाई देता है। सो वही रीति-नीति कश्मीर में भी अपनाई जा रही है। ऐसे में अब कश्मीर में कोई सामाजिक संगठन आगे नहीं आएगा? कोई धरना प्रदर्शन नहीं होगा? होना भी नही चाहिए क्योंकि इन मुद्दों पर बोलकर भला उन्हें कोनसा राजनीतिक लाभ होगा? सो वो चुप है। नुकसान तो उन्हें आर्टिकल- 35 (ए) हटने पर हो रहा था, अनुच्छेद-370 हटने पर हो रहा था। तब सारा विपक्ष मिलकर बोला था और आज सभी खमोश है और यही खमोशी कहीं न कहीं हमारे लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा है, लेकिन विपक्ष की नजरों में तो आज के समय में खतरा कुछ और ही है। शायद यही तो एक लोकतंत्र की खूबी है। जहां अपने-अपने लिहाज से सभी राजनीतिक दल के अपने मुद्दे हैं, लेकिन बात फिर घूम-फिरकर वहीं आ जाती कि आखिर कश्मीर में हिंदुओं की टारगेट किलिंग क्यों और इस पर कांग्रेस और स्थानीय नेताओं की चुप्पी आखिर कब तक?

वैसे यहां एक बात सच है कि कश्मीर में 1920 में 'डोगरा राज' चलता था और तब कश्मीरियों ने अपनी जमीन और नौकरी को बचाने के लिए एक नारा भी दिया था कि, ' कश्मीर फॉर कश्मीरीज' । इतना ही नहीं एक विशेष बात यह नारा वहां रहने वाले पंडितों ने ही दिया था। लेकिन बदकिस्मती देखिए कि जिन पंडितों ने यह नारा दिया था उन्हें ही कश्मीर छोड़कर जाना पड़ा। ऐसे में बात अगर कश्मीर के मूल निवासी हिंदुओ की करे तो उनकी सभ्यता व संस्कृति पांच हजार साल से भी ज्यादा पुरानी है। कहते है कि कश्मीर का नाम कश्यप ऋषि के नाम पर ही रखा गया था। लेकिन एक ही पल में लाखों कश्मीरी पंडितों को अपने घर द्वार छोड़कर शिविरों में शरण लेनी पड़ी। अफसोस की इतिहास की इतनी बड़ी घटना पर तमाम राजनीतिक दल आजतक चुप्पी साधे रहे। यह घटना किसी और धर्म के लोगो के साथ होती तो देश तो दूर विदेशों तक से विरोध के स्वर प्रखर हो उठते। हमारे देश के राजनेता तक इस घटना के बाद यह बयान देने से बाज नहीं आये की कश्मीरी हिंदुओ के पलायन का निर्णय उनका स्वयं का निर्णय था।

पौराणिक तपोभूमि की पहचान बन पाते संभाग और जिले

ऋतुपर्ण दवे

सच है, पहचान नाम से होती है, नाम में ही भावार्थ छुपा होता है, बन जाता है, चलन-प्रचलन में आ जाता है। जब कोई नाम स्वनाम धन्य हो जाता है तब तो पहचान और भी किसी की मोहताज नहीं होती। इस समय देश में शहर, नगर, कस्बे, गांव यहां तक कि मोहल्लों के नाम भी बदले जाने की रवायत सी चल पड़ी है। नाम पहले भी बदले जाते थे, आगे भी बदलते रहेंगे। दरअसल नाम बदलना अब सियासत के साथ-साथ चलन सा हो गया है। लेकिन जब देश में भौगोलिक, सामजिक और पौराणिक मान्यताओं और प्रमाणों से भरे क्षेत्र अपनी प्रमाणिकता से इतर दूसरे नामों से पहचाने जाएं तो थोड़ा अटपटा लगता है। हो सकता है कि इसके पीछे तमाम तरह की इच्छा शक्तियों का आभाव रहा हो, निहायत सीधे, सादे, आदिमजाति रहवासियों को इसकी जरूरत न समझ आई हो। इसीलिए शेष का भी ध्यान ही न गया हो? सच जो भी हो नहीं पता लेकिन आज एक ऐसे क्षेत्र की मैं चर्चा कर रहा हूँ जिसका देश ही नहीं पूरे विश्व वरन ब्रम्हाण्ड में एक अलग नाम है, सम्मान है, प्रमाणिकता है और लोगों की भरपूर आस्था भी। बस नहीं है तो उस नाम से उस जगह अपनी कोई पहचान, विशिष्टता, गर्व और सुखदता की अनुभूति कराते सरकारी दस्तावेज, कार्यालय, रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड और पट्टिकाएँ। हाँ, वहां से निकली पवित्र नदियों के नाम पर सैकड़ों मील दूर स्थित जिले और संभाग उस नाम से अपनी ख्याति जरूर बिखेर रहे हैं। विडंबना देखिए जो जनक हैं, उत्पत्ति स्थल हैं वह अपनी इस विशिष्टता को बताने, जताने और दिखाने को तरस रहे हैं।

बात पवित्र तीर्थ और महान ऋषि, मुनियों की तपोभूमि नर्मदा उद्गम स्थल अमरकण्टक की है। नर्मदा को भगवान शिव की पुत्री कहा जाता है। नर्मदा उद्गम की अनेक मान्यताओं में से एक नर्मदा अष्टक के अनुसार भगवान शिव ध्यान में लीन थे तो नर्मदा उनके केशों से निकलीं। शिव और उनकी पुत्री नर्मदा, अमरकण्टक में निवास करते थे। नर्मदा का कंकड़-कंकड़ भी शंकर कहलाता है। कहानियां कई हैं, वृहद हैं जो अलग व विस्तार का विषय हैं। अमरकण्टक से ही सोन और जोहिला नदी का भी उद्गम हुआ। इसी तरह नर्मदा, सोन, जोहिला और अमरकण्टक सभी एक दूजे के पूरक हैं। पूरे ब्रम्हाण्ड में यह नाम यत्र, तत्र सर्वत्र हैं। बस नहीं है तो उस संभाग, जिले और अंचल के नाम की पहचान में जुड़े होना। यह तो बहुत पहले हो जाना था, लेकिन अभी तक नहीं हुआ। आगे कब होगा नहीं पता। किसी ने सोचा भी कि नहीं यह भी विचारणीय है? जागरूकता देखिए अमरकण्टक से निकली नर्मदा के नाम पर सैकड़ों किमी दूर गुजरात का एक जिला है। मप्र में होशंगाबाद का नाम नर्मदापुरम हो जाएगा संभाग पहले से है। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र तो बिहार में डेहरी ऑन सोन की पहचान भी अमरकण्टक की नदियां हैं। जहाँ-जहाँ से भी नर्मदा और सोन गई उस क्षेत्र की पहचान और जीवनरेखा बनती गई, बस जिस संभाग, जिले से उत्पत्ति हुई या जन्मीं उन जिलों या संभाग का नाम इन पर नहीं हो पाया! यह बेहद हैरान करता है। कारण जो भी रहा हो नहीं पता। लेकिन यदि रेवाखण्ड कहलाने वाले विन्ध्य के इस नर्मदा-सोन उद्गम क्षेत्र की पहचान भी इन पवित्र व आस्था से सराबोर नामों से हो जाती तो विशिष्टता के साथ एक अलग ही धाक व पहचान बनती फिर हमारे देश में तो नाम का अलग महत्व ही होता है। प्रगति, सफलता के लिए भी नाम अंक,वास्तु और शास्त्रों से जोड़कर रखे जाते हैं। शहडोल संभाग, गठन के बाद 14 जून, 2008 को अस्तित्व में आया। यही वह समय था जब इस नए संभाग की शुरुआत नए नाम नर्मदा, नर्मदाखण्ड, नर्मदांचल, नर्मदा-सोन संभाग जैसे पवित्र व विशिष्ट नामों को जोड़कर हो सकती थी। इसी तरह नर्मदा उद्गम जिला अनूपपुर का नाम भी रेवांचल, नर्मदा-सोनांचल या रेवाखण्ड कर जिले की पहाचन बन सकती है। दरअसल सच तो यह है कि नर्मदा-सोन उद्गम, आरण्यक संस्कृति, तटवर्ती वनों, मार्कण्डेय, कपिल, भृगु, जमदाग्नि आदि अनेक ऋषियों की तपोभूमि, उनेकी यज्ञवेदियों के आकाश में मंडराते पवित्र धुएं के साक्षी है। पुराणों में वर्णित है कि जो पुण्य गंगा में स्नान से मिलता है, वह नर्मदा के दर्शन मात्र से मिल जाता है। यही पश्चिम की ओर बहती एकमात्र नदी है जो भारत की 5 सबसे पवित्र नदियों में एक है।

विश्व मानचित्र पर विशिष्टता समेटे मेकल पर्वत श्रंखला पर अवस्थित अमरकण्टक और यह पूरा क्षेत्र जितना रमणीय, दर्शनीय और प्राकृतिक धरोहरों से भरा-पूरा है उतना ही सादगी, आडंबर और राजनीतिक प्रपंचों से भी दूर है। निरा आदिमजाति, सीधे, सादे, सहज ऐसे समाज के चलते ही इस दौर में भी यहाँ ज्यादा बाहरी प्रभाव नहीं दिखता है। प्रगति के साथ कुछ बदलाव जरूर हुए हैं लेकिन अभी भी पूरा अंचल अपनी पौराणिक विशेषताओं और ख्यातियों को ज्यों का त्यों समेटे हुए है। अमरकण्टक विंध्य, सतपुड़ा, और मेकल की पहाड़ियों का मिलन स्थल है। पूरा दृश्य मन मोह लेने वाला होता है। अमरकंटक स्वयं एक तीर्थराज है। कितना अच्छा होता कि शहडोल संभाग का नाम उसकी पहचान अमरकण्टक के अनुरूप अमरकण्टक संभाग, नर्मदा-सोन संभाग, नर्मदा-रेवांखण्ड संभाग या इन्हीं प्रकृति प्रदत्त पवित्र स्थानों पर होता। इसी तरह अनूपपुर जिले का नाम भी रेवांचल, मेकल सुता या नर्मदा-सोन-जोहिलांचल जिला होता। शहडोल जिला भी अपनी पौराणिक और धार्मिक मान्यताओं के लिए जाना जाता है। यहां पर महाभारत काल में पाण्डवों ने विराट नगर में अज्ञातवास बिताया था। इस दौरान रोजाना नए तालाब की खुदाई करते और नया पानी पीते। साल भर में 365 तालाबों की खुदाई हुई थी। पूरे क्षेत्र में बहुतायात से मिलते तालाब महाभारत काल के बताए जाते हैं। कल्चुरी राजाओं का बनाया विराट मंदिर शहडोल जिले के सोहागपुर में है जिसे विराटेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। इसका निर्माण एक चबूतरे पर किया गया है जिसके भू-विन्यास में अर्धमंडप, महामंडप, अन्तराल और वर्गाकार गर्भगृह हैं। शिल्पकला बेहद ही शानदार है, मुख्यद्वार में सबसे उपर चतुर्भुजी विष्णु जी हैं दाईं ओर गणेश जी और बाईं ओर वीणावादिनी हैं। मंदिर की बाहरी दीवारें खजुराहो मंदिर की तरह हैं। सबसे आकर्षण बहुभुजायुक्त नृत्यरत शिव प्रतिमा है। विराट मंदिर का निर्माण 9वीं 10वीं शताब्दी में कलचुरी शासक युवराज देव प्रथम ने गोलकी मठ के आचार्य के समक्ष पेश करने के हेतु बनवाया था। यदि शहडोल जिले का नाम विराट नगर कर वास्तविक पहचान दे दी जाती। उमरिया जिला नेशनल पार्क बांधवगढ़ के लिए जाना जाता है। बांधवगढ़ नाम एक चट्टानी पहाड़ के चलते पड़ा। माना जाता है कि लंका पर नजर रखने के लिए यह पहाड़ी भगवान राम द्वारा लक्ष्मण को दी गई थी। यह वन क्षेत्र अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए मशहूर है यहां बाघों की भी भरपूर संख्या है और दूसरे वन्य जीव बहुतायत में हैं। 1968 में इसे राष्ट्रीय उद्यान बनाकर नाम बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान रखा गया।

पौराणिक मान्यताओं के साथ बांधवगढ़ भी विशिष्ट है। यदि उमरिया जिले का नाम भी बांधवगढ़ कर दिया जाता तो धार्मिक मान्यताओं और विशिष्टताओं वाले समूचे अंचल को उसकी असली पहचान मिल जाती। भले ही दस्तावेजों में या इन प्रमाणिक और पौराणिक स्थानों पर तीनों जिले या संभाग का नाम उन अंचलों की विशेषताओं से इतर हों लेकिन रेल्वे ने काफी पहले ही दूरदर्शिता दिखा एक तरह से मान्यता दी और गुजरने वाली दो लंबी दूरी की यात्री गाड़ियों को क्रमशः नर्मदा एक्सप्रेस व अमरकण्टक एक्सप्रेस नाम देकर विशिष्ट पहचान दी। इसी तरह चचाई थर्मल पॉवर प्लाण्ट ने अमरकण्टक नाम दिया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

किशनगंज में बाढ़ से हजारों एकड़ में लगी फसल तबाह, सांसद बोले- सरकारी स्तर पर किसानों की हर संभव की जाएगी मदद

अररिया (एजेंसी) । बाढ़ के पानी से बर्बाद फसल की क्षतिपूर्ति के लिए हर संभव कोशिश की जाएगी। यह बातें अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह नरपतगंज में कही। उन्होंने कहा के अधिकारियों से बात कर किसानों की सरकारी स्तर पर आर्थिक मदद पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मुसलाधार बारिश से उफनाई नदियां के कारण हजारों एकड़ में फसल बर्बाद हुआ है। जिसमें सबसे अधिक धान व सब्जी के खेती को हुई है। वे नरपतगंज प्रखंड के पोसदहा पंचायत के मिर्जापुर वार्ड नंबर एक, दो, तीन, डुमरिया चंदा वार्ड नंबर चार, पुलहा, मधुरा उत्तर-दक्षिण अचरा माणिकपुर, लक्ष्मीपुर, पत्राहा, धुरना, अमरोरी, नवाबगंज, भागिहि खेरा, चंदा आदि क्षेत्रों का भ्रमण किया।

सांसद ने किसानों की पीड़ा गंभीरता सुना। उनकी पीड़ा सुनकर वह परेशान हो गए और हर संभव मदद पहुंचाने का भरोसा दिलाया। किसान रणधीर यादव, मो. मूर्तजा, विकास कुमार, अनवर, मो. रकीब आदि ने बताया कि हर साल यहां नदिया उफना जाती है और बड़े पैमाने पर लोगों का नुकसान होता है। कुछ तीन पहले लगातार मुसलाधार बारिश के कारण नदियों के जल स्तर में एकाएक बृद्धि हो गई और सैकड़ों एकड़ में लगे धान व सब्जी की फसल को भारी नुकसान हुआ। वहीं अन्य किसानों ने अपनी पीड़ा सुनाते हुए कहा कि कर्ज लेकर खेती किए थे, सब बर्बाद हो गया, कर्ज कैसे चुकाएंगे। वहीं कुछको जवान बेटी की शादी की ड्क्षचता सता रही थी। इधर सासंद ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी से सर्वे कराया जाएगा। इसके बाद वास्तविक हकदारों को मदद पहुंचाई जाएगी। वहीं, जोकीहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत बारा इस्तबरार पंचायत वार्ड नंबर चार में रविवार की दोपहर खेत देखने जा रहे युवक की डूबने से मौत हो गई। डूबे युवक की पहचान बारीक पिता शमीम के रूप में की गई है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस पोस्टमार्टम के लिए नहीं ले जा सकी थी। युवक के डूबने से गांव में मातम छाया है। फारुक आलम ने पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये मुआवजा देने की मांग सीओ अशोक कुमार से की है।

पंजाब में ग्रंथी ब्लैकमेल कर युवती से करता रहा दुष्कर्म

अमृतसर (एजेंसी) । मत्तेवाल थाना पुलिस ने एक गांव के गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथी पर दुष्कर्म के आरोप में केस दर्ज किया है। पी ड़िता ने आरोप लगाया कि ग्रंथी जगराज सिंह ने उसके घर में घुसकर उसकी नहाते वक्त फोटो खींच दी और फिर उसे ब्लैकमेल करने लगा। इधर, पुलिस ने एफआइआर में धार्मिक भावनाएं भड़काने, दुष्कर्म और आइटी एक्ट की धाराओं को भी जोड़ दिया है। इंस्पेक्टर भूपिंदर कौर ने बताया कि आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। उधर, सरकारी अस्पताल में पीड़िता का मेडिकल भी करवाया जा रहा है। पीड़िता ने मत्तेवाल थाना पुलिस को बताया कि जब्बेवाल गांव का जगराज सिंह गांव के गुरुद्वारे में बतौर ग्रंथी है। वह उस पर बुरी नजर रखता था। साल 2020 में वह अपने घर में नहा रही थी। मौका पाकर किसी तरह जगराज सिंह उसके घर में घुस आया और उसकी अश्लील फोटो खींच ली। घटना के कुछ दिन बाद जब वह गुरुद्वारे में गई तो जगराज सिंह ने उसे अकेले में बुलाकर अश्लील हरकतें करनी शुरू कर दी। युवती के मुताबिक जब उसने विरोध किया तो आरोपित ने उसे नहाते हुए की अश्लील फोटो दिखाई। कहा कि अगर उसने विरोध किया या शोर मचाया तो वह इन फोटो को वायरल

कर देगा। इसके बाद वह उसे ब्लैकमेल करने लगा। युवती ने बताया कि ग्रंथी ने उसे शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करना शुरू कर दिया। फिर जगराज सिंह उसे अलग-अलग जगह पर मिलने के लिए बुलाता रहा और वह भी डरती हुई आरोपित के कहने पर उससे मिलने जाती रही। अप्रैल 2021 में एक दिन फिर आरोपित ने उसे गुरुद्वारा में बुलाया। वह परिवार को बताकर गई कि वह माथा टेकने जा रही है। फिर ग्रंथी जगराज सिंह ने उसे धमकाया और अपने कमरे में बुला लिया। अश्लील फोटो वायरल की धमकी मिलते ही वह उसके कमरे में चली गई। वहां आरोपित ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि आरोपित इस तरह कई बार उसे अपने पास बुलाता रहा। 21 अक्टूबर को उसने अपने परिवार को सारी घटना की जानकारी दी। परिवार ने फिर किसी तरह पुलिस को शिकायत दी और केस दर्ज करवाया।

जज के सामने हत्या की बात कबूलने वाले आरोपित निहंगों की सामने आई नई चाल

सोनीपत (एजेंसी) । दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बार्डर (कुंडली) बार्डर पर 15 अक्टूबर को पंजाब के दलित युवक लखबीर सिंह की हत्या को लेकर अब भी कुछ साफ नहीं हुआ है। रिमांड में आरोपित निहंगों से पूछताछ करना सोनीपत पुलिस अधिकारियों के लिए सिरदर्द बना हुआ है। एडीजीपी से लेकर जांच अधिकारी (आइओ) तक उनसे पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन बेहद शातिर तरीके से आरोपित अपना रिमांड टाइम पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। वे एसआइटी के समक्ष बार-बार बयान बदलकर कभी हां-कभी ना के फेर में उलझाए हैं। आरोपित निहंगों ने तो अपने ही साथियों को पहचानने से इनकार कर दिया है। अब मुख्य आरोपित सरबजीत भी पुलिस को पहले दी गई जानकारी से पलट गया है। इसके चलते एसआइटी ने नया एक्शन प्लान तैयार किया है। इसके तहत बॉर्डर से अन्य जत्थों के निहंगों से वीडियो में दिख रहे आरोपितों की पहचान कराने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि एसआइटी की दो टीम लखबीर की हत्या के आरोपित निहंग सरबजीत, नारायण सिंह, भगवंत सिंह और गोविंद सिंह प्रीत से पूछताछ कर रही हैं। एक सप्ताह के रिमांड में जरूरी जानकारी नहीं मिलने पर एसआइटी ने उनका दो दिन का अतिरिक्त रिमांड लिया है। वह सोमवार को पूरा हो रहा है। एसआइटी के अनुसार, जिन साथी निहंगों के साथ वे दस महीने से रुके हुए हैं, अब उनको ही पहचानने से इनकार कर रहे हैं। उनके नाम और पते अलग-अलग बता रहे हैं।

बिमला को 23 गोलियां मारकर मौत के घाट उतारने वाला विक्रम उर्फ पपला दोषी करार, सजा का ऐलान 26 को

नारनौल (एजेंसी) । हरियाणा और राजस्थान पुलिस के लिए सिरदर्द बन चुके गैंगस्टर विक्रम उर्फ पपला को गुर्जर को सोमवार को नारनौल की अदालत ने दोषी करार दिया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर जीवन ने बिमला हत्याकांड की सुनवाई वीडियो कांफ्रेंस के जरिये करने के बाद पपला को दोषी करार दिया है।पपला को 26 अक्टूबर को सजा सुनाई जाएगी। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता ने पपला को फांसी देने की सजा की मांग की है। हालांकि मंगलवार को न्यायाधीश दोषी को फांसी की सजा सुनाएंगे या फिर उमरकैद यह कल ही पता चल सकेगा। बिमला 21 अगस्त 2015 को अपने घर में रात के समय सोई हुई थीं। विक्रम उर्फ पपला के साथियों ने बिमला पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी और 23 गोलियां उसको लगी थी। बिमला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। बिमला अपने पिता श्रीराम व बेटे संदीप की हत्या के मामले में गवाह थी और उसका आरोप था कि ये हत्याएं भी पपला गैंग ने ही की हैं। पपला गुर्जर ने बिमला को राजीनामा के लिए प्रयास किए थे, लेकिन उसने पपला का दबाव नहीं माना था।

मोन (नागालैंड) में अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन का टीकाकरण अभियान चलाया गया

उपायुक्त श्री. थवसीलन के. ने इस अभियान की शुरूआत की

इंदौर (एजेंसी)। द फर्स्ट मिलियन यानी दस लाख सबसे आर्थिक रूप से कमजोर और अति कमजोर भारतीयों को टीका लगाने की एक अनूठी पहल है। नागालैंड राज्य सरकार के सहयोग से मोन और किफिर, नागालैंड की इन दो जिलों से फाउंडेशन अपना अगला चरण शुरू कर रही है। मोन से शुरू होकर अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन अपने मोबिलाइजेशन और आउटरीच पार्टनर्स प्रोडिगल्स होम और एंड टू एंड फैसिलिटेशन पार्टनर कॉमन सर्विस सेंटर (छस्ष्ट) के साथ इस विशिष्ट रूप से डिजाइन किए गए ग्रामीण समुदायों के आउटरीच कार्यक्रम में गरीब तबके के समूहों को प्राथमिकता देगा, जिसमें सरकार द्वारा प्रबंधित सूक्ष्म टीकाकरण बूथों के माध्यम से टीकाकरण किया जाएगा और सभी प्राप्तकर्ताओं को सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार मुफ्त कोविड टीकाकरण प्रदान किया जाएगा। मिशन कोरोना विजय में दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी), प्रवासी मजदूरों के साथ-साथ रेहड़ी-पटरी वाले, यौनकर्मी, आदिवासी आबादी और असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को पांच सबसे कमजोर समूहों के रूप में चिन्हित किया गया है। नागालैंड में आज से द फर्स्ट मिलियन पहल के तहत एक व्यवहार परिवर्तन अभियान शुरू हुआ। इसका उद्देश्य टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना और इसके आसपास झिझक और गलत सूचना के कारक को खत्म करना है । सबसे कमजोर और हाशिए पर रहने वाले दस लाख भारतीयों का टीकाकरण करने की पहल

अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन (एआईएफ) के नागालैंड चैप्टर को उपायुक्त श्री. थवसीलन के. ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भारत के चुनिंदा शहरों में शुरू किए गए द फर्स्ट मिलियन ने अब नागालैंड के 2 चुनिंदा जिलों - मोन और किफिर में इसके कार्यान्वयन और नागालैंड के लिए इसके कार्यान्वयन और आउटरीच पार्टनर - प्रोडिगल्स होम और कॉमन सर्विस सेंटर (छस्ष्ट) के तौर पर अपने पैर जमा लिए है। मोन, नागालैंड का तीसरा सबसे बड़ा जिला, जिसे पूर्वोत्तर का उत्तर-पूर्व भी माना जाता है। कोन्याक नागाओं का घर है, भारत का चौथा सबसे पिछड़ा जिला किफिरे, संगतम, यिमचुंगर और सेमा की नागा जनजातियों का एक समूह है। आदिवासी आबादी पर विशेष जोर देने के साथ, नागालैंड के दो जिले इस पहल का मुख्य फोकस रहेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि टीकाकरण का संदेश देश के सभी कोनों तक रक्षा की एकमात्र पंक्ति के रूप में पहुंचे। विभिन्न सामुदायिक केंद्रों पर वैक्सीन पहुंच को प्राथमिकता देने के अलावा, एआईएफ का उद्देश्य अपने व्यवहार परिवर्तन संचार अभियान - मिशन कोरोना विजय - हर बाजू में ताक़त के माध्यम से वैक्सीन की गलत सूचना और झिझक के विषयों पर जागरूकता बढ़ाना है। इस अभियान के साथ, एआईएफ का लक्ष्य टीकाकरण पंजीकरण चलाने और टीकाकरण के अनुकूल वातावरण को सक्षम करने के लिए लाभार्थियों के बीच व्यवहार परिवर्तन को गति प्रदान करना है। मोबिलाइजेशन पार्टनर्स के रूप में प्रोडिगल्स होम जागरूकता पैदा करने का नेतृत्व करेगा और नागालैंड के लक्षित जिलों में सबसे अधिक वंचित और हाशिए पर रहने वाली आबादी जैसे विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी), प्रवासी मजदूरों सहित स्ट्रीट वेंडर, कमजोर महिलाओं और आदिवासी आबादी के साथ लगातार जुड़ेगी, जबकि सीएससी एनजीओ के साथ-साथ पंजीकरण की सुविधा, कमजोर आबादी के लिए प्राथमिकता वाले टीकाकरण स्लॉट हासिल करने और व्यक्तिगत समर्थन के माध्यम से कई पहुंच मुद्दों को हल करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। लॉन्च के अवसर पर श्री. थवसीलन के. उपायुक्त, मोन-नागालैंड ने बताया कि पिछले दो वर्षों में, वायरल कोरोनवायरस ने लॉकडाउन लागू किया है, जिसने स्थानीय आबादी, विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। जबकि नागालैंड सरकार ने चिकित्सा बुनियादी ढांचे में वृद्धि क्षमता और लचीलापन बनाने और टीकों तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक रूप से काम किया है, फिर भी मिथकों का माहौल, जागरूकता की कमी और टीकाकरण के प्रति झिझक का रवैया है। हमने राज्य में लगभग 36.6त्न टीकाकरण पूरा कर लिया है, लेकिन अभी भी टीके के प्रति संदेह का सामना करना पड़ रहा है, खासकर वृद्धावस्था में। एआईएफ के साथ राज्य का सहयोग, जो एक समान लक्ष्य की कल्पना करता है, केवल नागालैंड के टीकाकरण संख्या को तेजी से ट्रैक करेगा। जबकि राज्य के शहरी क्षेत्रों में टीकाकरण की स्वीकृति तुलनात्मक रूप से बेहतर है, एआईएफ के प्रयास वास्तव में ग्रामीण और आंतरिक नागालैंड के कमजोर और हाशिए के समुदायों की सहायता के लिए आएंगे। एआईएफ के कंट्री डायरेक्टर श्री मैथ्यू जोसेफ ने सहयोग पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, इक्विटी और समावेशिता हमेशा अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन का मुख्य फोकस रहा है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि समाज के विभिन्न वर्गों में रहने वाले समुदायों को हमारी पहल के माध्यम से लाभ मिले। हमारे सभी उपायों का उद्देश्य हाशिये पर मौजूद लोगों को सशक्त बनाना है।

हरियाणा में पेंशन पर आंदोलन की तैयारी में कर्मचारी, इन 10 बिंदुओं में समझें नई व पुरानी पेंशन स्कीम में अंतर

चंडीगढ़ (एजेंसी) । हरियाणा में सरकारी कर्मचारियों के सबसे बड़े संगठन सर्व कर्मचारी संघ ने पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने की रूपरेखा तैयार कर ली है। आंदोलन की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए संघ ने पहली नवंबर को कर्मचारी भवन रोहतक में एनपीएस कर्मियों का राज्यस्तरीय सम्मेलन बुलाया है। इस सम्मेलन में सभी विभागों, बोर्डो, निगमों, विश्वविद्यालयों, नगर निगमों, परिषदों, पालिकाओं की यूनियन एवं एसोसिएशन में कार्यरत एनपीएस के कर्मचारियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के अध्यक्ष सुभाष लांबा व महासचिव सतीश सेठी ने बताया कि सरकारी कर्मचारियों के लिए नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) के विरोध मे कर्मचारियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। कई राज्यों में कर्मचारियों के वेतन से काटी जाने वाली राशि को जमा नहीं कराया जा रहा, जिसमें बड़े घोटाले की आशंका है। इसी कारण सातवें वेतन आयोग ने भी एनपीएस को समाप्त कर कोई अन्य बेहतर पेंशन स्कीम लागू करने की सिफारिश की थी, लेकिन सरकार ने इसे अनदेखा कर दिया।

सुभाष लांबा के अनुसार केंद्र में यह स्कीम जनवरी 2004 से लागू की गई, जबकि हरियाणा में जनवरी 2006 से लागू है। योजना के तहत कर्मचारियों को अंशदान के मुताबिक ही पेंशन मिलेगी। वेतन से प्रतिमाह 10 प्रतिशत राशि की कटौती के बाद इतनी ही राशि सरकार जमा कराएगी। सेवानिवृति पर इस राशि का 40 प्रतिशत ग्रेच्युटी के रूप में दे दी जाएगी। बाकी राशि को शेयर बाजार में लगाया जाएगा। बाजार के उतार-चढ़ाव के हिसाब से पेंशन का निर्धारण होगा। इसके लिए बकायदा पेंशन फंड रेगुलेटरी डेवलपमेंट अथारिटी (पीएफआरडीए) का गठन किया गया है। आल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट इंम्पलाइज फेडरेशन, एसटीएफआइ, केंद्रीय कर्मचारियों एवं उनकी कान्फेडरेशन के द्वारा किए गए आंदोलन के दबाव में एनपीएस में कुछ संशोधन हुए हैं, लेकिन सरकार इसे रद नहीं कर रही है। सतीश सेठी ने बताया कि लोकसभा चुनाव से पूर्व 2019 में केंद्र सरकार ने सरकारी अंशदान को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया था, लेकिन हरियाणा सरकार ने अभी तक यह बढ़ोतरी नहीं की है, जिस कारण प्रत्येक कर्मचारी को औसतन एक हजार रुपये का नुकसान प्रति माह हो रहा है। सुभाष लांबा व सतीश सेठी के अनुसार निरंतर आंदोलन के कारण ही 20 लाख रुपये डीसीआरजी व कई आवश्यक कारणों में निकासी का प्रविधान हो पाया है। आंदोलन के कारण ही एनपीएस कर्मचारी की एक्सीडेंटल मृत्यु पर एनपीएस की राशि जमा करवाने के उपरांत आश्रित को पुरानी पेंशन के तहत पेंशन मिलने का प्रविधान हुआ है। उन्होंने दो टूक कहा कि कर्मचारियों की मांग एनपीएस रद कर पुरानी पेंशन बहाली की है और जब तक यह मांग पूरी नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

पराली जलाने पर 15,000 रुपये जुर्माने का प्रावधान, फिर भी नहीं डर रहे मोहाली के किसान, 8 पर हुई कार्रवाई

मोहाली (एजेंसी) । पराली जलाने पर रोक के बावजूद मोहाली जिले में खूब पराली जल रही है। जिले में किसानों ने पराली जलाना बंद नहीं किया है। मोहाली में लगभग 25,800 हेक्टेयर भूमि पर धान की खेती होती है। 1.29 लाख क्विंटल फसल अवशेष निकलता है। पराली को जलाने से रोकने के लिए जो टीमों को एटीआर मोबाइल एप का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। ताकि पराली जलाने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। हालांकि की किसान पराली न जलाएं इसको लेकर प्रशासन और पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड (पीपीसीबी) की ओर से अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन अक्टूबर में जिले में पराली जलाने के अब तक आठ मामले सामने आ चुके हैं। पराली जलाने पर प्रशासन के निर्देशों का उल्लंघन करने वालों पर 2,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ जमीन रिकॉर्ड में रेड एंट्री दर्ज की गई है। ध्यान रहे कि जिस

किसान के जमीन के रिकॉर्ड में लाल एंट्री दर्ज हो जाती है वे किसी भी सरकारी सुविधा या किसी संस्थान से ऋण के लिए योग्य नहीं रहता। प्रशासन की ओर से 2 एकड़ से कम खेत में आग लगने पर 2,500 का चालान किया जाता है। 2 से 5 एकड़ में जुर्माना 5,000 और 5 एकड़ से अधिक पर 15,000 का जुर्माना लगाया जाता है। डीसी मोहाली ईशा कालिया का कहना है कि किसान पराली न जलाए इसको लेकर लगातार जागरूकता अभियान जारी है। इसका असर भी देखने को मिल रहा है। उम्मीद है कि पिछले सालों की तुलना में इस साल पराली जलाने के मामलों में कमी आएगी। जिला मोहाली में 2020 में, 35 किसानों पराली जलाने पर 90,000 का जुर्माना लगाया गया था। 54 एफआइआर दर्ज की गई थी।

मोहाली एयरपोर्ट रोड पर पीटीआइ शिक्षकों का धरना, कई किमी लंबा जाम, पुलिस के मनाने पर भी नहीं माने

मोहाली (एजेंसी) । मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे पीटीआइ शिक्षकों ने सोमवार को मोहाली के एयरपोर्ट रोड पर जाम लगा दिया। मांगे पूरी न होने के विरोध में शिक्षक सड़क के बीचों बीच बैठ गए, जिसके चलते एयरपोर्ट रोड पर वाहनों की आवाजाही रुक गई और कई किमी लंबा जाम लग गया। गुस्साए शिक्षक करीब 12 बजे एयरपोर्ट रोड पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। सड़क पर बैठे शिक्षकों के बारे में सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। शिक्षकों के धरने के वजह से लगे जाम को खुलवाने के लिए पुलिस ने कई प्रयास किए गए लेकिन शिक्षक नहीं माने। गुरुद्वारा सिंह शहीदां के पास शिक्षक सड़क पर बैठ गए। ध्यान रहे कि पिछले करीब पंद्रह दिनों से चार पीटीआइ शिक्षक पानी की टंकी पर भूखहड़ताल बैठे हुए हैं। शिक्षकों की मांग है कि जब तक 646 बेरोजगार पीटीआइ शिक्षकों को मेरिट सूची के आधार पर नियुक्ति पत्र जारी नहीं कर दिए जाते तब तक उनका प्रदर्श जारी रहेगा। 2011 से सरकारी नौकरी की नियुक्ति को लेकर दर-दर भटक रहे बेरोजगार पीटीआइ टीचर यूनियन के सदस्यों ने एयरपोर्ट रोड पर स्थित गांव सोहाना के पास धरना लगाकर पक्का मोर्चा लगाया हुआ है। शिक्षकों का आरोप है कि सरकार बात नहीं कर रही।

चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव : व्यापार मंडल, फासवेक और क्राफ्ड पदाधिकारी भी लड़ेंगे चुनाव, टिकट के लिए लाबिंग शुरू

चंडीगढ़ (एजेंसी) । चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित करने के बाद हर दल को गुटबाजी का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि इस बार हर वार्ड में हर दल के

छह से ज्यादा दावेदार टिकट मांग रहे हैं। ऐसे में चुनाव के बाद ऐसे नाराज नेताओं को मनाने के लिए अलग से सीनियर नेताओं को मेहनत करनी होगी। इसलिए हर पार्टी का प्रयास है कि नामांकन से पहले ही उम्मीदवारों की सूची जारी की जाए। इस बार निगम चुनाव में 35 वार्ड में 300 से ज्यादा उम्मीदवारों के मैदान में आने की उम्मीद है। कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी अभी से संभावित उम्मीदवारों के नाम का मंथन कर रही है। इस बार शहर के अहम संगठन जिनमें व्यापार मंडल, क्राफ्ड और फासवेक भी अपने अपने पदाधिकारियों के लिए राजनीतिक दलों से टिकट मांग रहे है। हालांकि यह संगठन खुद को गैर राजनीतिक होने का दावा करते हैं। व्यापार मंडल भी अध्यक्ष चरणजीव सिंह के लिए भाजपा से टिकट की मांग कर रहा है। फासवेक भी अध्यक्ष बलजिंदर सिंह बिट्टू के लिए कांग्रेस से टिकट के लिए लाबिंग कर रहा है।

वहीं, क्राफ्ड के वाइस चेयरमैन सुरेंद्र शर्मा भी इस बार चुनाव लड़ने की इच्छा जता रहे हैं। इसके अलावा शहर के अन्य संगठन भी अपने अपने पदाधिकारी के लिए लाबिंग कर रहे हैं। इसलिए ही कांग्रेस ने संगठनों के साथ साथ रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशनों को भी टिकट के लिए आवेदन करने की छूट दी है।

व्यापार मंडल के अध्यक्ष चरणजीव सिंह इस समय मनोनीत पार्षद के पद पर है। व्यापार मंडल के महासचिव संजीव चड्ढा के अलावा कमलजीत पंछी भी चुनाव लड़ने के लिए टिकट का प्रयास कर रहे हैं। संजीव चड्ढा भाजपा से लंबे समय से जुड़े हुए हैं वह कई साल पहले भाजपा युवा मोर्चा के लिए भी काम कर चुके हैं। इसलिए उन्हें सेक्टर-18,19 और 21 की सीट से भी भाजपा टिकट का दावेदार बताया जा रहा है।

कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन राउत ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी की केंद्र की सरकार दलित के रिजर्वेशन का कोटा समाप्त करने की बहुत बड़ी साजिश रच रही है। जिसे हम कामयाब नहीं होने देंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन कुमार बंसल और सुभाष चावला कहा है कि टिकट के दावेदार हर वार्ड में कई हैं लेकिन टिकट किसी एक को ही मिलेगी इसलिए जिसको टिकट नहीं मिलता है वह भी पार्टी के उम्मीदवार को जिताने के लिए एक जुट होकर काम करे ताकि भाजपा को पूरी तरह से नगर निगम से सफाया किया जा सके।

जींद में ग्रामीणों ने प्रशासनिक अमले पर किया पथराव, नायब तहसीलदार व एसडीओ जख्मी

जींद (एजेंसी)। जींद के गांव बराड़ खेड़ा के खेतों से बरसाती पानी की निकासी के लिए बुआना के खेतों में लगा साइफन खोलने गए प्रशासनिक अमले का ग्रामीणों से टकराव हो गया। प्रशासनिक अमला साइफन को खोलने लगा तो किसान जयभगवान पेड़ पर चढ़ गया और पायजामे का फंदा लगा लिया। जुलाना थाना प्रभारी समरजीत सिंह व ग्रामीणों ने पेड़ पर चढ़कर किसान को उतारा और उसे अस्पताल में दाखिल कराया। जहां पर उसकी हालात खतरे से बाहर है।

वहीं किसान के फांसी लगाते देख गांव बुआना के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और ग्रामीणों ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार प्रदीप, सिंचाई विभाग के सब डिविजन आफिसर (एसडीओ) जितेंद्र पर लाठियों से हमला कर दिया। पुलिस ने बीच-बचाव किया तो आक्रोशित ग्रामीणों ने उन पर भी पथराव कर दिया। इसमें जुलाना थाना प्रभारी समरजीत व दूसरे पुलिसकर्मियों को चोटें आई। घटना के बाद बुआना के ग्रामीणों ने किनाना गांव में जींद-रोहतक मार्ग पर जाम लगा दिया और कहा कि वह किसी भी हालत में बुआना गांव की ओर पानी की निकासी नहीं होने देंगे।

सत्ता के गलियारे से ऐलनाबाद उपचुनाव में बिना पर्ची-बिना खर्ची नौकरी का डंका

चंडीगढ़ (एजेंसी) । सत्ता के गलियारे से हरियाणा की मनोहर सरकार के बिना पर्ची-बिना खर्ची यानि बिना सिफारिश- बिना रिश्वत के नौकरी देने के नारे का डंका ऐलनाबाद उपचुनाव में भी खूब बज रहा है। इस उपचुनाव की कवरेज के लिए यू-ट्यूबर्स की बाढ़ आई हुई है। जना-जना मोबाइल, कैमरा और माइक हाथ में लेकर पत्रकार बना घूम रहा है। चुनाव लड़ने वाले और प्रचार कर रहे नेता भी उन्हें अपनी-अपनी जरूरत के हिसाब से गले लगा रहे हैं। जिस यू-ट्यूबर्स को जो नेता रास आ जाता है, उसकी जय-जयकार होने लगती है। एक यू-ट्यूबर्स के जरिये ऐलनाबाद के ढूकड़ा गांव की सच्चाई सामने आई। गांव वाले कैमरे पर बोल रहे हैं कि ढूकड़ा के 39 छोरे-छोरियों को बिना एक भी पैसा दिए सरकारी नौकरियां मिली हैं। लोग इस बात से बेहद खुश हैं और कहते हैं कि ऐसा पहली बार हुआ है कि बिना पर्ची और बिना खर्ची गांव के बच्चों को सरकारी रोजगार मिल गए। अब भाजपा, जजपा व हलोपा गठबंधन के नेताओं के ऊपर है कि वह

मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार के इस अहम फैसले को कैसे कैश कर पाते हैं। ताऊ देवीलाल के कुल के एक चिराग हैं आदित्य देवीलाल चौटाला। वह आजकल भाजपा में हैं। अपने नाम के साथ देवीलाल और चौटाला इसलिए लगाते हैं, ताकि राजनीति का माइलेज मिलता रहे। हालांकि उन्होंने अपने नाम के साथ देवीलाल और चौटाला हाल-फिलहाल नहीं लगाया। बहुत पहले से है, शुरू से है। ऐलनाबाद के रण में उम्मीद कर रहे थे कि भाजपा उन्हें अपना उम्मीदवार बनाएगी। भाजपा ने उन्हें सिरसा जिले के प्रधान पद की जिम्मेदारी भी सौंप रखी है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा काम नहीं करने के रवैये से आहत आदित्य देवीलाल कई बार इंटरनेट मीडिया पर उनके प्रति अपनी नाराजगी का जबरदस्त तरीके से इजहार कर चुके हैं। इसके बावजूद अफसरों के रवैये में सुधार हुआ हो, ऐसा नजर नहीं आता। आदित्य देवीलाल चौटाला ने हाल ही में अपने हलके के लोगों को कह दिया कि तीन कृषि कानून रद नहीं होंगे। थम राबड़ी पीकै सो जाओ बस...। यानी वोट दो तो ठीक, न दो तो ठीक, लेकिन कानून वापस नहीं होंगे।

फा.सं. 2/(30) 2016-पी एण्ड एल

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

नीति एवं विधि प्रभाग

लेवल- III, जल विंग, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, अलीगंज, नई दिल्ली-110 003

वरिष्ठ परामर्शी (विधिक) की नियुक्ति करने हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित करने का नोटिस

विषय : पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में संविदा के आधार पर वरिष्ठ परामर्शी विधिक की नियुक्ति करने हेतु विज्ञापन

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के नीति एवं विधि प्रभाग के तहत विधिक निगरानी प्रकोष्ठ में 1,25,000/- रुपए के समेकित मासिक पारिश्रमिक के भुगतान पर एक (01) वरिष्ठ परामर्शी (विधिक) की नियुक्ति करने हेतु आवेदन - पत्र आमंत्रित किए जाते हैं।

2. आवेदन प्रपत्र के साथ विज्ञापन का पूर्ण ब्यौरा मंत्रालय की वेबसाइट www.moef.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। पात्र अभ्यर्थी अपना आवेदन विज्ञापन में विहित प्रपत्र में समस्त समर्थक दस्तावेजों के साथ निम्नलिखित पते पर प्रेषित करें :

निदेशक,
नीति एंव विधि प्रभाग, लेवल- III, जल विंग,
इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, अलीगंज,
नई दिल्ली - 110 003.

समस्त समर्थक दस्तावेजों के साथ विधिवत् भरे हुए आवेदन-पत्र की एक सॉफ्ट कॉपी भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर ई-मेल आईडी policyandlaw-mef@gov.in पर प्रेषित की जाए।

3. समर्थक दस्तावेजों के साथ विहित प्रपत्र में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 15 नवंबर, 2021 है।

davp 13101/11/0013/2122

एक नज़र

बिहार में लालू प्रसाद यादव को लेकर बड़ी खबर, बुधवार को तारापुर व कुशेश्वरस्थान में करेंगे चुनावी सभाएं

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा उपचुनाव को लेकर यह बड़ी खबर है। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव बुधवार को तारापुर व कुशेश्वरस्थान में चुनावी सभाएं करेंगे। लालू प्रसाद यादव रविवार की शाम दिल्ली से पटना पहुंचे। बिहार आने के पहले दिल्ली में हीं उन्होंने उपचुनाव में प्रचार करने का संकेत दिया था। विदित हो तारापुर व कुशेश्वरस्थान की दोनों सीटों पर आरजेडी द्वारा अपने प्रत्याशी उतारने के कारण कांग्रेस ने भी दोनों सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारते हुए महागठबंधन छोड़ दिया है। ऐसे में लालू अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के जनता दल यूनाइटेड प्रत्याशियों के साथ-साथ कांग्रेस के प्रत्याशियों के खिलाफ भी चुनाव प्रचार करते नजर आएंगे।

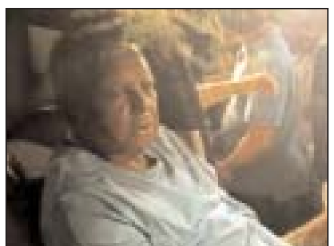

आरजेडी सूत्रों के अनुसार लालू प्रसाद यादव अगले बुधवार को तारापुर व कुशेष्वरस्थान विधानसभा सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में आरजेडी प्रत्याशियों के लिए जनसभाएं करेंगे। विधानसभा उपचुनाव को लेकर लालू के बिहार आने की चर्चा लंबे समय से हो रही थी। बीच में राबड़ी देवी ने लालू के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए इसकी संभावना से इनकार कर दिया था। लेकिन रविवार को उनके पटना आने के साथ इसपर छाए सस्पेंस से पर्दा उठ गया। खुद लालू ने भी पटना आने के पहले दिल्ली में कहा था कि वे उपचुनाव में जनसभाएं कर सकते हैं। लालू लंबे समय बाद बिहार में हैं। लंबे समय बाद उनकी चुनावी जनसभाएं भी हो रहीं हैं। लालू अभी बीमार हैं। ऐसे में अपने ठेठ अंदाज में विरोधियों पर हमलावर होते रहे लालू का पुराना अंदाज कितना दिखता है, इसपर सबों की नजरें टिकीं हैं। हालांकि, आने के साथ हीं कांग्रेस के बिहार प्रभारी भक्त चरण दास को भकचोन्हर (स्थानीय भाषा में बेवकूफ) कहकर राजनीति गरमा दी है। बिहार विधानसभा उपचुनाव की तारापुर व कुशेश्वरस्थान की सीटों में से कुशेश्वरस्थान सीट पर कांग्रेस का दावा था, जिसे दरकिनार कर आरजेड ने दोनों जगह अपने प्रत्याशी दे दिए। इसके कांग्रेस और आरजेडी के संबंध लगातार खराब होते गए। अंतत~ कांग्रेस ने महागठबंधन छोड़ दिया। अब कांग्रेस भी दोनों सीटों पर चुनाव लड़ रही है। ऐसे में लालू जेडीयू के साथ-साथ कांग्रेस पर भी हमलावर रहेंगे।

बीपीएसएससी ने घोषित की दारोगा व सार्जेंट लिखित परीक्षा की तिथि

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग (बीपीएसएससी) ने राज्य में दारोगा व सार्जेंट की नियुक्ति के लिए होने वाली लिखित परीक्षा की तिथि रविवार को घोषित कर दी है। राज्य में 1998 पुलिस अवर निरीक्षक (पीएसआइ) और 215 प्रारक्ष अवर निरीक्षक (परिचारी) की नियुक्ति के लिए वर्ष 2020 में विज्ञापन जारी किया गया था। इसमें पीएसआइ में 683 पद और सार्जेंट में 76 पद महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण के तहत सुरक्षित हैं। इसके लिए सितंबर 2020 तक आनलाइन आवेदन लिए गए थे। अब संयुक्त प्रारंभिक लिखित परीक्षा 26 दिसंबर 2021 को आयोजित की जाएगी। इसके लिए राज्य के विभिन्न जिलों में परीक्षा केंद्र चयन की प्रक्रिया की जा रही है। परीक्ष दो पालियों में आयोजित की जाएगी। इसमें सफल अभ्यर्थियों की मुख्य परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके बाद शारीरिक परीक्षण जांच आयोजित किया जाएगा। प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा दोनों वस्तुनिष्ठ होगी। प्रारंभिक परीक्षा 200 अंकों की होगी। इसमें 100 प्रश्नों के जवाब दो घंटे में देने होंगे। इसके आधार पर पद से 20 गुना अधिक अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। मुख्य परीक्षा भी 200 अंकों की होगी, इसमें 100 प्रश्नों के जवाब दो घंटे में देने होंगे। दोनों परीक्षाओं में पांच गलती पर एक अंक सही में से काट लिए जाएंगे। मुख्य परीक्षा के आधार पर छह गुणा अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। उन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा।

वैशाली में लड़की के साथ घर में घुसकर छेड़खानी, विरोध करने पर बदमाशों ने किया चाकू से हमला

हाजीपुर(वैशाली) (एजेंसी)। वैशाली के हाजीपुर में घर में घुसकर लड़की के साथ छेड़खानी की गई। खबर के मुताबिक गोरौल थाना अंतर्गत नाबालिग लड़की से छेड़खानी का विरोध करने पर पीड़ित लड़की के साथ परिवार के सात सदस्यों को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। वहीं घटना के बाद घायल पीड़ित लड़की के साथ उसके सभी स्वजनों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में गांव के ही छह लोगों पर चाकू मारकर घायल करने का आरोप है। घटना के संबंध में पीड़ित लड़की का कहना है कि वो सोमवार को जब घर में अकेली थी उसी दौरान आरोपित बिट्टू पासवान अपने कुछ दोस्तों के साथ अचानक घर पहुंच गया। घर में घुसने के बाद आरोपित बिट्टू पासवान ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर छेड़खानी करने लगा।

पीड़ित लड़की का यह भी आरोप है कि बदमाशों ने उसे अगवा करने की भी कोशिश की। पीड़ित लड़की की आवाज सुनकर जब घर के लोगों ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने चाकू से हमला करना शुरू कर दिया। आरोपितों ने एक एक कर पीड़ित लड़की के साथ उसके भाई और उसके पिता समेत परिवार के सात लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में सभी घायल हो गए। वहीं पीड़ित लड़की का यह भी कहना है कि आरोपितों ने पिस्टल से जान मारने की कोशिश भी की। सभी को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां सभी का इलाज चल रहा है।घर के लोगों को बुरी तरह जख्मी करने के बाद आरोपित फरार हो गए। इधर, पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की पूरी छानबीन की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस घटना में शामिल बदमाशों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पटना में होटल के बंद कमरे में छह लोगों के साथ युवती कर रही थी शराब पार्टी, पुलिस पहुंची तो हुआ यह हाल

पटना (एजेंसी)। शराबबंदी के बाद राजधानी पटना के एक होटल में शराब पार्टी चल रही थी। लेकिन पुलिस उन लोगों तक पहुंच पाती इससे पहले शराब पार्टी करने वाले फरार हो गए हैं।पाटलिपुत्र कालोनी स्थित होटल पैराडाइज में शराब पार्टी मामले में पाटलिपुत्र थाना पुलिस शराब पार्टी करने वाले फरार लोगों की तलाश में छापेमारी कर रही है। बर्थ डे पार्टी के दौरान होटल में शराब परोसी जा रही थी। इस दौरान एक युवती सहित छह लोग मौजूद थे। होटल में चल रही शराब पार्टी की सूचना पुलिस को मिली लेकिन जबतक पुलिस होटल के कमरे तक पहुंच पाती वे लोग फरार हो गए। पुलिस छानबीन में इस मामले में होटल प्रबंधक की लापरवाही की बात सामने आई है।जिन लोगों ने पार्टी का आयोजन किया था, होटल के रजिस्टर में उनका नाम तक दर्ज नहीं किया गया है। लिहाजा, इस मामले में होटल के गार्ड मुकेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, पुलिस ने होटल मालिक, प्रबंधक सहित तीन पर नामजद जबकि अन्य पांच अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। होटल मालिक व कर्मियों की भी पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बहुत जल्द आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बिहार में 15 साल मौका मिला तो पति-पत्नी की सरकार ने परिवार की सेवा की, मुख्यमंत्री बोले-अब पेपर में दे रहे स्टेटमेंट

दरभंगा (एजेंसी)। बिहार की जनता ने जबसे काम करने का मौका दिया है, तबसे लगातार विभिन्न क्षेत्रों के लिए काम करते आ रहे हैं। बिहार में पति-पत्नी की भी सरकार थी। उनसे पूछिए जब हमने काम करने का मौका दिया तो क्या किया। केवल अपना काम किया। परिवार के लिए काम किया। जनता को सुध तक लेना जरुरी नहीं समझा। 15 साल जनता को उनसे हाल पर छोड़ दिया। हर प्रकार से कोशिश हैं कि यहां के लोगों को बाढ़ से मुक्ति मिले। उपरोक्त बातें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कही। वे सोमवार को कुशेश्वरस्थान के धबौलिया में एनडीए से जदयू प्रत्याशी अमन भूषण हजारी के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। कहा- आजकल कुछ लोग पेपर में स्टेटमेंट दे रहे है। अरे भाई, आपके परिवार की जब सरकार थी तो आपने परिवार ने इस इलाके को क्या दिया। यह भी जनता को चुनाव के वक्त आने वाले विपक्षियों से पूछना चाहिए। वर्ष 2005 से जब से प्रदेश में एनडीए के नेतृत्व में सरकार बनी, उसी वक्त से एक-एक चीज पर कार्य करना शुरू किया। सीएम ने कहा कि हमलोगों के ऊपर बहुत लोग आरोप लगाते रहते है, लेकिन हम अपने काम पर ध्यान देते है। इस इलाके की बहुत सारी समस्याएं है। सबके निराकरण की दिशा में काम किया जा रहा है। काम को पूरा होने में वक्त लगता है। आरजेडी पर कटाक्ष करते कहा कि उनसे पूछिए कि क्या 15 साल पूर्व इस इलाके में बाढ़ नहीं आता था। कहा थे। क्या काम किया।

अभी बाढ़ और सड़कों को लेकर बयान दे रहे है। सरकार की नजर एक-एक विकास कार्यो में है। एक भी काम को नहीं छोड़ा जाएगा। हम वादा करते हैं चुनाव के बाद फिर से इस इलाके का दौरा करेंगे। छूटे हुए काम को पूरा करेंगे। हमको याद हैं, इसी दरभंगा में बाढ़ के दौरान जब हमने एक-एक क्विंटल अनाज दिया था तो लोग हमें क्विंटलिया बाबा बुलाने लगे। इसको हम आजीवन नहीं भूल सकते। कहा कि कुशेश्वरस्थान को बाढ़ से मुक्त करने की दिशा में जल संसाधन विभाग कार्य योजना पर काम कर रहा है। कहा कि सुदूर क्षेत्र के लोगों को हर प्रकार की सुविधा मिले, उस दिशा में भी काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि यह हमारी इच्छा थी कि दरभंगा में एम्स बने। हम कितना पीछे पड़े रहे। तब निर्णय हुआ। सीएम ने कहा कि कुछ लोगों को काम में नहीं, कमाई में दिलचस्पी है। कहा कि जो काम कर रहे है, उसका लाभ लोगों को जरूर मिलेगा। सभा को केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस, राज्यसभा सदस्य रामनाथ ठाकुर, समस्तीपुर के सांसद प्रिंस राज, वैशाली की सांसद वीणा देवी, शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी, जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा, समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जीवेश कुमार, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद संजय जायसवाल, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, नगर विधायक संजय सरावगी, एलएलसी अर्जुन सहनी आदि ने संबोधित किया।

लैंक्सेस इंडिया अब ग्रेट प्लेस टू वर्क से प्रमाणित

ओपन सर्च.ब्यूरो

मुंबई। अग्रणी स्पेशियल्टी केमिकल्स कंपनी लैंक्सेस इंडिया को ग्रेट प्लेस टू वर्क0 इंस्टिट्यूट ने अक्टूबर 2021 से लेकर अक्टूबर 2022 के लिये भारत में ग्रेट प्लेस टू वर्क-सर्टिफाइडइ (शानदार कार्यस्थल - प्रमाणित) का खिताब दिया है। यह प्रमाणन उच्च-विश्वास, उच्च-प्रदर्शन संस्कृतिइ बनाने और सभी कर्मचारियों को उत्कृष्ट अनुभव देने के इस कंपनी के प्रयासों का सम्मान है।

ग्रेट प्लेस टू वर्क कार्यस्थल की संस्कृति पर आधारित वैश्विक प्राधिकरण है। वर्ष 1992 से उन्होंने दुनियाभर में 100 मिलियन से ज्यादा कर्मचारियों का सर्वे किया है और गहन जानकारी प्राप्त कर यह परिभाषित किया है कि विश्वास से ही एक अच्छा कार्यस्थल बनता है। उनका इम्प्लॉई सर्वे प्लेटफॉर्म बिजनेस लीडर्स को फीडबैक, रियल-टाइम रिपोर्टिंग और ऐसी जानकारियाँ देता है जो उन्हें लोगों के मामले में रणनैतिक फैसले करने के लिये चाहिये। यह इंस्टिट्यूट 60 से ज्यादा देशों में व्यवसायों, लाभ-निरपेक्ष और सरकारी एजेंसियों को सेवा प्रदान करता है और इसने तीन दशकों से ज्यादा समय तक अच्छे कार्यस्थलों की विशेषताओं पर अग्रणी शोध किया है।

इस सफलता पर अपनी बात रखते हुए लैंक्सेस इंडिया के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, नीलांजन बनर्जी ने कहा कि, हम सभी के लिये यह अत्यंत गर्व करने का क्षण है। बतौर एक कंपनी, हम लगातार स्तर को ऊँचा करने में यकीन रखते हैं और अपने कर्मचारियों के लिये एक भरोसेमंद और अच्छा कार्यस्थल बनाने हेतु प्रतिबद्ध हैं।

इस सम्मान के लिये हम आभारी हैं और ग्रेट प्लेस टू वर्क-सर्टिफाइडइ कंपनी बनकर हमें बेहद खुशी हो रही है। भारत में यह इंस्टिट्यूट हर साल 22 उद्योगों की 1100 से ज्यादा कंपनियों के साथ भागीदारी करता है, ताकि हाई-ट्रस्ट, हाई-परफॉर्मेंस कल्चरइ बनाकर स्थायी व्यावसायिक परिणाम देने में उनकी मदद कर सके।

महंगाई ने तोड़ी सासाराम के लोगों की कमर, सब्जी से लेकर रसोई गैस तक के बढ़े दाम : जनता परेशान

सासाराम (एजेंसी)। त्योहार के सीजन में महंगाई की मार से आम आदमी की हालत पतली हो रही है। पेट्रोल-डीजल से लेकर रसोई गैस और खाने-पीने के समान की कीमत लगातार बढ़ रही है। महंगाई का सीधा असर आम आदमी के जेब पर पड़ रहा है। आम आदमी को अब आने वाली दीवाली से लेकर छठ पूजा के बीच पडने वाले त्योहार की चिंता सताने लगी है। कम आमदनी वाले लोग खुशियों व परंपरा के इस त्योहार को कैसे मनाएंगे इसे ले उनकी परेशानी बढ़ गई है। सब्जी से लेकर सरसों तेल की बढ़ी कीमत के कारण खाने की थाल से कई व्यंजन अब गायब होने लगे है। बाजार में हरी सब्जी की कीमतों में भी काफी इजाफा होने से आम आदमी परेशान दिख रहा है। बाजार में हरी सब्जी की औसतन कीमत 60 रुपये प्रति किलो तक जा पहुंची है। परवल, भिंडी, बैंगन, नेनुआ, हरा केला समेत कई अन्य सब्जियों की कीमत औसतन कीमत 60 रुपये के आसपास है। हरा धनिया भी 300 से 400 रुपए और हरा मटर भी 200 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। गोला सब्जी मंडी के थोक

विक्रेता राशीद राइन बताते है कि भारी बारिश की वजह बाजार में इनकी आवक घटी है और पेट्रोल-डीजल के दामों में बेहताशा बढ़ोत्तरी भी इसकी बड़ी वजह है। शहर में टमाटर का भाव 60 से 65 रुपये किलो तक पहुंच गया है जबकि 15 दिन पहले इसका भाव 40 रुपये किलो था। टमाटर के साथ-साथ परवल का भाव 60 रुपए को पार हो गया है। बैंगन जैसी सब्जी भी 60 रुपये किलो और पुराना आलू 20 रुपये किलो तो नया आलू 40 रुपए प्रति किलो के भाव बिक रहा है। मौसमी सब्जी फूल गोभी प्रति पीस 50 से 60 रुपये की दर से बिक रही है। घर का बजट बिगाड़ने में अब रसोई गैस भी पीछे नहीं है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत एक हजार के आसपास पहुंच गया है। अधिवक्ता हेमंत सिंह बताते है कि एक जनवरी 2021 से लेकर एक अक्टूबर 2021 तक प्रति सिलेंडर कीमत में 193 रुपये का इजाफा हुआ है। उज्ज्वला योजना के नाम पर दिए गए गरीबों के कनेक्शन का अब सिलेंडर खरीदना उनके बूते से बाहर हो रहा है।

बिहार में जहरीली शराब पीकर चार लोग मरे, सिवान के गुठनी में मचा हड़कंप: डीएम बोले- रिपोर्ट का इंतजार कीजिए

सिवान (एजेंसी)। बिहार क्राइमः बिहार के सिवान जिले से बड़ी खबर आ रही है। यहां गुठनी थाने क्षेत्र के दो गांवों के चार लोगों की संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। मृतकों के स्वजनों का कहना है कि ये चारों लोग शराब पीने के आदी थे। गांव में शराब बिकती है और आसानी से उपलब्ध है। स्वजनों ने साफ तौर पर कहा है कि रविवार की रात ये लोग शराब पीने गए थे। इसके बाद ही इनकी मौत हुई है। आशंका यह जताई जा रही है कि शराब जहरीली हो गई थी। डीएम अमित कुमार पांडेय ने कहा है कि सभी चार लोगों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसके बाद मौत की सही वजह सामने आएगी। मामले में अगर शराब का एंगल सामने आता है तो प्रशासन अपनी कार्रवाई करेगा। एसपी अभिनव कुमार ने बताया कि अगल-बगल के तीन थानों की पुलिस सर्च अभियान चला रही है। इस घटना के बारे में हम विस्तृत जानकारी जुटा रहे हैं। पूरी जानकारी के लिए खबर को रिफ्रेश करते रहें। सोमवार की सुबह जिले में इस बात की भी चर्चा चली कि चारों लोग पंचायत चुनाव जीतने वाले एक प्रत्याशी का भोज खाकर बीमार पड़े। हालांकि, खुद मृतकों के स्वजन इस बात से इनकार कर रहे हैं। मरने वालों में शिवजी यादव, मनोज राम, अनवर मियां और

दुखरन राम शामिल हैं। इनके स्वजनों ने घटना का पंचायत चुनाव से कोई ताल्लुक नहीं होने की बात कही है। मरने वाले में तीन लोग बेलौरी गांव के, जबकि एक बेलौर गांव का रहने वाला है। ये दोनों गांव अगल-बलग में हैं। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। सिवान के डीएम अमित कुमार पांडेय ने बताया कि जब तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आती, कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। एक मेडिकल टीम का गठन सीएस यदुवंश शर्मा के नेतृत्व में किया गया है, जो गांव में पहुंच कर लोगों की जांच भी करेगी। अगर शराब का मामला सामने आता है तो निश्चित तौर पर जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी। इधर, इस घटना की सूचना मिलते ही मैरवा, दरौली और गुठनी थाना की टीम शराब के खिलाफ सर्च अभियान चला रही है। आपको बता दें कि यह पंचायत यूपी बॉर्डर से सटा हुआ है। मृतकों के स्वजन प्रशासन को शव नहीं सौंप रहे हैं। इसकी वजह से पोस्टमार्टम कराने में विलंब हो रहा है। प्रशासन को पता चला कि एक मृतक का शव लेकर स्वजन अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पर लेकर पहुंच गए हैं। इसके बाद अधिकारियों ने चिता से शव को उतार दिया और कहा कि पोस्टमार्टम कराने के बाद ही किसी भी शव का अंतिम संस्कार होगा। प्रशासन ने गांव में एहतियात के तौर पर मेडिकल टीम भेज दी है। डीएम ने कहा कि अब तक किसी के बीमार होने की जानकारी नहीं मिली है। अगर ऐसा मामला सामने आता है तो मेडिकल टीम जांच और उपचार के लिए गांव में मौजूद है।

रोजगार के अवसरों के मामले में बिहार ने झारखंड व राजस्थान को पीछे छोड़ा

सितंबर के आंकड़े उत्साह बढ़ाने वाले

पटना (एजेंसी)। कोरोना की दूसरी लहर के कमजोर होने के साथ ही रोजगार के अवसरों में मामूली ही सही, बढ़ोत्तरी हो रही है। सेंटर फार मानिटरिंग इंडियन इकानामी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बिहार में भी बेरोजगारी दर में कमी आई है। इस साल सितंबर में राज्य में बेरोजगारी दर 10 प्रतिशत थी। यह इस साल के मई महीने की तुलना में चार प्रतिशत कम है। यानी इस समय काम करने वाले 10 प्रतिशत श्रम बल को रोजगार नहीं मिल रहा है। हालांकि, देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार की स्थिति अपेक्षाकृत ठीक कही जा सकती है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बेरोजगारी दर 16.8 प्रतिशत है। बिहार की तुलना में दिल्ली में रोजगार के अवसर अधिक हैं। कोरोना के पहले दौर में दिल्ली से श्रमिकों का पलायन हुआ था। धीरे-धीरे श्रमिक लौट रहे हैं तो काम की कमी हो रही है। मालूम हो कि दिल्ली के श्रम बल में बिहार की अच्छी भागीदारी है। यही हाल दिल्ली के बगल के राज्य हरियाणा का है। वहां सितम्बर में बेरोजगारी दी 20.3 प्रतिशत है। हरियाणा में उद्योग-धंधे के अलावा कृषि क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। बिहार की तुलना में कारोबार और

उद्योग धंधे के लिहाज से बेहतर पड़ोसी राज्य झारखंड में बेरोजगारी दर 13.5 प्रतिशत है। समग्रता में देखें तो केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी दर देश के अन्य राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है। यह 21.6 प्रतिशत है। हाल की आतंकी घटनाओं का कारोबार पर बुरा असर पड़ा है। राजस्थान में बेरोजगारी दर 17. 9 प्रतिशत है, जो मध्य प्रदेश के 3.2 प्रतिशत की तुलना में बहुत अधिक है। कोरोना से सबसे अधिक पीड़ित केरल की स्थिति अच्छी कही जा सकती है। क्योंकि केरल में सितम्बर महीने में बेरोजगारी दर महज 8. 9 प्रतिशत दर्ज है। पश्चिम बंगाल की हालत कमोवेश ठीक कही जा सकती है।

वहां बेरोजगारी दर 6.8 प्रतिशत है। राज्य के लिए यह इसलिए सुखद है क्योंकि पिछले साल सितम्बर महीने में बेरोजगारी दर 33.8 प्रतिशत थी। उस समय तीन में से सिर्फ दो कामकाजी लोगों को काम मिल पाता था। वह विधानसभा चुनाव का समय था। रोजगार चुनावी मुद्दा बना। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने 10 लाख लोगों को नौकरी देने का वादा किया था। जवाब में एनडीए ने 20 लाख रोजगार देने की घोषणा कर दी।

पटना में दिनदहाड़े तेल व्यवसायी से 50 लाख की लूट, बाइक से आए थे अपराधी

पटना (एजेंसी)। राजधानी पटनी की पुलिस को बदमाशों ने एक बार फिर से चुनौत दी है। सोमवार को पटना में अपराधियों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया है। दिनदहाड़े अपराधियों ने तेल व्यवसायी से 50 लाख कैश लूट लिया है। खबर के मुताबिक राजधानी के अगमकुआं थाना क्षेत्र के सम्राट पेट्रोल के पास अपराधियों ने तेल व्यवसायी से 50 लाख रुपये लूट की घटना को अंजाम दिया है। जानकारी के तेल व्यवसायी के पास रुपयों से भरा बैग था, जिसे जमा करने वह पीएनबी जा रहे थे और वह पेट्रोल पंप पर रुके थे। तभी बाइक सवार दो लुटेरों ने व्यवसायी से बैग लूट लिया और फरार हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाइक सवार अपराधियों ने लूट के दौराना फायरिंग भी की है। धनरुआ में पुलिस फायरिंग से दो लोगों की मौत और दो लोगों के घायल होने की घटना के तूल पकड़ने के बाद एसएसपी उपेंद्र कुमार शर्मा के साथ पटना पूर्वी क्षेत्र के सिटी एसपी जितेंद्र कुमार समेत अन्य अधिकारी वहीं कैंप कर रहे हैं।

पूर्वी क्षेत्र के ज्यादातर थानों के बल को मसौढ़ी इलाके में भेजा गया है। अपराधियों ने पुलिस की कमजोरी का फायदा उठाकर अगमकुआं थाना क्षेत्र में वारदात को अंजाम दिया। सूत्रों की मानें तो घटना में पीड़ित पक्ष के किसी करीबी ने लाइनर की भूमिका अदा की है। जब व्यवसायी रुपये लेकर निकल रहे थे, तभी लाइनर ने लुटेरों को खबर दे दी। हैरानी की बात है कि वारदात को अंजाम देने के बाद बाइक सवार लुटेरे भाग निकले। उन्होंने फायरिंग भी की, लेकिन गोली चलने की आवाज पुलिस के कानों तक नहीं पहुंच पाई। वर्ष 2005 में अगमकुआं थाना क्षेत्र में पटना की पहली सबसे बड़ी कैश लूट हुई थी।

उपेक्षा से आहत तेज प्रताप ने अपने आवास के बाहर दिया धरना, बोले- तेजस्वी को नहीं बनने देंगे सीएम, लालू-राबड़ी ने मनाया

पटना (एजेंसी)। राजद प्रमुख लालू प्रसाद का विवादों से पुराना नाता रहा है। दिल्ली से पटना आने के साथ ही बिहार की राजनीति के साथ लालू परिवार में भी दोतरफा विवाद खड़ा हो गया है। पहले से ही पार्टी और परिवार में खुद को उपेक्षित महसूस करते आ रहे तेज प्रताप यादव ने राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद के व्यवहार से आहत होकर पार्टी से नाता तोड़ने का ऐलान कर दिया। जगदानंद को पार्टी से बाहर निकालने की मांग को लेकर देर रात अपने आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। रविवार रात साढ़े नौ बजे के करीब राबड़ी देवी और लालू प्रसाद के पहुंचने पर ही तेज प्रताप माने और धरना खत्म किया। पहली बार तेज प्रताप ने अपने अर्जुन (भाई तेजस्वी यादव) पर भी खुलकर हमला बोला है। कहा कि यही रवैया रहा तो अर्जुन गद्दी पर नहीं बैठ पाएंगे। उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे। धरने पर बैठते

समय तेज प्रताप ने कहा कि अंधड़ आए या शीत गिरे। पिता के आने तक धरना जारी रहेगा। उनके निशाने पर जगदानंद सिंह के साथ तेजस्वी यादव के सलाहकार संजय यादव हैं। दिल्ली से चलने के पहले लालू ने दोनों भाइयों में किसी तरह के विवाद से इनकार किया था और कहा था कि दोनों एक हैं। पटना हवाई अड्डे पर लालू की अगवानी के लिए गए तेज प्रताप ने जगदानंद सिंह और विधान परिषद सदस्य सुनील कुमार सिंह पर आरोप लगाया कि उनके लोगों ने उन्हें धक्का दिया। राबड़ी देवी के आवास के बाहर भी उनके लोगों ने उन्हें ठेला। लिहाजा, वह बाहर से ही लौट गए और मीडिया में तल्ख बयान भी दिया। कहा कि राजद के प्रदेश अध्यक्ष ने मेरी बेइज्जती की। अपने गुंडों से धक्का दिलवाया। तेज प्रताप ने दोनों को आरएसएस का एजेंट बताया। कहा कि जबतक उन्हें राजद से बाहर नहीं किया जाएगा, तबतक मेरा राजद से कोई मतलब नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि मेरे पिता गाड़ी के अंदर थे। उन्होंने नहीं देखा है। वह कार्रवाई करें तभी मैं परिवार और पार्टी में लौटूंगा। देर रात अपने समर्थकों के साथ धरना पर बैठे तेज प्रताप ने अपने भाई तेजस्वी के खिलाफ खुलकर बोले। चेताया भी कि रवैया सुधारें, नहीं तो संघर्ष होगा।

वह बच्चा नहीं हैं। अब बड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मैं संघर्ष की उपज हूं। लगातार बोलता रहा हूं कि मुझे अपने अर्जुन को मुख्यमंत्री बनाना है, किंतु अब दुख हो रहा है। तेजस्वी और संजय पर आरोप लगाया कि पार्टी का अपहरण कर लिया है। कहा कि संजय को साथ लेकर चलिएगा तो पार्टी का भला नहीं होगा। उन्हें कौन पहचानता है। राबड़ी देवी के सरकारी आवास से अलग रह रहे तेज प्रताप ने अपने स्तर से पिता के स्वागत की तैयारी कर रखी थी। अपने आवास में बड़े अरमान से लिखवाया था- वेलकम माई फादर। दरवाजे को गुब्बारे से सजाया था। हवाई अड्डे पर भी अपने नए संगठन जनशक्ति परिषद की टोली के साथ उत्साह के साथ गए थे। लालू के आने के करीब दो घंटे पहले ट्वीट कर पिता को शेर बताया था और विरोधियों को गीदड़। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सुशील मोदी से आग्रह किया था कि लालू के स्वागत में वे भी फूल-माला लेकर हवाई अड्डा पहुंचें, लेकिन उनके अरमान को उस समय धक्का लगा, जब उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप माहौल नहीं मिला। हवाईअड्डे पर पार्टी नेताओं की ओर से सम्मान नहीं मिला। राबड़ी देवी के आवास तक आते-आते सब्र जवाब दे गया।

भारत पर ऐतिहासिक जीत के बाद न्यूजीलैंड से बदला चुकता करने उतरेगा पाकिस्तान

शारजाह (एजेंसी)। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत पर पहले मैच में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद पाकिस्तानी टीम टी20 विश्व कप के दूसरे मैच में जब मंगलवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरेगी तो उसका इरादा बदला चुकता करने का होगा चूंकि न्यूजीलैंड हाल ही में पाकिस्तान दौरे से ऐन मौके पर पीछे हट गई थी। पाकिस्तान के कई प्रशंसकों के लिये तो 29 साल बाद विश्व कप में भारत के खिलाफ मिली इस जीत से ही मानों टीम ने खिताब अपने नाम कर लिया लेकिन बाबर आजम की कप्तानी वाली टीम कह चुकी है कि यह शुरूआत भर है। आजम ने भारत को हराने के बाद ड्रेसिंग रूम में अपने खिलाड़ियों से कहा, ''हम यहां सिर्फ भारत को हराने नहीं आये हैं। हम विश्व कप जीतने आये हैं और यह भूलना नहीं है।'' पाकिस्तान के पूर्व कप्तानों ने भी टीम को जश्न के खुमार में नहीं डूबने की ताकीद की है चूंकि सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये कई मैच जीतने होंगे।

न्यूजीलैंड टीम हाल ही में पाकिस्तान पहुंचने के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देकर खेलने से मुकर गई थी। इससे विश्व कप की पाकिस्तान की तैयारियों को झटका लगा और बाद में इंग्लैंड ने भी दौरा रद्द कर दिया। आजम ने इसके बाद दोनों टीमों की आलोचना करते हुए कहा था, ''पाकिस्तान हमेशा खेल के हित में काम करने की कोशिश करता है लेकिन बाकी टीमें नहीं।'' अब इस मैच को पाकिस्तान क्रिकेट हलकों में बदले के मैच के रूप में देखा जा रहा है।

पिछले महीने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में बदलाव, इस्तीफों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिलने के बावजूद पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके सभी को चौंका दिया। आजम और मोहम्मद रिजवान ने बल्लेबाजी के जौहर दिखाये जिससे फखर जमां, मोहम्मद हफीज और शोएब मलिक जैसे सीनियर बल्लेबाजों को खेलने की जरूरत ही नहीं पड़ी। गेंदबाजी में भी उनके पास काफी विकल्प है। भारत के खिलाफ उनके पास सात गेंदबाज थे और मलिक उनमें शामिल नहीं थे। इमाद वसीम, शादाब खान और हफीज ने स्पिन का मोर्चा बखूबी संभाला।

नयी गेंद से शाहीन शाह अफरीदी ने कहर बरपाया। अब न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को उनके खतरनाक इनस्विंग यॉर्कर की काट ढूंटनी होगी। डैथ ओवरों में हारिस रऊफ काफी उपयोगी साबित हुए। दूसरी ओर न्यूजीलैंड टीम को विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ने अभ्यास मैचों में हराया। कप्तान केन विलिसमसन की फिटनेस भी चिंता का सबब बनी हुई है जो कोहनी में दर्द से जूझ रहे हैं। न्यूजीलैंड के पास शानदार गेंदबाजी आक्रमण है लेकिन बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे।

टीमें: न्यूजीलैंड: केन विलियमसप (कप्तान), टॉड एस्टल, ट्रेंट बोल्ट, मार्क चौपमैन, डेवोन कोंवे, लॉकी फर्ग्युसन, मार्टिन गुप्टिल, काइल जैमीसन, डेरिल मिशेल, जिम्मी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनेर, टिम सीफर्ट, ईश सोढी, टिम साउदी। पाकिस्तान: बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, फखर जमां, मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, हसन अली, हारिस रऊफ, शाहीन शाह अफरीदी, इमाद वसीम, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, आसिफ अली, हैदर अली, सरफराज अहमद, मोहम्मद वसीम, सोहेब मकसूद। मैच का समय: शाम 7 . 30 से।

कोहली से पूछा गया, क्या आप रोहित शर्मा को बाहर करोगे?

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान विराट कोहली को उस समय अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ जब उनसे पूछा गया कि टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में विफलता के बाद रोहित शर्मा को टीम से बाहर किया जा सकता है या नहीं। कोहली ने इस सुझाव पर नाराजगी में सिर हिलाया और फिर इसे 'अविश्वसनीय' करार दिया। कोहली पाकिस्तान के खिलाफ 10 विकेट की हार के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। इस हार के साथ भारत का विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ लगातार 12 जीत का क्रम भी टूट गया। कोहली उस समय हैरान हो गए जब उनसे सवाल पूछा गया कि क्या फॉर्म के आधार पर इशान किशन सीमित ओवरों की टीम के उप कप्तान रोहित की जगह लेने के हकदार हैं। रोहित पाकिस्तान के खिलाफ खाता भी नहीं खोल पाए थे। भारतीय कप्तान ने निराशा में अपना सिर हिलाते हुए कहा, ''यह काफी साहसिक सवाल है। आपको क्या लगता है, सर?'' उन्होंने कहा, ''मैं आपसे पूछ रहा हूं? क्या आप रोहित शर्मा को टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से बाहर करेंगे। क्या आप रोहित शर्मा को बाहर करोगे? आपको पता है हमने जो पिछला मैच खेला था उसमे उसे क्या किया था, अविश्वसनीय।'' कोहली इंग्लैंड के खिलाफ पिछले टी20 मुकाबले में रोहित की 64 रन की तूफानी पारी के संदर्भ में कह रहे थे। भारतीय कप्तान ने कहा, ''अगर आप विवाद चाहते हैं तो कृपया करके मुझे पहले बता दीजिए जिससे कि मैं उसी के हिसाब से जवाब दूं।'' कोहली ने मौजूदा टी20 विश्व कप के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारत की कप्तानी छोड़ने की घोषणा की है और रोहित उनकी जगह लेने के सबसे बड़े दावेदार हैं। उन्होंने 100 से अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं और उनका स्ट्राइक रेट 138 से अधिक का है।

नयी गेंद से यॉर्कर डालना मेरी ताकत है, इसका फल मिला: शाहीन अफरीदी

दुबई (एजेंसी)। भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में ऐतिहासिक जीत के सूत्रधारों में शामिल पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने कहा कि तेज इनस्विंग यॉर्कर से भारतीय शीर्षक्रम को परेशान करने की उनकी रणनीति कारगर साबित हुई। पावरप्ले में पहली बार तीन ओवर डालने वाले शाहीन ने पहले दो ओवर में दो विकेट लेकर पाकिस्तान को शानदार शुरूआत दी। उन्होंने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''मैने पहली बार पावरप्ले में तीन ओवर डाले। गेंद घूम रही थी और हालात से मदद मिली। मैने शुरूआती विकेट लेने की कोशिश की और कामयाब रहा।'' 21 वर्ष के अफरीदी ने चौथी गेंद पर रोहित शर्मा को पगबाधा आउट किया और दूसरे ओवर में केएल राहुल को पवेलियन भेजा। उन्होंने कहा, ''मेरी ताकत नयी गेंद से यॉर्कर डालना है और यही हमारी रणनीति थी जो काम कर गई। मुझे यकीन था कि शुरूआत में स्विंग मिलने पर मैं उसे आउट कर दूंगा।'' तीन ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लेने के बाद डैथ ओवरों में उन्होंने विराट कोहली को आउट किया। अफरीदी ने कहा, ''बाबर आजम ने हमेशा मुझ पर भरोसा किया। योजना यह थी कि मैं पहला ओवर डालूंगा और फिर इमाद वसीम आयेगा। मैं टीम को शुरूआती कामयाबी दिलाना चाहता था।'' विराट के विकेट के बारे में उन्होंने कहा, ''मैने विराट को आउट करने की योजना बनाई थी लेकिन वह नंबर एक खिलाड़ी है। बाबर और उसकी बल्लेबाजी में कोई फर्क नहीं है। मैने उसे उसी तरह की गेंद डाली जैसी नेट्स पर बाबर को डालता हूं। '' उन्होंने कहा, ''विश्व कप में भारत के हराने का अहसास जबर्दस्त है। पाकिस्तान टीम के लिये यह खास है लेकिन यह पहला ही मैच था। हमें आगे और मैच जीतने हैं।''

एशियाई चैम्पियन संजीत को बाय ,मुक्केबाजी विश्व चैम्पियनशिप के ड्रॉ घोषित

बेलग्रेड (एजेंसी)। एशियाई चौम्पियन संजीत (92 किलो) और सचिन कुमार (80 किलो) को एआईबीए पुरूष विश्व मुक्केबाजी चौम्पियनशिप के पहले दौर में बाय मिला है जबकि विभिन्न भारवर्गों के ड्रॉ का सोमवार को ऐलान किया गया। सचिन 30 अक्टूबर को दूसरे दौर में अमेरिका के रॉबी गोंजालेस से खेलेंगे। वहीं संजीत का सामना 29 अक्टूबर को रूस के आंद्रे स्तोत्स्की से होगा। चौम्पियनशिप में 100 से अधिक देशों के 600 से अधिक मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। कई वर्गों में तो क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के लिये तीन मुकाबले जीतने होंगे। पांच बार के एशियाई पदक विजेता शिवा थापा (63 . 5 किलो) को भी ऐसा ही वर्ग मिला है। थापा पहले दौर में कीनिया के विक्टर ओ नियाडेरा से खेलेंगे। एशियाई रजत पदक विजेता दीपक कुमार (51 किलो) का सामना किर्गीस्तान के अजात उसेनालीव से होगा। पहली बार खेल रहे गोविंद सहानी (48 किलो) की टक्कर इक्काडोर के बिली जोओ ओर्तिज से होगी। आकाश कुमार 54 किलोवर्ग में जर्मनी के उमर सालाह से खेलेंगे।रोहित मोर 57 किलो में इक्काडोर के जीन केइसेडो का सामना करेंगे। आकाश 67 किलो में तुर्की के फुरकान एडम से खेलेंगे। वरिंदर सिंह (60 किलो) का सामना बुधवार को आर्मेनिया के कारेन टी से होगा जबकि निशात देत (71 किलो) की टक्कर हंगरी के लाज्लो कोजाक से होगी। लक्ष्य चाहर (86 किलो) का सामना कोरिया के किम हियोंगक्यू से होगा। सुमित (75 किलो) मंगलवार को जमैका के डामोन ओनील से खेलेंगे। प्लस 92 किलो में नरेंदर का सामना पोलैंड के ओस्कार सफरियान से होगा।

इस भारतीय गेंदबाज के बारे में सलमान बट ने कहा, गली क्रिकेट में पाकिस्तान का हर बच्चा इस तरह की गेंदबाजी करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2021 के लीग मैच में भारतीय गेंदबाज पूरी तरह से नाकाम साबित रहे और एक भी विकेट नहीं ले पाए। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 151 रन बनाए थे और पाकिस्तान को जीत के लिए 152 रन का टारगेट दिया था। इसके जवाब में पाकिस्तान के ओपनर बल्लेबाज बाबर आजम और मो. रिजवान ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी थी। टीम इंडिया का हर एक गेंदबाज इन्हें आउट करने की कोशिश करते रहे, लेकिन कामयाब नहीं हो पाए। इन गेंदबाजों में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी शामिल थे जिन्हें मिस्ट्री स्पिनर कहा जाता है। उन्होंने 4 ओवर में 33 रन दिए, लेकिन विकेट लेने में सफल नहीं हो पाए। अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर बल्लेबाज सलमान बट ने वरुण चक्रवर्ती को अपने निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि वरुण चक्रवर्ती एक मिस्ट्री बॉलर हो सकते हैं लेकिन वह हमारे लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं थी। पाकिस्तान में बच्चे टेप बॉल क्रिकेट बहुत खेलते हैं। पाकिस्तान में हर बच्चा स्ट्रीट क्रिकेट में इस तरह की गेंदबाजी करता है, जहां गेंदबाज गेंद से फिंगर ट्रिक करते हैं और अलग-अलग वैरिएशन आजमाते हैं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए, बट ने चक्रवर्ती की गेंदबाजी की तुलना श्रीलंका के पूर्व स्पिनर अजंता मेंडिस से की, जिन्होंने अपनी ÷रहस्यमय÷ विविधताओं की वजह से सुर्खियां बटोरी थी, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ ज्यादा नहीं खेल पाए थे। बट ने कहा कि अपने करियर की शुरुआत में, श्रीलंका के अजंता मेंडिस ने भी अपने रहस्यमयी गेंद से कई टीमों को परेशान किया था, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ उनका रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है। हमें मिस्ट्री बॉलिंग में कभी कोई मिस्ट्री नहीं मिली क्योंकि हम इस तरह के गेंदबाजों के साथ खेलते हुए बड़े हुए हैं। मुझे नहीं लगता कि भारत-पाकिस्तान के खिलाफ फिर से चक्रवर्ती खेलेंगे और अगर वे ऐसा करते हैं, तो परिणाम के समान होने की उम्मीद है। वरुण जैसे किसी खिलाड़ी को देखकर ही पाकिस्तान के बल्लेबाज यह पता लगा सकते हैं कि गेंद अंदर आने वाली है या बाहर। भारतीय विश्लेषक कोई भी हो, शायद उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि विश्व क्रिकेट में मिस्ट्री स्पिन की शुरुआत करने वाले मेंडिस पाकिस्तान के खिलाफ बिल्कुल भी सफल नहीं थे।

भारत पर जीत के जश्न में पाकिस्तान में जमकर हुई आतिशबाजी, सड़कों पर उतरे प्रशंसक

कराची (एजेंसी)। आईसीसी विश्व कप में भारत के खिलाफ 12 मैचों की हार का सिलसिला टूटने के बाद पाकिस्तान के क्रिकेटप्रेमी जश्न मनाने सड़कों पर उतर आये और पूरे देश में जमकर आतिशबाजी हुई। पाकिस्तान ने दुबई में टी20 विश्व कप के पहले मैच में भारत को दस विकेट से हराया। खुशी में सराबोर प्रशंसकों ने कराची में कार के हॉर्न बजाये और पटाखे छोड़े। यहां सार्वजनिक स्थानों पर बड़ी स्क्रीन लगाई गई थी और कोरोना प्रतिबंधों में रियायतों के बाद होटलों में भी मैच के प्रसारण का बंदोबस्त था। कुछ जगहों पर पुलिस ने जीत के जश्न में हवाई फायरिंग की घटनायें भी दर्ज की है। प्रधानमंत्री और विश्व कप 1992 विजेता पूर्व कप्तान इमरान खान ने ट्वीट किया,

''पाकिस्तानी टीम और खासकर बाबर आजम को बधाई जिसने मोर्चे से अगुवाई की। रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी ने भी शानदार प्रदर्शन किया। देश को आप पर नाज है।'' पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रमीज राजा ने ट्वीट किया ,''अलहमदुलिल्ला। यह पहली जीत है और सबसे यादगार भी। पाकिस्तानियों के लिये यह गर्व का पल जिसके लिये पूरी टीम को धन्यवाद। यह यादगार सफर की शुरूआत है।'' पाकिस्तान के प्रशंसकों ने कार की खिड़कियों से झंडे लहराये। कॉलेज के छात्र फरहान ने कहा, ''हमने भारत को विश्व कप में पहली बार हराया ही नहीं है बल्कि जिस अंदाज में हराया है, वह काबिले तारीफ है।'' मैच से पहले कराची की सड़कों पर वीराना छाया था लेकिन मैच खत्म होते ही जलसा शुरू हो गया। सेना प्रमुख ने भी टीम को बधाई देते हुए कहा कि देश को उन पर फख्र है। पूर्व टेस्ट स्पिनर इकबाल कासिम ने कहा, ''मुझे लगा था कि पाकिस्तान यह मैच जीत सकता है लेकिन इस तरह एकतरफा जीत से हम हैरान है।'' मुंबई पर आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध बंद है। पाकिस्तान ने 2012 में सीमित ओवरों की संक्षिप्त श्रृंखला के लिये भारत का दौरा किया लेकिन दोनों टीमों का सामना आईसीसी टूर्नामेंटों और एशिया कप में ही होता आया है।

आस्ट्रेलिया का सामना करने को तैयार स्टोक्स इंग्लैंड की एशेज टीम में

लंदन (एजेंसी)। मानसिक स्वास्थ्य कारणों से क्रिकेट के हर प्रारूप से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने वाले स्टार हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स को इस साल के आखिर में होने वाली एशेज श्रृंखला के लिये इंग्लैंड टीम में शामिल किया गया है। स्टोक्स ने मानसिक स्वास्थ्य और ऊंगली की चोट से उबरने के लिये जुलाई में क्रिकेट से ब्रेक लिया था। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने स्टोक्स के हवाले से कहा, ''अपने मानसिक स्वास्थ्य के लिये मैने ब्रेक लिया था। मेरी ऊंगली की चोट भी अब ठीक है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे अपने साथी खिलाड़ियों से मिलने और उनके साथ खेलने का इंतजार है।मैं आस्ट्रेलिया का सामना करने के लिये तैयार हूं।'' ईसीबी की मेडिकल टीम और स्टोक्स के सलाहकार ने उन्हें अभ्यास बहाल करने के लिये हरी झंडी दे दी है। इंग्लैंड के पुरूष क्रिकेट के प्रबंधन निदेशक एशले जाइल्स ने कहा, ''उसकी ऊंगली का आपरेशन बेहद कामयाब रहा। पिछले कुछ सप्ताह से मेरे, बेन , मेडिकल स्टाफ और उसकी प्रबंधन टीम के बीच काफी बात हुई।

टी20 विश्व कप: हम जानते हैं कि खेल कहां गलत हुआ: कोहली

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान विराट कोहली का मानना है कि उनकी टीम को इस बात का सटीक अंदाजा है कि पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच कहां गया और कहां चूक हुई। उन्होंने कहा कि पहले छह ओवरों में पाकिस्तान की शानदार गेंदबाजी का मतलब था कि भारत पुरुष टी20 विश्व कप के अपने शुरुआती मैच में अतिरिक्त 20-25 रन नहीं बना सका। भारत को रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान ने दस विकेट से शिकस्त दी। कोहली ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कहा, एक टीम के तौर पर हमें यह समझने की जरूरत है कि बीच में वहां के हालात की हकीकत क्या थी। वहीं 20-25 अतिरिक्त रन अच्छे होते। लेकिन पहले छह में शानदार गेंदबाजी ने हमें अतिरिक्त रन हासिल नहीं होने दिया। हम वास्तव में जानते हैं कि खेल कैसे हाथ से चला गया और यह कहां गलत हो गया। हमारे पास इसकी पूर्ण स्पष्टता है, यह जानना अच्छी बात है कि आप एक टीम के रूप में कहां गलत हुए। कोहली ने कहा, तो, आप काम कर सकते हैं और इसे सुधारने की कोशिश कर सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं क्योंकि इस टूर्नामेंट में हमारे पास अभी भी बहुत सारे मैच हैं। अगर हम अपनी प्रक्रियाओं का पालन करते हैं, तो हम निश्चित रूप से महसूस कर सकते हैं कि हम इन

गलतियों पर काम कर सकते हैं। यह बताते हुए कि मैच कैसे समाप्त हो गया, विशेष रूप से पाकिस्तान के पीछा के दौरान तस्वीर में आने के बाद, कोहली ने कहा, अगर पिच बल्लेबाजी करने के लिए थोड़ी बेहतर हो जाती है, तो आप शुरू हो जाते हैं। तब आप पीछा करने के बारे में अधिक आत्मविश्वास महसूस करना शुरू कर देते हैं। क्या हुआ। पाकिस्तान की पारी के दूसरे हाफ में जितनी अधिक ओस आई और वे स्ट्राइक रोटेट करने में सफल रहे।

पारस म्हाम्ब्रे ने भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच के पद के लिये आवेदन किया

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत ए और अंडर 19 टीमों के साथ काफी कामयाब रहे पूर्व तेज गेंदबाज पारस म्हाम्ब्रे ने सीनियर टीम के गेंदबाजी कोच के पद के लिये सोमवार को आवेदन कर दिया। बीसीसीआई सूत्रों ने यह जानकारी

दी। म्हाम्ब्रे करीब एक दशक से राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से जुड़े हैं और राहुल द्रविड़ के करीबी माने जाते हैं। द्रविड़ भारतीय टीम के अगले मुख्य कोच हो सकते हैं। बोर्ड के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, ''पारस ने पद के लिये आज आवेदन कर दिया। आवेदन करने की आखिरी तारीख 26 अक्टूबर है। पारस के पास काफी अनुभव है और पिछले एक दशक से भारतीय क्रिकेट की एलीट कोचिंग व्यवस्था का हिस्सा रहे हैं।'' बीसीसीआई का मानना है कि मौजूदा तेज गेंदबाजों मोहम्मद शमी, ईशांत शर्मा और उमेश यादव के जाने के बाद अगली जमात के भारतीय तेज गेंदबाजों में वे ही होंगे जो म्हाम्ब्रे के मार्गदर्शन में अंडर 19 या ए टीम के लिये खेल चुके हैं। बीसीसीआई सूत्रों ने पहले संकेत दिया था कि द्रविड़ मुख्य कोच का पद संभालने के लिये तैयार हो गए हैं। रवि शास्त्री का कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है। म्हाम्ब्रे के आवेदन के मायने हैं कि उनकी कोर टीम के सदस्य भारतीय टीम के साथ काम करने में दिलचस्पी रखते हैं। म्हाम्ब्रे 1996 से 1998 के बीच भारत के लिये दो टेस्ट और तीन वनडे खेल चुके हैं।

वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के मुकाबले में नजरें बल्लेबाजों पर

दुबई (एजेंसी)। शुरूआती मैच हारने के बाद दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमें टी20 विश्व कप के सुपर 12 मैच में मंगलवार को आमने सामने होंगी तो बल्लेबाजों पर नजरें रहेंगी जिनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। दक्षिण अफ्रीका को पहले मैच में आस्ट्रेलिया ने पांच विकेट से हराया जबकि वेस्टइंडीज को इंग्लैंड ने छह विकेट से मात दी। दोनों टीमों को खाता खोलने के लिये बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर दोनों टीमें बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रही। गत चौम्पियन वेस्टइंडीज 55 रन पर ढेर हो गई तो दक्षिण अफ्रीका ने 118 रन ही बनाये।

दक्षिण अफ्रीका की शीर्षक्रम पर निर्भरता इतनी अधिक है कि एक बार शुरूआती बल्लेबाजों के आउट होने पर टीम दबाव में आ जाती है। एडेन मार्कराम ने पिछले मैच में 36 गेंद में 40 रन बनाये लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरते रहे। डेविड मिलर का खराब फॉर्म जारी रहा और अनुभवहीन मध्यक्रम कोई कमाल नहीं कर सका। दक्षिण अफ्रीका के पास कैगिसो रबाडा और एनरिच नॉर्किया के रूप में बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं जबकि स्पिन का मोर्चा तबरेज शम्सी और केशव महाराज ने संभाल रखा है। इंग्लैंड के खिलाफ मैच में कैरेबियाई बल्लेबाज स्पिनरों का

सामना नहीं कर सके थे लिहाजा दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों से काफी उम्मीदें होंगी।

दक्षिण अफ्रीका ने इस साल की शुरूआत में वेस्टइंडीज को श्रृंखला में हराया था। दूसरी ओर दो बार की चौम्पियन वेस्टइंडीज को अपनी गलतियों से सबक लेना होगा। पहले मैच में क्रिस गेल को छोड़कर कोई बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका। चौका या छक्का जड़ने के प्रयास में उसके नौ बल्लेबाजों ने विकेट गंवाये। किसी ने पारी का सूत्रधार बनने की कोशिश नहीं की।

गेंदबाजी में उसके पास अकील हुसैन जैसा खिलाड़ी है जिसने 24 रन देकर दो विकेट लिये। कीरोन पोलार्ड की टीम को रनरेट में भी सुधार करना होगा जो आखिरी चरण में काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। टीमें:

वेस्टइंडीज: कीरोन पोलार्ड (कप्तान), निकोलस पूरण, ड्वेन ब्रावो, रोस्टन चेज, आंद्रे फ्लेचर, क्रिस गेल, शिमरोन हेटमायर, एविन लुईस, ओबेद मैककॉय, लेंडल सिमंस, रवि रामपॉल, आंद्रे रसेल, ओशेन थॉमस, हेडन वॉल्श जूनियर और अकील हुसैन। दक्षिण अफ्रीका: तेम्बा बावुमा (कप्तान), केशव महाराज, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, डब्ल्यू मुलडर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्किया, ड्वेन प्रिटोरियस, कागिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, रस्सी वैन डेर डूसन।

पाकिस्तान से हार के बाद इस भारतीय खिलाड़ी को बनाया जा रहा निशाना, वीरेंदर सहवाग दिया ने बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को रविवार 24 अक्टूबर 2021 को आइसीसी 20 विश्व कप में पाकिस्तान के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। कप्तान बाबर आजम और रिजवान ने भारत द्वारा बनाए गए 7 विकेट पर 151 रन के स्कोर को बिना विकेट गंवाए 17.5 ओवर में हासिल किया। 10 विकेट की बड़ी जीत के साथ पाकिस्तान की टीम ने पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में भारत को पहली बार हराकर 5 हार के सिलसिले को रोका। भारतीय टीम के गेंदबाज पाकिस्तान के खिलाफ एक भी विकेट हासिल नहीं कर पाए। टीम इंडिया के धुरंधर अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार और रवींद्र जडेजा तक बेअसर रहे। इस मैच में शमी सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए और 3.5 ओवर में उनको पाकिस्तान कप्तान बाबर और रिजवान ने 43 रन जड़ दिए। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद शमी को सोशल मीडिया पर निशाना बनाया जा रहा है। पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने

शमी का बचाव करते हुए उनका समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना संदेश देते हुए लिखा, मोहम्मद शमी पर किए जा रहे आनलाइन आक्रमण पर मैं हैरान हूं और उनको साथ खड़ा हूं। वह एक चैंपियन खिलाड़ी हैं और वो हर एक खिलाड़ी जो भी भारतीय टीम की टोपी पहनता है उसके दिल में भारत बसता है उनसे कहीं ज्यादा जो आनलाइन किसी की आलोचना करते हैं। मैं आपके साथ हूं शमी। अगले मैच में दिखा दो जलवा।

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टास जीतकर भारत के खिलाफ पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारतीय ओपनर रोहित शर्मा और केएल राहुल को शाहीन अफरीदी ने आउट कर पाकिस्तान को बड़ी कामयाबी दिलाई। शुरुआती झटकों के बाद भारत को कप्तान विराट कोहली ने संभाला और अर्धशतक जमाया। शाहीन ने कोहली को भी आउट कर पाकिस्तान के रास्ते से इस मुश्किल को भी हटा दिया। भारत ने 152 रन का लक्ष्य टीम के सामने रखा।

एशेज के लिए इंग्लैंड की टीम में लौट आया यह तूफानी आलराउंडर, अब आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की खैर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के खिलाफ इस साल के अंत में खेले जाने वाले एशेज टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में दिग्गज आलराउंडर बेन स्टोक्स की वापसी हो गई है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इसकी घोषणा 25 अक्टूबर को की। बेन स्टोक्स ने अपनी मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए क्रिकेट से अनिश्चितकाल के लिए ब्रेक की घोषणा की थी और उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में भी खेलने से इनकार कर दिया था। स्टोक्स को उनके सलाहकार और ईसीबी मेडिकल स्टाफ की तरफ से ट्रेनिंग शुरू करने की अनुमति दे दी गई है। कुछ दिन पहले उनकी उंगली की भी सर्जरी की गई थी। बेन स्टोक्स ने इस साल की शुरुआत में भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया था और जुलाई के बाद से उन्होंने किसी भी तरह की क्रिकेट नहीं खेली है। हालांकि उन्होंने द हंड्रेड के डेब्यू सीजन में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए खेला था। वो आइपीएल 2021 के पहले हिस्से में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान कैच लेने की कोशिश में चोटिल हो गए थे और फिर पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। स्टोक्स ने इंग्लैंड की टीम में वापसी करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था जिसमें उनकी टीम को 3-0 से जीत मिली थी, लेकिन इसके बाद वो क्रिकेट नहीं खेल रहे थे और टी20 वर्ल्ड कप 2021 के लिए इंग्लैंड की टीम में भी उनका नाम नहीं था। ईसीबी की विज्ञप्ति में बेन स्टोक्स के हवाले से कहा गया, मैंने अपनी मानसिक भलाई को प्राथमिकता देने के लिए एक ब्रेक लिया था।

शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा- पेट्रोल से सस्ती हुई बियर, यूजर बोला- चरस अफीम और भी सस्ता इसलिए तो ऐक्टर्स लेते हैं

बॉलिवुड के वेटरन ऐक्टर शत्रुघ्न सिन्हा अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर तमाम मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए नजर आते हैं। अब शत्रुघ्न सिन्हा ने लगातार बढ़ रहे पेट्रोल के दामों पर तंज कसा है। उन्होंने पेट्रोल की तुलना बीयर से की है। शत्रुघ्न सिन्हा ने रविवार को ट्वीट कर अपनी बात कही है। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल एक पोस्टर शेयर किया है। इस पर बीयर की बोतल बनी हुई है और उस पर लिखा, 'दशकों के बाद बीयर अब पेट्रोल से सस्ती हो गई है। अब नया स्लोगन होगा- बस पी लो और ड्राइव मत करो।' शत्रुघ्न सिन्हा का ये ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है। शत्रुघ्न सिन्हा के इस ट्वीट पर लोगों ने खूब कॉमेंट किए हैं। एक ट्विटर यूजर ने लिखा है, 'चरस अफीम तो और भी सस्ता है, इस लिए बॉलिवुड अभिनेता अभिनेत्री उसी को लेते हैं।' एक अन्य ट्विटर यूजर ने लिखा है, 'सर बियर पीकर गाड़ी की जरूरत नहीं। अपनी 11 नम्बर की बस ही बहुत है।' गौरतलब है कि पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। जिसको लेकर विपक्ष केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है और अब शत्रुघ्न सिन्हा ने अप्रत्यक्ष रूप से अपनी बात कही है। वहीं, शत्रुघ्न सिन्हा के ट्वीट पर यूजर ने उन्हें बॉलिवुड में ड्रग्स के मामले याद दिला दिए। **(एजेंसी)**

बिग बॉस 155ः प्रतियोगियों ने विशाल कोटियान के बारे में किए कई खुलासे

बिग बॉस 15 के नवीनतम प्रोमो में प्रतियोगियों को वीकेंड का वार के आगामी एपिसोड में विशाल कोटियन के बारे में कुछ खुलासे करते हुए दिखाया गया है। इसके बाद सलमान खान ने प्रतियोगियों को एक टास्क दिया, जिसमें उन्हें शेयर करना था कि किसके बारे में गलत धारणा है और उनके सिर पर गुब्बारा फोड़ना है। उनमें से प्रत्येक विशाल के बारे में एक या अन्य तथ्य प्रकट करते हैं। जैसे जय भानुशाली कहते हैं कि वह हर बात में हमेशा मैं, मैं कहते रहते हैं और जय विशाल के सिर पर गुब्बारा फोड़ते हैं। वहीं उमर रियाज का कहना है कि विशाल को यह गलतफहमी है कि वह हमेशा उनकी बातों पर विश्वास करते हैं। आकाश भी इसे साझा करते है और कहते कि वह हर चीज में वह खुद को लाते है, वहीं निशांत भट्ट को लगता है कि उन्हें सामने बोलना चाहिए, पीठ पीछे नहीं। तेजस्वी की धारणा है कि खेल में आगे बढ़ने के लिए झूठे वादे करने की जरूरत नहीं है। इस एपिसोड में दर्शकों को प्रतियोगियों की नजर से विशाल का कुछ वास्तविक पक्ष दिखाई देगा। मनीष पॉल एक विशेष अतिथि के रूप में नजर आएंगे और मेजबान सलमान खान और प्रतियोगियों के साथ बातचीत करेंगे। **(एजेंसी)**

कूज मादक पदार्थः 25 करोड़ रुपये की मांग का दावा करने वाला गवाह मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचा

मुंबई के तट से एक क्रूज नौका से मादक पदार्थ जब्त होने के मामले में 'स्वतंत्र गवाह' प्रभाकर सैल सोमवार को मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे। प्रभाकर ने रविवार को दावा किया था कि मामले में गिरफ्तार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को छोड़ने के लिए एनसीबी के एक अधिकारी तथा अन्य ने 25 करोड़ रुपये मांगे थे। अधिकारी ने बताया कि सैल, अपनी सुरक्षा चिंता के संबंध में पुलिस आयुक्त के कार्यालय पहुंचे। वह सुबह 11 बजकर 20 मिनट पर कार्यालय पहुंचे। वह संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) मिलिंद भारंबे से मिलेंगे। सैल ने रविवार को पत्रकारों से कहा था कि उन्हें अपनी जान को खतरा की आशंका है और उन्हें नुकसान पहुंचाया जा सकता है। सैल ने दावा किया था कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के एक अधिकारी और कथित तौर पर फरार गवाह केपी गोसावी सहित अन्य ने आर्यन खान को छोड़ने के लिए 25 करोड़ रुपये की मांग की है। 'स्वतंत्र गवाह' प्रभाकर सैल ने कहा था कि आर्यन को तीन अक्टूबर को एनसीबी कार्यालय लाने के बाद उन्होंने गोसावी को फोन पर सैम डिसूजा नामक एक व्यक्ति से 25 करोड़ रुपये की मांग करने और मामला 18 करोड़ रुपये पर तय करने के बारे में बात करते हुए सुना था, क्योंकि उन्हें ''आठ करोड़ रुपये समीर वानखेडे (एनसीबी के जोनल निदेशक) को देने थे।'' सैल ने दावा किया था कि एनसीबी अधिकारियों ने उनसे नौ से 10 कोरे कागजों पर हस्ताक्षर करने को भी कहा था। एनसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें ''पूरी तरह से झूठ और दुर्भावनापूर्ण '' करार दिया। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के मुंबई क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े ने रविवार को मुंबई पुलिस आयुक्त को पत्र लिख, अज्ञात लोगों द्वारा कथित सतर्कता संबंधी मामले में फंसाने के लिये उनके खिलाफ ''योजनाबद्ध'' कानूनी कार्रवाई किए जाने से सुरक्षा भी मांगी थी। **(एजेंसी)**

साजिद नाडियाडवाला ने अपना 'नेशनल अवार्ड' सुशांत सिंह राजपूत को किया समर्पित

साजिद नाडियाडवाला ने आज एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनका दिल सोने का है। निर्माता को उनकी फिल्म छिछोरे के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है जिसने सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का खिताब जीता है और उन्होंने यह पुरस्कार दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत को समर्पित किया है। दिल को छू लेने वाले उनके इस जेस्चर को दिवंगत अभिनेता के प्रशंसकों द्वारा सराहा जा रहा है और उनकी प्रशंसा की जा रही है। सुशांत सिंह राजपूत द्वारा अभिनीत और प्रतिभाशाली कलाकारों की टोली के साथ नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'छिछोरे' उस वर्ष की सबसे पसंदीदा फिल्म थी और यहां तक कि 65वें फिल्मफेयर पुरस्कार में पांच नामांकन प्राप्त किये थे जिसमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म, तिवारी के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ कहानी, बेस्ट डायलॉग और बेस्ट एडिटिंग शामिल है। फिल्म को कई पहलुओं के लिए सराहा गया था और शानदार परफॉर्मेंस के अलावा फिल्म ने भारतीय परिवारों के साथ इस बात पर रेसनेट किया था कि डेस्टिनेशन से कहीं अधिक जिंदगी का सफर महत्वपूर्ण है और हारना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि जीतना। सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म के लिए 67वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त करने पर, निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने छिछोरे के निर्माण में शामिल पूरी टीम को धन्यवाद दिया है और विशेष रूप से सुशांत सिंह राजपूत की लविंग मेमोरी में यह पुरस्कार उन्हें डेडिकेट किया है, जो भारत से बेहतरीन प्रतिभाओं में से एक है। इसके अलावा, आने वाले महीनों में निर्माता की ओर से अपनी जनता के लिए बहुत कुछ है। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने हाल ही में तड़प, अक्षय कुमार के साथ बच्चन पांडे, रणवीर सिंह के साथ 83 और टाइगर श्रॉफ के साथ हीरोपंती 2 सहित फिल्मों के अपने आगामी रोस्टर की थिएट्रिकल रिलीज की घोषणा की है। **(एजेंसी)**

उर्वशी रौतेला

ने समंदर किनारे से शेयर किया बिकिनी वीडियो, फैंस को दी करवाचौथ की बधाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। उर्वशी रौतेला इन दिनों दुबई में हैं और वहां से अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर रहीं हैं। रविवार को हुए टी20 वर्ल्ड कप में वो भारत-पाक मैच के दौरान अपने देश को चियर करते हुए नजर आई। भारत के मैच हारने के बावजूद उर्वशी चर्चा में बनी रहीं। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। जिसमें उर्वशी फैंस को एक खास मैसेज दे रही हैं।

उर्वशी रौतेला ने फैंस को सोशल मीडिया पर खास अंदाज में करवा चौथ की बधाई दी। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो ग्लैमरस अवतार में नजर आ रही हैं। उर्वशी ने इस वीडियो में बेबी पिंक कलर की बिकिनी पहनी हुई है। इसके साथ ही उन्होंने हैट लगाई है। वीडियो में उनकी स्टाइलिस्ट उनके आउटफिट को ठीक करने के साथ-साथ उन्हें नेकलेस पहना रही हैं। समुद्र किनारे खड़ी उर्वशी अदाएं दिखा रही हैं।

उर्वशी रौतेला ने वीडियो पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, हैप्पी करवा चौथ 2021। उर्वशी रौतेला के फैंस उनके इस वीडियो को खूब पसंद कर रहे हैं। वहीं इस वीडियो पर खूब कमेंट्स भी आ रहे हैं। फैंस वीडियो पर फायर इमोजी पोस्ट कर उन्हें बेहद खूबसूरत बता रहे हैं। उनका मेकअप उनके आउटफिट के साथ परफेक्ट लग रहा है।

तेलुगु लोक गायिका मंगली पुष्पाः द राइज में गाएंगी गाना

पुष्पाः द राइज के निर्माती तेलुगू लोक गायक मंगली को फिल्म में एक पेप्पी गाना गाने के लिए शामिल करने की योजना बना रहे हैं। मुख्य भूमिकाओं में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के साथ, फिल्म को कास्ट और क्रू लिए सर्वश्रेष्ठ लोग मिल गए हैं। अब मशहूर लोक गायिका भी पुष्पा की टीम से हाथ मिलाने की तैयारी में है। पुष्पा के संगीत निर्देशक देवी श्री प्रसाद ने कथित तौर पर एक लोक गीत गाने के लिए मंगली को चुना है, जो आंध्र प्रदेश में चित्तूर जिले के रायलसीमा क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधित्व करेगी। जैसा कि अल्लू अर्जुन की कहानी चित्तूर जिले के ग्रामीण दूरदराज के इलाकों के इर्द-गिर्द घूमती है, निर्माता एक प्रतिनिधि गीत चाहते थे, जो उद्देश्य की पूर्ति के लिए समर्पित हो। इसलिए, उन्होंने जाहिर तौर पर मंगली को चुना, क्योंकि वह अपने लोक गायन के लिए लोकप्रिय हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि सत्यवती राठौड़, जिसे तेलुगु राज्यों में मंगली के नाम से जाना जाता है, ने तेलुगु में कुछ चार्टबस्टर गाने गाए हैं। अपने पारंपरिक बंजारा पोशाक के लिए प्रसिद्ध, मंगली के तेलंगाना लोक गीतों ने उन्हें एक गायिका और टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता के रूप में प्रसिद्धि दिलाई। उनके हालिया सनसनीखेज गीतों में नागा चौतन्य से सारंगा दरिया और साई पल्लवी अभिनीत लव स्टोरी और एक स्वतंत्र लोक गीत बुलेटू बंदी शामिल हैं। क्राइम थ्रिलर फिल्म पुष्पाः द राइज का यह तीसरा सिंगल है, जिसे लॉन्च किया जाएगा। पुष्पा के गाने डको डको मेका और श्री वल्ली यूट्यूब पर कई मिलियन दर्शकों की संख्या को पार करते हुए तुरंत हिट हो गए। सुकुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म दो भागों में रिलीज होगी- पहला भाग, पुष्पाः द राइज दुनियाभर में 17 दिसंबर को स्क्रीन पर हिट होने के लिए तैयार है। मलयालम फिल्म उद्योग के सबसे चर्चित अभिनेता फहद फासिल फिल्म में खलनायक के रूप में दिखाई देने वाले हैं। **(एजेंसी)**

अज़हर हुसैन फ़िल्म डायरेक्टर और प्रोड्यूसर को मिला अखंड भारत गौरव अवार्ड 2021

लेजेंड फिल्म ऐक्ट्रेस जाया प्रदा और एक्टर कॉमेडियन राजपाल यादव के हाथों द्वारा सम्मान किया गया

मुंबई ब्यूरो

चंडीगढ़ के हॉलीडेन इन होटल में 19 अक्टूबर को यह समारोह रखा गया था, मुंबई ग्लोबल और बंटी इंटरटेनमेंट के द्वारा जिसके ऑर्गेनाइजर राजकुमार तिवारी, बंटी गुप्ता और अमित शर्मा थे। इस कार्यक्रम को संपूर्ण तरह से मैनेज करने में सहयोग किया है रेडएसिड फ़िल्म ने, अजहर हुसैन ने बताया इस कार्यक्रम को करने में ऑर्गेनाइजर्स बहुत मेहनत करते हैं और इस कार्यक्रम में बहुत ही बड़े बड़े हस्तियां उपलब्ध थी, इस कार्यक्रम के ऑर्गेनाइजर राजकुमार तिवारी से अज़हर हुसैन के बहुत ही अच्छे रिश्ते रहे हैं, एक भाई की तरह। राजकुमार तिवारी मुंबई में (मुंबई ग्लोबल) न्यूज़ पेपर हिंदी और अंग्रेजी पत्रिका चलाते हैं और मुंबई में मुंबई ग्लोबल अचीवर्स अवार्ड सातवां सीजन कर रहे हैं। हमेशा अजहर हुसैन को अपने हर कार्यक्रम में साथ रखते हैं, अजहर हुसैन के काम से वह बहुत ही प्रेरित होते हैं और उनकी नई-नई उपलब्धियों की वजह से अज़हर हुसैन को सम्मानित भी करते हैं।

रजनीकांत को दादा साहेब फाल्के और कंगना को मिला बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड

रणवीर गहलोत

सोमवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू और केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस फिल्म पुरस्कार की घोषणा इस साल 22 मार्च को की गई थी। इस मौके पर सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन भी मौजूद थे। हिंदी सिनेमा कैटेगरी में इस बार साल 2019 में रिलीज हुई दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म छिछोरे को बेस्ट हिंदी फिल्म के पुरस्कार से पुरस्कृत किया है। फिल्म में मानसिक स्वास्थ्य जैसे गंभीर विषय पर बात की गई है।

साथ ही अभिनेत्री कंगना रनौत को फिल्म 'मणिकर्णिका' और 'पंगा' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस के अवॉर्ड से नवाजा गया। मनोज बाजपेई और साउथ के सुपरस्टार धनुष को संयुक्त रूप से बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिया गया। सुपर स्टार रजनीकांत को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी' के सुपरहिट सॉन्ग 'तेरी मिट्टी' के लिए बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर का अवॉर्ड गायक बी प्राक को दिया गया। इसके साथ बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर- विजय सेतुपति (सुपर डीलक्स- तमिल), बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस- पल्लवी जोशी (द ताशकंद फाइल्स- हिंदी), बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट- नागा विशाल, करुप्पु दुराई (तमिल),बेल्ट चिल्ड्रेन फिल्म- कस्तूरी (हिंदी), निर्माता- इनसाइट फिल्म्स, निर्देशक- विनोद उत्तरेश्वर काम्बले ,बेस्ट फिल्म ऑन एनवायरनमेंट कंजरवेशन- वॉटर बरियल (मोनपा), निर्माता- फारूख् इफ़्तिखार लस्कर, निर्देशक शांतनु सेन, बेस्ट फिल्म ऑन सोशल इशू- आनंदी गोपाल (मराठी), निर्माता- एस्सेल विजन प्रोडक्शंस, निर्देशक- समीर विधवंस, नर्गिस दत्त अवॉर्ड फॉर फिल्म ऑन नेशनल इंटीग्रेशन- ताजमल (मराठी), निर्माता- टियूलाइन स्टूडियोज, निर्देशक- नियाज मुजावर, बेस्ट फिल्म प्रोवाइडिंग होलसम एंटरटेनमेंट- महर्षि (तेलुगु), बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर- सावनी रवींद्र, गाना- रान पीटला, (मराठी फिल्म- बार्दो), बेस्ट लिरिक्स- प्रभा वर्मा, अरादुम परायुक्का वाय्या- कोलम्बी (मलयालम)बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन (सॉन्ग्स)- डी. इमान, विश्वासम (तमिल) को दिया गया।

अनन्या पांडे नहीं पेश हुईं एनसीबी के ऑफिस में, ड्रग्स केस में एनसीबी फिर भेजेगी ऐक्ट्रेस को नया समन

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस अनन्या पांडे को आज तीसरे दिन यानी सोमवार को मुंबई क्रूज ड्रग्स केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के दफ्तर पहुंचना था, लेकिन वह पेश नहीं हो पाई हैं। ड्रग्स पेडलर्स और इंटरनैशनल ड्रग्स तस्करी के तह तक जाने की कोशिश में जुटी है। इसी कोशिश में एनसीबी की रडार पर इस वक्त हैं बॉलिवुड ऐक्ट्रेस अनन्या पांडे। अनन्या पांडे को आर्यन खान के फोन से मिले वॉट्सऐप चौट के आधार पर एनसीबी तलब कर रही है। बताया जा रहा है कि कुछ व्यक्तगित कारणों से अनन्या पांडे एनसीबी के ऑफिस नहीं पहुंच पाई। माना जा रहा था कि आज तीसरे दिन एनसीबी अनन्या से आर्यन खान ड्रग्स केस में अहम पूताछ करने वाली थी। बताया गया है कि अनन्या पांडे ने पर्सनल कमिटमेंट्स की वजह से एनसीबी से आगे की डेट की मांग की है और ऐक्ट्रेस की इस रिक्वेस्ट को एनसीबी ने मान भी लिया है। इस केस में अनन्या पांडे को नई तारीख के लिए फिर से समन जारी किया जाएगा। एनसीबी का आरोप है कि दोनों में तीन बार ड्रग्स को लेकर बातचीत हो चुकी है। इस केस में दो दिनों में अनन्या पांडे से करीब 6 घंटे एनसीबी पूछताछ कर चुकी है। अनन्या को एनसीबी ऑफिस में आज तीसरे दिन जवाब तलब के लिए बुलाया गया है। कहा जा रहा है कि अनन्या का हाल एक तरफ कुआं और दूसरी ओर खाई वाला हो गया है। कहा जा रहा है कि या तो वह अपने बचपन के दोस्त का साथ दें या फिर कानूनी ऐक्शन के लिए तैयार रहें। पूछताछ में जो बातें सामने आई हैं,

उससे यही लग रहा है कि अनन्या पांडे भी मुश्कलों में फंस सकती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आर्यन और अनन्या के बीच तीन बार न सिर्फ ड्रग्स को लेकर बातचीत हुई है, बल्कि ड्रग पेडलर का नंबर भी शेयर किया गया है। एजेंसी को शक है कि अनन्या ने कई वॉट्सऐप चौट्स डिलीट भी कर दिए हैं। यही कारण है कि एनसीबी ने अनन्या के दो मोबाइल फोन, लैपटॉप समेत 7 इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिए हैं। एनसीबी सूत्रों के मुताबिक, आर्यन के साथ एक चौट में अनन्या पांडे कहती हैं कि उन्होंने पहले गांजा ट्राई किया है और वह इसे फिर से करना चाहती हैं। इस पर आर्यन ने उन्हें एक ड्रग पेडलर का नंबर भी दिया। हालांकि, जब समीर वानखेड़े ने उनसे पूछा कि क्या वह किसी पेडलर को जानती हैं तो अनन्या ने इनकार कर दिया। अनन्या ने एनसीबी ने कहा कि उन्होंने चौट में जो कहा है वह मजाक में है। अनन्या के मुताबिक, उन्होंने कभी ड्रग्स नहीं लिया। आर्यन के साथ उनकी जो बातचीत है वह भी सिगरेट के बारे में है। अनन्या ने कहा कि उन्होंने सिगरेट जरूर पी चुकी हैं। इससे पहले अनन्या पांडे को एनसीबी ने समन जारी कर बुलाया था और दो दिन वह उनके सवालों का जवाब देने एनसीबी दफ्तर गई थीं। एनसीबी अनन्या ने आर्यन खान को लेकर पहले भी कई सवाल कर चुकी हैं। जांच एजेंसी को पैसों के कुछ संदिग्ध लेन-देन का भी पता चला है। शुक्रवार को 4 घंटे चली पूछताछ में अनन्या से 'फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन' यानी पैसों के संदिग्ध लेन-देन को लेकर भी सवाल किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनन्या पांडे ने गुरुवार और शुक्रवार को हुई पूछताछ में ड्रग्स से जुड़े आरोपों को खारिज किया है। अनन्या ने कहा कि उन्होंने कभी न तो ड्रग्स का सेवन किया है और न ही आर्यन खान के लिए या किसी के लिए भी कभी ड्रग पेडलर संपर्क किया है। **(एजेंसी)**

दुर्भाग्यपूर्ण है कि शाहरुख खान का बेटा होना ही आर्यन के खिलाफ जा रहा हैः रजित कपूर

अभिनेता रजित कपूर ने मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार आर्यन खान के मामले को तूल दिए जाने को ''दुर्भाग्यपूण'' करार देते हुए कहा कि यह एक बार फिर साबित करता है कि फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों को '' कठोर जांच'' का सामना करना पड़ता है। गौरतलब है कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने तीन अक्टूबर को मुंबई के तट के पास, गोवा जा रहे एक क्रूज पोत पर छापेमारी के बाद शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान (23) और कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने क्रूज से मादक पदार्थ जब्त करने का दावा किया है।

फिल्म 'द मेकिंग ऑफ द महात्मा' और टीवी सीरिज 'ब्योमकेश बक्शी' में नजर आ चुके कपूर ने कहा कि खान के परिवार को जिस 'मीडिया ट्रायल' का सामना करना पड़ रहा है वह ''बेहद दुर्भाग्यपूण'' है। कपूर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' फिल्म उद्योग से जुड़े लोग चूंकि चर्चा में रहते हैं, इसलिए उन्हें कठोर जांच का सामना करना पड़ता है। यह अनुचित है। यह युवा शाहरुख खान का बेटा है। आपको क्या लगता है कि अगर वह शाहरुख का बेटा नहीं होता, तो उसे इन सब से गुजरना पड़ता ? क्या मीडिया इसका तमाशा बनाता ? तब तो इसके बारे में कोई चर्चा भी ना होती।'' सिनेमा और रंगमंच के जाने माने अभिनेता ने कहा कि आर्यन से उन्हें सहानुभूति है, जो उन्हें लगता है, भावनाओं के कई दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, '' जी बिल्कुल, अभिभावक के तौर पर, मैं काफी परेशान होता। लेकिन उस युवा लड़के के बारे में सोचिए। वह क्या झेल रहा है, वह क्या सोच रहा होगा, 'मेरे पिता शाहरुख खान है और वह कुछ नहीं कर सकते।' इसका मतलब है कि आज शाहरुख खान का बेटा होना ही उनके खिलाफ चला गया है।'' आर्यन ने, महानगर स्थित विशेष अदालत द्वारा पिछले सप्ताह जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उच्च न्यायालय का रुख किया था। उच्च न्यायालय याचिका पर 26 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। विशेष अदालत ने आर्यन खान को जमानत देने से बुधवार को इनकार कर दिया था और कहा था कि प्रथम दृष्ट्या प्रतीत होता है कि वह मादक पदार्थ संबंधी गतिविधियों में नियमित तौर पर शामिल थे। अदालत ने कहा था कि व्हाट्सऐप चौट से भी प्रथम दृष्ट्या प्रतीत होता है कि वह मादक पदार्थ तस्करों के सम्पर्क में थे। **(एजेंसी)**

बंटी और बबली 2 का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज, असली और नकली के बीच मजेदार जंग

लम्बे समय से चर्चा में बनी हुई सैफअली खान, रानी मुखर्जी, सिद्धांत चतुर्वेदी और शरवरी की आगामी फिल्म 'बंटी और बबली 2' का धमाकेदार ट्रेलर सोमवार को मेकर्स ने जारी कर दिया है। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म के कई सारे पोस्टर्स भी जारी किये हैं। जिस के बाद से फैंस इसे लेकर काफी एक्साइटेड हैं। ट्रेलर में देखा जा सकता है कि सैफ अली खान और रानी मुखर्जी पुराने बंटी बबली के अवतार में हैं। लेकिन इस बार वह अपनी पुरानी लाइफस्टाइल छोड़ चुके हैं और एक आम जिंदगी गुजार रहे हैं। इस बीच एंट्री होती है सिद्धांत चतुर्वेदी और शरवरी की जो बंटी और बबली बनकर लोगों से ठगी करते हैं। इसके बाद कहानी में आता है धमाकेदार ट्विस्ट जब पुलिस नए बंटी और बबली की जगह पुराने बंटी -बबली को पकड़ती है। फिर शुरु होती है असली और नकली के बीच की जंग। ट्रेलर में अभिनेता पंकज त्रिपाठी भी नजर आ रहे हैं, जो फिल्म में पुलिस की भूमिका में हैं। यश राज बैनर तले बनी बंटी और बबली 2 'में लीड रोल निभा रही शरवरी इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। वहीं वरुण शर्मा की भी बतौर निर्देशक यह पहली फिल्म है। फिल्म के निर्माता आदित्य चोपड़ा हैं। फिल्म इसी साल 19 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि यह फिल्म साल 2005 में आई अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी की फिल्म 'बंटी और बबली' का सीक्वल है। इस फिल्म में रानी मुखर्जी के साथ अभिषेक बच्चन नजर आये थे, वहीं इसके सीक्वल में रानी मुखर्जी के साथ सैफ अली खान है। **(एजेंसी)**